खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शुक्रवार, 21 मार्च, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-7 | अंक-78

भारत में सांप्रदायिक हिंसा के पीछे है सुनियोजित साजिश

भारत की आंतरिक सुरक्षा पर खतरा बढ़ता ही जा रहा है...

बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में पाकिस्तान आतंकवाद की अपनी ही खुराक से पीड़ित है। इस तरह की हिंसा पाकिस्तान में आंतरिक उथल-पुथल और उसके कम विशेषाधिकार प्राप्त नागरिकों के खुले उत्पीड़न की अभिव्यक्ति है। दूसरी ओर भारत देश में कानून और व्यवस्था की स्थिति को बिगाड़ने के षडयंत्र का शिकार बन रहा है। भारत में हर नागरिक को समान अधिकार प्राप्त है। लेकिन इसी समान अधिकार के नतीजतन सुनियोजित सांप्रदायिक हिंसा की पुनरावृत्ति राष्ट्र की आंतरिक सुरक्षा के लिए बेहद खतरनाक है।

भारत के कथित अल्पसंख्यक समुदाय मुस्लिमों की आबादी लगभग 20 करोड़ है, जो भारत की कुल आबादी का 14.3 प्रतिशत है। लेकिन नैरेटिव यह फैलाया जा रहा है कि यह कथित अल्पसंख्यक समुदाय भारत में खतरे में है। इंडोनेशिया और पाकिस्तान के बाद भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी वाला देश है। इतनी बड़ी आबादी को अल्पसंख्यक कहना सर्वथा गलत और अनैतिक है, क्योंकि भारत में अल्पसंख्यक ईसाई धर्म है, जिसकी आबादी भारत की आबादी का मात्र 2.3 प्रतिशत है। इसके बाद सिख समुदाय है जो भारत की कुल आबादी का सिर्फ 1.72 प्रतिशत है। इसके बाद क्रमशः बौद्ध, जैन, पारसी और कुछ अन्य धार्मिक समुदाय हैं, जिनका प्रतिशत गिनने के लायक भी नहीं। लेकिन क्या आपने कभी भारत में ईसाई और सिखों को सांप्रदायिक दंगा करते देखा है? इसका जवाब स्पष्ट तौर पर न है।

शुभ-लाभ सरोकार

मुस्लिम समुदाय के कट्टरपंथ और उसकी अंध-सांप्रदायिकता ने देश में अशांति को बढ़ावा दिया है। हालांकि अधिकांश मुस्लिम समुदाय शांति से रहना चाहता है, लेकिन वह बरगलाने वाले और उकसाने वाले मौलानाओं या कट्टरपंथी तत्वों के खिलाफ कुछ बोल नहीं सकते। बहुसंख्यक हिंदू समुदाय सैकड़ों साल की पराधीनता और धार्मिक अत्याचार के बाद अब जागरूक और मुखर हो रहा है। भारत के सच्चे इतिहास के ज्ञान और कुछ हिंदू शासकों के साथ किए गए अत्याचार ने भी लाखों लोगों के मानस को आंदोलित किया है। हिंदुओं को एकजुट करने का प्रयास किया जा रहा है, जो अब तक जाति के आधार पर अत्यधिक विभाजित थे। लेकिन हिंदू धर्म सहिष्णुता सिखाता है और कुल मिलाकर शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व में विश्वास करता है। अन्यथा, बहुसंख्यक समुदाय की उदारता के बिना भारत में सभी अल्पसंख्यक समुदायों के लिए समान अधिकारों की कल्पना करना कठिन है। चूंकि मुस्लिम समुदाय कुछ राजनीतिक दलों के लिए एक आकर्षक वोट बैंक बन गया था, इसलिए इस समुदाय को केंद्र और राज्यों दोनों में विशेष संरक्षण और समर्थन मिला। इस तरह के विशेषाधिकारों को हल्के में लिया गया और जब नई सरकार द्वारा उन पर ▶10 पर

13 महीने बाद हुआ पंजाब के किसान आंदोलन का पटाक्षेप

आंदोलन के बहाने जारी एजेंडावाद पर सर्जिकल स्ट्राइक

चंडीगढ़, 20 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब में हरियाणा के साथ लगती शंभू और खनौरी सीमा पर 13 माह से चल रहे किसानों के धरने को राज्य सरकार ने बुधवार रात पुलिस की मदद से हटा दिया। पुलिस ने बुलडोजर चलाकर खनौरी और शंभू बॉर्डर पर बने मंच ढहा दिए और टेंट भी उखाड़ दिए। किसान यहां पिछले साल 13 फरवरी से धरने पर बैठ थे। केंद्र सरकार और किसान संगठनों की बुधवार को चंडीगढ़ में हुई बैठक बेनतीजा रही। बैठक खत्म होने के बाद खनौरी व शंभू बॉर्डर लौट रहे किसान नेताओं जगजीत सिंह डल्लेवाल, सरवण सिंह पंधेर समेत 300 से अधिक किसानों को हिरासत में ले लिया गया।

शंभु एवं खनौरी सीमा पर बना अड्डा उखाड़ा गया

तीन सौ से अधिक किसान हिरासत में लिए गए

पंजाब के डीजीपी गौरव यादव और स्पेशल डीजीपी लॉ एंड ऑर्डर अर्पित शुक्ला की अध्यक्षता में मंगलवार दोपहर 12 बजे हाईलेवल मीटिंग हुई थी, जिसमें बुधवार शाम को शंभू व खनौरी बॉर्डर को खाली कराने की प्लानिंग हो गई थी। यही कारण रहा कि किसान पुलिस के चक्रव्यूह में फंस गए। बॉर्डर खाली कराने के लिए 5000 हजार पुलिस जवानों की टुकड़ी को तैयार रखा गया था। चंडीगढ़ स्थित पुलिस मुख्यालय से पहले ही सूचना दे दी गई थी कि शंभू व खनौरी बॉर्डर को वीरवार सुबह तक हर हाल में खाली कराना है। ▶10 पर

तेलंगाना में मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता के आयोजन पर विवाद

सौंदर्य प्रतियोगिता पर हो रही बदसूरत सियासत

हैदराबाद, 20 मार्च (एजेंसियां)। दुनिया की सबसे चर्चित ब्यूटी और मॉडलिंग प्रतियोगिता मिस-वर्ल्ड का आयोजन इस बार भारत में होना है। इसके आयोजन का अवसर तेलंगाना को दिया गया है, लेकिन इससे पहले ही राज्य में सियासी घमासान छिड़ गया है। प्रतियोगिता के आयोजन में एक महीने से ज्यादा का समय है, लेकिन सियासी खींचतान से मिस-वर्ल्ड प्रतियोगिता के आयोजन में बाधा पड़ने की आशंका से भी इन्कार नहीं किया जा सकता।

फॉर्मूला-ई रेस पैसों की बर्बादी था तो अधिक खर्चीला ब्यूटी कॉन्टेस्ट क्यों

भारत की तरफ से मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता में भाग लेंगी निकिता पोरवाल

तेलंगाना की प्रमुख पार्टी भारतीय राष्ट्र समिति (बीआरएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मिस वर्ल्ड का आयोजन तेलंगाना में कराए जाने को लेकर सवाल उठाए हैं। जबकि सत्ताधारी कांग्रेस का कहना है कि इस आयोजन से तेलंगाना वैश्विक नक्शे पर अपनी जगह बनाने में कामयाब रहेगा। विपक्ष का कहना है कि राज्य पहले ही आर्थिक समस्याओं से जूझ रहा है। सरकार को पहले ही सरकारी कर्मियों की तनख्वाह देने और अहम खर्चे उठाने में मुश्किलें आ रही हैं, लेकिन कांग्रेस मिस वर्ल्ड के भव्य आयोजन के लिए भारी-भरकम रकम खर्च करने के लिए तैयार है।

तेलंगाना सरकार मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता को राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने का अहम जरिया बता रही है। मंगलवार को ही मौजूदा मिस वर्ल्ड क्रिस्टीना पिस्जकोवा ने तेलंगाना टूरिज्म का प्रचार करते हुए यादगिरी गुट्टा श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर के बाहर अलग-अलग जगहों पर ▶10 पर

नौकरी के बदले जमीन घोटाला

लालू यादव से ईडी ने की 4 घंटे पूछताछ

पटना, 20 मार्च (एजेंसियां)। जमीन के बदले नौकरी मामले में बुधवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने करीब चार घंटे तक पूछताछ की। लालू यादव सुबह करीब 10.30 बजे पटना में ईडी के बैंक रोड स्थित कार्यालय पहुंचे थे। उनकी सबसे बड़ी बेटी सांसद मीसा भारती भी अपने पिता के साथ थीं। ईडी के अधिकारियों ने लालू यादव से पूछताछ में उनसे सवाल किया कि किशुन देव राय ने 3 हजार वर्ग फीट की जमीन मात्र 3 लाख 75 हजार रुपए में राबड़ी देवी को ही क्यों बेची? राज कुमार सिंह, मिथिलेश कुमार और अजय कुमार से आप कब मिले थे? ईडी ने लालू यादव से पूछा कि आपसे मिलने और राबड़ी देवी को जमीन मिलने के बाद ही इन तीनो को मध्य रेलवे मुम्बई में ग्रुप डी के पद पर नौकरी क्यों मिली? ▶10 पर

नागपुर दंगा : औरंगजेब की नस्लों का हिंसक उत्पात

मास्टरमाइंड फहीम खान समेत 6 पर देशद्रोह का केस

नागपुर, 20 मार्च (एजेंसियां)। नागपुर दंगों के मास्टरमाइंड फहीम खान सहित 6 लोगों के खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज किया गया है। हिंसा के मामले में 84 लोग गिरफ्तार किए गए हैं। अब तक सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म फेसबुक, एक्स और यू-ट्यूब से करीब 230 पोस्ट की पहचान की गई है। इस मामले में 50 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और कुल 10 एफआईआर दर्ज की गई है। शहर के 11 स्थानों पर लगाए गये कर्फ्यू में से छह स्थानों पर गुरुवार को आंशिक ढील दी गई। इस दंगे के बाद छत्रपति संभाजीनगर में औरंगजेब की कब्र पर आर्केयोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (एएसआई) ने सुरक्षा बढ़ा दी है। कब्र के चारों तरफ टिन और तार की बाड़ लगाई गई है। अब यह कब्र पूरी तरह ढंक दी गई है। साइबर सेल के पुलिस उपायुक्त लोहित मतानी ने ▶10 पर

50 आरोपियों पर एफआईआर, 230 भड़काऊ पोस्ट हटे

नागपुर दंगे में बांग्लादेश का कनेक्शन सामने आया

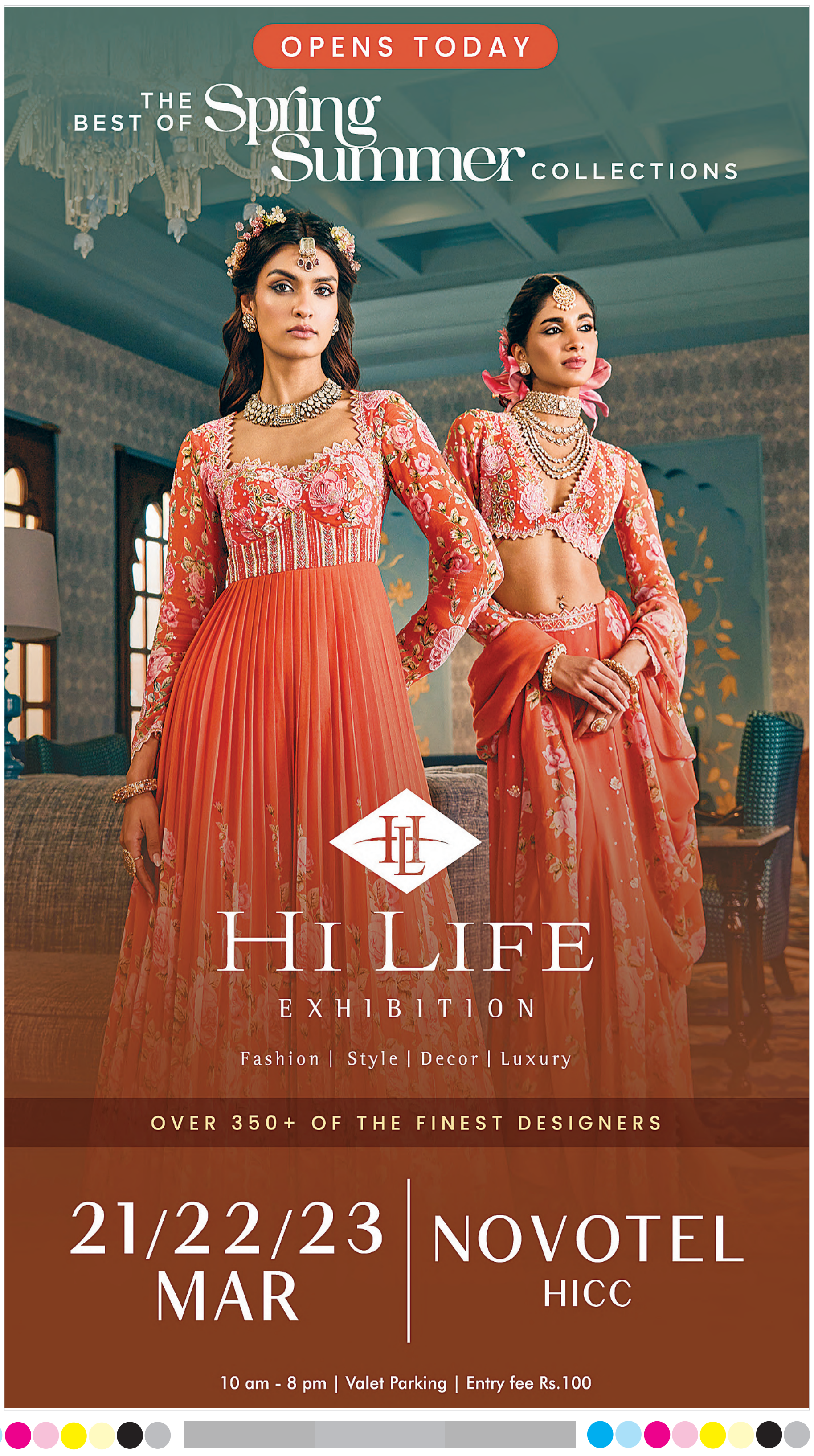

अमेरिकी खुफिया प्रमुख बांग्लादेश में बढ़ते इस्लामिक चरमपंथ पर चिंतित

जाते जाते बांग्लादेश को कड़ी चेतावनी दे गईं तुलसी गबार्ड

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिकी खुफिया विभाग की प्रमुख एवं नेशनल इंटेलिजेंस की निदेशक कर्नल तुलसी गबार्ड बांग्लादेश में इस्लामी चरमपंथ के बढ़ते संकट पर चिंता जताते हुए पिछले दिनों भारत से रवाना हुईं। यह डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद अमेरिका के बदलते रुख का साफ संकेत है। गबार्ड ने चेतावनी देते हुए बांग्लादेश को ऐसा राष्ट्र बताया जो वैश्विक खिलाफत के लिए एक मंच बनने की कगार पर है। यह चेतावनी बांग्लादेश के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ पर आई है, एक ऐसा देश जो कभी अपने धर्मनिरपेक्ष आधार के लिए प्रशंसित था, लेकिन अब कट्टरपंथी इस्लामी गतिविधियों में उछाल से जूझ रहा है। गबार्ड ने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों का उत्पीड़न एक लंबे समय से चली आ रही चिंता है। यह इस्लामी आतंकवाद अब राष्ट्रपति ट्रंप के प्रशासन के लिए एक बड़ी चिंता बन गया है। गबार्ड की चेतावनी से बांग्लादेश सरकार बौखलाहट में है। इसी बौखलाहट में कुछ दिखावटी कार्रवाइयां की जा रही हैं।

बौखलाहट में चरमपंथियों पर दिखावटी कार्रवाई कर रहे यूनुस

मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के तहत हाल के घटनाक्रमों ने चरमपंथ से निपटने की इसकी प्रतिबद्धता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बढ़ते कट्टरपंथ के एक परेशान करने वाले प्रदर्शन में, प्रतिबंधित आतंकी संगठन हिज्ब उत-तहरीर ने शुक्रवार 7 मार्च को ढाका में एक विशाल रैली का आयोजन किया, साथ ही देश भर में कट्टरपंथी इस्लामवादियों द्वारा नियमित रूप से किए जाने वाले अन्य भीड़ के हमलों और अराजकता का भी आयोजन किया। लंबे समय से चले आ रहे प्रतिबंध को धता बताते हुए, चरमपंथी समूह एचटी के एक हजार से अधिक गुर्गों ने दिनदहाड़े लामबंद होकर, अपने खिलाफत के लिए मार्च अभियान के तहत राजधानी में मार्च किया। शुक्रवार की नमाज के तुरंत बाद राष्ट्रीय मस्जिद में आयोजित यह प्रदर्शन कानून प्रवर्तन एजेंसियों की पूरी नजरों के सामने हुआ, जिसने मौजूदा प्रशासन के तहत कट्टरपंथी तत्वों को दी जा रही ▶10 पर

इजराइल का गाजा पर जमीनी हमला, 70 की मौत

गाजा पट्टी, 20 मार्च (एजेंसियां)।

इजराइल ने गाजा पट्टी में सक्रिय आतंकी समूह हमास को तहस-नहस करने के इरादे से युद्ध विराम टूटने के बाद पहली बार बुधवार को जमीनी हमला किया। इस हमले में कम से कम 70 लोग मारे गए। इजराइली सेना ने कहा कि उसने गाजा में हमास के ठिकानों पर धावा बोला। इस लड़ाई में महत्वपूर्ण जगहों पर उसने कब्जा कर लिया।इससे एक दिन पहले इजराइल ने बमबारी की थी। बमबारी में कम से कम 400 लोगों की जान गई।

अमेरिकी न्यूज चैनल सीएनएन की खबर के अनुसार, इजराइल ने जमीनी लड़ाई गाजा पर बमबारी करने के एक दिन बाद शुरू की है। इसी के साथ हमास के साथ युद्ध विराम टूट गया। इजराइल ने हमास पर बंधकों को रिहा करने से इनकार करने और मध्यस्थों के प्रस्तावों को अस्वीकार करने का आरोप लगाया। वहीं, हमास ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर एकतरफा युद्ध विराम खत्म करने और बंधकों को जोखिम में डालने का आरोप मढ़ा है।

इजराइल के रक्षा बलों (आईडीएफ) ने बुधवार को कहा कि उसके सैनिकों ने उत्तरी और दक्षिणी गाजा के बीच आंशिक बफर बनाने के लिए मध्य और दक्षिणी गाजा पट्टी में लक्षित जमीनी गतिविधियां शुरू की हैं। आईडीएफ ने कहा कि हमारे सैनिकों ने नेत्जारिम कॉरिडोर के केंद्र को नियंत्रण में ले लिया है।

इजराइल के आक्रामक रुख से हमास के शीर्ष नेतृत्व में खलबली मची हुई है। बुधवार को एक बयान में आतंकवादी समूह ने कहा कि वह जनवरी में इजराइल के साथ किए गए युद्धविराम समझौते के प्रति प्रतिबद्ध है। गाजा के नागरिक सुरक्षा प्रवक्ता महमूद बासल के अनुसार, बुधवार को गाजा में इजराइली हमलों में कम से कम 70 लोग मारे गए। मारे गए लोगों में से 50 उत्तरी और मध्य गाजा, जबकि 20 लोग दक्षिणी शहरों राफाह और खान यूनिस के हैं। इस बीच उत्तरी गाजा के बेत लाहिया में एक कब्रिस्तान पर इजरायली हमले में 21 लोगों के मारे जाने की खबर है। बासल ने बताया कि गाजा शहर के अल-सबरा इलाके में हुए हमले में छह बच्चों सहित 21 अन्य लोग मारे गए। नागरिक सुरक्षा ने कहा कि इजराइल की मानवीय सहायता पर लगभग तीन सप्ताह तक लगाई गई नाकेबंदी से एन्क्लेव में पहले से ही खराब स्थिति और खराब हो गई है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, मंगलवार को इजराइली हवाई हमलों में गाजा में 400 से अधिक लोग मारे गए।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल में सर्वेक्षण, संविधान की प्रस्तावना में हिन्दू राष्ट्र रखने का सबसे बड़ी पार्टी नेपाली कांग्रेस को सुझाव

काठमांडू। नेपाल में मची राजनीतिक उथलपुथल के बीच देश की सबसे बड़ी राजनीतिक दल नेपाली कांग्रेस को संविधान की प्रस्तावना में हिन्दू राष्ट्र रखने का सुझाव दिया गया है। नेपाली कांग्रेस से आबद्ध पेशागत, बौद्धिक और वकीलों के संगठनों ने देशभर में सर्वेक्षण कर पार्टी नेतृत्व को यह सुझाव दिया है। कहा गया है कि इस समय रजवाड़ों की सक्रियता को रोकना है तो देश को हिन्दू राष्ट्र घोषित करना होगा। पार्टी के बौद्धिक संगठन की प्रभारी डॉ. डीला संग्रौला ने एक समारोह में पार्टी के अध्यक्ष शेर बहादुर देउवा को इस सर्वेक्षण का परिणाम सुझाव सहित सौंपा। इस सर्वेक्षण में पार्टी के नेता, कार्यकर्ता और पार्टी के समर्थकों तथा वोटरों के बीच जाकर किया गया है। इसमें अधिकांश लोगों ने नेपाल को फिर से हिन्दू राष्ट्र बनाने को लेकर पार्टी को इस मुहिम का नेतृत्व करने का सुझाव दिया गया है। नेपाल के संविधान से धर्मनिरपेक्षता शब्द को हटा कर हिन्दू राष्ट्र लिखने की बात पर पूरे देश भर में एकमत होने की बात डॉ. डीला संग्रौला ने बताई। उन्होंने बताया कि इस समय पूरे देश का मूड है कि हिन्दू राष्ट्र वाले अभियान का नेपाली कांग्रेस नेतृत्व करे। संग्रौला ने यह भी कहा कि राजतंत्र को लेकर जिस तरह से पिछले कुछ दिनों से माहौल बनाया जा रहा है उसकी काट के लिए हिन्दू राष्ट्र के एजेंडा को ही आगे बढ़ाना एक मात्र विकल्प है। इस सर्वेक्षण में लोगों ने माना है कि देश में लोकतंत्र और गणतंत्र की रक्षा के लिए और देश में फिर से निरंकुश राजतंत्र को नही आने देने के लिए भी हिन्दू राष्ट्र का एजेंडा एकमात्र विकल्प है।

ट्रंप से जज ने दो टूक कहा- आदेश नहीं मानोगे तो परिणाम भुगतने ही होंगे

वॉशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वेनेजुएला के लोगों को निर्वासित करने के फैसले को लेकर ट्रंप प्रशासन और अमेरिकी न्याय व्यवस्था के बीच में ठनी हुई है। वेनेजुएला के एक समूह के सदस्यों के निर्वासन को अस्थायी रूप से रोकने का आदेश देने वाले अमेरिकी जज ने कहा कि ट्रंप प्रशासन को इस आदेश का उल्लंघन करने के लिए परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। दरअसल, ट्रंप प्रशासन ने वेनेजुएला के एक गिरोह के सदस्यों को 18 सदी के एक कानून के तहत देश से बाहर निकालने का फैसला किया था। जिन लोगों को निर्वासित किया जाना था उनमें से कुछ लोगों का केस बोसबर्ग की अदालत में चल रहा था, जब बोसबर्ग की इसकी जानकारी दी गई तो उन्होंने इन लोगों को हिरासत में लेने का आदेश दिया। बोसबर्ग के इस आदेश के बाद इन लोगों को निर्वासित करने के ट्रंप प्रशासन के फैसले पर सवाल खड़ा हो गया। यही नहीं बोसबर्ग ने वेनेजुएला के बाकी लोगों के निर्वासन पर भी अस्थाई तौर पर रोक लगाते हुए आदेश जारी कर दिया। जज को जब बताया गया कि कुछ लोगों को लेकर हवाई जहाज उड़ान भर चुका है तो उन्होंने मौखिक रूप से वापस बुलाने के लिए कहा.. यहीं पर बात फंस गई। ट्रंप प्रशासन द्वारा लिखित आदेश का पालन तो किया गया लेकिन मौखिक तौर पर दिए गए आदेश का पालन नहीं किया गया। बता दें कि हालांकि जज ने इसके पहले ट्रंप प्रशासन को निष्कासनों पर विस्तार से रिपोर्ट करने का भी समय दिया है।

सच्चाई जानने के बाद लडकी हुई शाक्ड बदल गई जिंदगी

लंदन। ब्रिटेन की रहने वाली मेगन फिलिप्स को अचानक एक अजनबी ने उसकी ज़िंदगी का सबसे बड़ा सच बता दिया। सोशल मीडिया पर मेगन फिलिप्स ने अपनी कहानी साझा करते हुए बताया कि उसके परिवार ने उससे एक ऐसा सच छुपाया था, जिसे जानने के बाद उसकी पूरी ज़िंदगी ही बदल गई। लडकी से बचपन से बताया गया था कि उसके माता-पिता वही लोग हैं, जिनके साथ वह बड़ी हुई थी, और उसकी एक बहन भी है। लेकिन एक दिन स्कूल में किसी अजनबी ने उसे आकर बताया कि जिसे वह अपनी बहन मानती है, असल में वही उसकी मां है। इसके अलावा, जिन लोगों को वह माता-पिता समझती थी, वे असल में उसके नाना-नानी थे। यह सुनते ही मेगन के पैरों तले ज़मीन खिसक गई। पहले तो उसे यकीन नहीं हुआ, लेकिन जब उसने घर की पुरानी तस्वीरें देखीं, तो शक गहरा गया। एक फोटो में वह अपनी 'बहन' की गोद में थी, जो किसी मां-बेटी की तस्वीर जैसी लग रही थी। आखिरकार, जब उसने अपने परिवार से इस बारे में बात की, तो सच सामने आ ही गया। मेगन की मां महज़ 14 साल की उम्र में प्रेग्नेंट हो गई थीं और 15 साल की उम्र में उन्होंने मेगन को जन्म दिया था।

फिनलैंड के लोग दुनिया में सबसे ज्यादा खुश

वाशिंगटन, 20 मार्च (एजेंसियां)।

समूची दुनिया में फिनलैंड के लोग सबसे ज्यादा खुश हैं। इंग्लैंड के ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के वेलबीइंग रिसर्च सेंटर की प्रकाशित वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट-2025 के अनुसार, फिनलैंड ने लगातार आठवें साल खुशहाल देशों की सूची में प्रथम स्थान हासिल किया है। डेनमार्क, आइसलैंड, नॉर्वे और स्वीडन भी शीर्ष 10 में शामिल हैं। यह रिपोर्ट गैलप, वेलबीइंग रिसर्च सेंटर, संयुक्त राष्ट्र सतत विकास समाधान नेटवर्क की मेहनत का नतीजा है।

नॉर्डिक देशों का जलवा

गैलप की प्रबंध निदेशक इलाना रॉन लेवे ने कहा कि नॉर्डिक देशों का इस सूची में शीर्ष पर होना कोई आश्चर्य की बात नहीं है। फिनलैंड के लोग अपने जीवन के बारे में अच्छा महसूस करते हैं। जबकि संयुक्त राज्य अमेरिका में ऐसा नहीं है। महत्वपूर्ण यह है कि नॉर्डिक शब्द का मतलब है उत्तरी यूरोप और खास तौर पर स्कैंडिनेवियाई क्षेत्र। नॉर्डिक शब्द की उत्पत्ति स्थानीय शब्द नॉर्डेन से हुई है। इसका मतलब है उत्तर। आमतौर पर नॉर्डिक शब्द का इस्तेमाल बाल्टिक सागर के आसपास के यूरोप के उत्तरी क्षेत्र के लिए किया जाता है।

अमेरिका शीर्ष 10 देशों में भी नहीं

रॉन लेवे ने कहा कि सूची तैयार करने में रिपोर्ट में शामिल 130 से अधिक देशों की प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद, सामाजिक समर्थन, स्वस्थ जीवन प्रत्याशा, स्वतंत्रता, उदारता और भ्रष्टाचार से मुक्ति के प्रयासों का ध्यान रखा गया। लेवे का मानना है कि एक और फिनलैंड को अन्य देशों से अलग रखती है। वह है परोपकारी कार्यों का महत्व। वह कहती है कि परोपकार करने से खुशी को भी बढ़ावा मिलता है। संयुक्त राज्य अमेरिका शीर्ष 10 की सूची में जगह बनाने में विफल रहा और वास्तव में पिछले साल 23वें स्थान से गिरकर 24वें स्थान पर आ गया। रॉन लेवे ने कहा कि अमेरिकी अकेले भोजन करने में अधिक से अधिक समय बिता रहे हैं। वह कहती हैं कि खुशी का मतलब सिर्फ जीडीपी या उच्च वेतन से नहीं बल्कि विश्वास, सामाजिक संबंध, रिश्ते और इन सभी अलग-अलग आयामों से है। यही बात सबसे ज्यादा खुश देशों को अलग करती है। उन्होंने कहा कि कोस्टा रिका और मेक्सिको दोनों पहली बार शीर्ष 10 पर पहुंचे हैं। इससे पता चलता है कि लोगों को खुश करने के लिए आपको दुनिया के सबसे धनी देशों में से एक होने की जरूरत नहीं है। बुनियादी आर्थिक जरूरतें पूरी होने पर उच्च जीवन मूल्यांकन भी संभव है।

दुनिया के शीर्ष 10 सबसे खुशहाल देश

वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट-2025 की सूची में शीर्ष देशों में क्रमशः फिनलैंड, डेनमार्क, आइसलैंड, स्वीडन, नीदरलैंड, कोस्टा रिका, नॉर्वे, इजराइल, लक्जमबर्ग और मेक्सिको हैं। डेनमार्क 2025 के लिए दुनिया का दूसरा सबसे खुशहाल देश है। यह एक दशक से ज्यादा समय से वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट में शीर्ष 10 में रहा है। रॉन लेवे कहती हैं कि हालांकि डेनमार्क के लोग दुनिया के सबसे ज्यादा करों में से कुछ का ही भुगतान करते हैं। देश में अधिकतर स्वास्थ्य सेवाएं मुफ्त हैं। बच्चों की देखभाल पर सब्सिडी दी जाती है। विश्वविद्यालय के छात्र पढ़ाई के दौरान खर्चों को पूरा करने के लिए अनुदान प्राप्त करते हैं। बुजुर्गों को पेंशन मिलती है और उन्हें देखभाल करने वाले सहायक उपलब्ध कराए जाते हैं। आर्थिक सहयोग और विकास संगठन बेहतर जीवन सूचकांक के अनुसार, नॉर्डिक देश नौकरियों, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण गुणवत्ता, सामाजिक संबंधों, नागरिक जुड़ाव और जीवन संतुष्टि में औसत से बेहतर प्रदर्शन करता है। डेनमार्क इस संगठन और नाटो का संस्थापक सदस्य है।

अफगानिस्तान सूची में सबसे नीचे

अफगानिस्तान (नंबर 147) एक बार फिर सूची में सबसे नीचे है। सिएरा लियोन (नंबर 146), लेबनान (नंबर 145), मलावी (नंबर 144) और जिम्बाब्वे (नंबर 143) खुशहाली के मामले में सबसे निचले पांच देशों में शामिल हैं।

हेलसिंकी फ़िनलैंड में कोकूमस सत्तारूढ़ पार्टी से चुनाव में उतरीं तस्लीमा ज़मान

हेलसिंकी, 20 मार्च (एजेंसियां)। हेलसिंकी (फिनलैंड) की स्थानीय सरकारों के लिए चुनाव, जिसमें नगर परिषद और क्षेत्रीय सरकारें शामिल हैं, 13 अप्रैल को होने वाले हैं। इसमें कोकूमस सत्तारूढ़ पार्टी से एशियाई उम्मीदवार तस्लीमा ज़मान चुनाव लड़ रही हैं।इसी क्रम में, चुनाव आयोग ने गुरुवार, 13 मार्च को प्रत्येक उम्मीदवार को मतपत्र संख्या सौंपी है। 220 नंबर वह है जो तस्लीमा को दिया गया है।उक्त चुनाव में, तस्लीमा ज़मान हेलसिंकी में सत्तारूढ़ पार्टी कोकूमस के लिए प्रचार करने वाली एकमात्र बांग्लादेशी एशियाई महिला हैं। जो चुनाव लड़ रही हैं।इस अवसर पर तस्लीमा ज़मान ने कहा कि वे अप्रवासियों, विशेष रूप से वंचित महिलाओं और पुरुषों के लिए उनकी कार्यकुशलता में सुधार लाने और उन्हें समाज में एकीकृत करने के लिए प्रभावी उपाय करने और फिर उन उपायों को क्रियान्वित करने की संभावना पर विचार कर रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि महिलाओं के सशक्तीकरण और उनके पहनावे की स्वतंत्रता सुनिश्चित करना। बच्चों और किशोरों को उनके मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करने वाले कार्यक्रमों के लिए आवंटित धन की मात्रा बढ़ाना। उचित बुनियादी ढाँचा विकसित करते समय युवाओं को ध्यान में रखना और यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि क्रिकेट जैसे लोकप्रिय खेलों के लिए बजटीय संसाधन आवंटित किए जाएँ। उन्होंने नए करियर की संभावनाओं को तैयार करने और विशेष सहायता प्रदान करने के लिए प्रभावी उपाय करने के साथ-साथ यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्धता जताई कि वृद्धों के लिए उचित सेवाएँ प्रदान की जाएँ। तस्लीमा ज़मान ने उस समुदाय के सर्वोत्तम हित में काम करने की प्रतिबद्धता जताई जिसमें वह रहती हैं। उन्हें उम्मीद है कि हर कोई, चाहे उनकी राजनीतिक संबद्धता कुछ भी हो, इस प्रयास में उनका सहयोग और समर्थन करेगा। तस्लीमा ज़मान बंगाली भाषा और संस्कृति के विकास की दिशा में काम करने के अलावा खेलों के विकास की दिशा में भी काम कर रही हैं।जब फ़िनलैंड में स्थायी शहीद मीनार के निर्माण की बात आती है, तो वे इस अवधारणा को शुरू करने वाले लोगों में से एक हैं। इस साल हेलसिंकी शहर के लिए हुए चुनावों के दौरान, चुनाव आयोग ने मतदाताओं के लिए मतदान को और अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए पर्याप्त तैयारी पूरी कर ली है।चुनाव आयोग ने तय किया है कि अग्रिम मतदान के लिए 2 अप्रैल से 8 अप्रैल तक का समय होगा।इसके अलावा, मतदान का दिन 13 अप्रैल है। नतीजे 16 अप्रैल को सार्वजनिक किए जाने हैं। जो कोई भी दो साल की अवधि के लिए फिनलैंड का निवासी रहा है, वह मतदान करने के लिए पात्र है।

टॉम क्रूज अपनी लव लाइफ को लेकर चर्चा में

62 साल के हॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता टॉम क्रूज के बारे में खबरें आ रही हैं कि वह 36 साल की खूबसूरत और प्रतिभाशाली एक्ट्रेस एना डी आर्मस को डेट कर रहे हैं। हॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता टॉम क्रूज इन दिनों अपनी लव लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में दोनों को लंदन में एक साथ देखा गया, जिससे उनकी डेटिंग की अफवाहें और भी तेज हो गई हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, हाल ही में टॉम क्रूज और एना डी आर्मस को एक साथ लंदन हेलिपोर्ट पर उतरते हुए देखा गया। बताया जा रहा है कि वे हेलीकॉप्टर से वहां पहुंचे थे। इस दौरान दोनों ने कैजुअल आउटफिट पहने हुए थे और वे काफी सहज और खुश नजर आ रहे थे। सोशल मीडिया पर दोनों की तस्वीरें वायरल हो गई हैं, जिससे फैंस इनकी रिलेशनशिप को लेकर अटकलें लगा रहे हैं।

अब तक का सबसे गर्म साल रहा 2024
संरा ने जारी की क्लाइमेट स्टेटस रिपोर्ट

जिनेवा, 20 मार्च (एजेंसियां)।

संयुक्त राष्ट्र के विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने अपनी वार्षिक क्लाइमेट स्टेटस रिपोर्ट जारी की। इसमें कहा गया कि 2024 अब तक का सबसे गर्म साल रहा। इसने 2023 के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया। संगठन के अनुसार, 2024 में पहली बार वैश्विक तापमान 1850-1900 में निर्धारित आधार रेखा से 1.5 डिग्री सेल्सियस ज्यादा दर्ज किया गया। यह रिपोर्ट 19 मार्च को यहां संगठन की महासचिव प्रो. सेलेस्टे साउलो ने जारी की। इससे पहले की रिपोर्ट में 2014 से 2023 का समय सबसे गर्म दशक के रूप में रिकॉर्ड किया गया था। इन 10 वर्षों में हीटवेव ने महासागरों को प्रभावित किया। साथ ही ग्लेशियरों को रिकॉर्ड नुकसान हुआ। यही नहीं साल 2024 में चक्रवात, बाढ़, सूखा और अन्य आपदाओं ने 2008 के बाद से सबसे अधिक लोगों को विस्थापित किया। लगभग 36 मिलियन लोगों को अपने घरों से बाहर निकलने के लिए मजबूर होना पड़ा। सिचुआन भूकंप के बाद चीन में लाखों लोग विस्थापित हुए। बाढ़ ने भारत में भी लाखों लोगों को प्रभावित किया। सऊदी अरब सहित दर्जनों स्थानों में अभूतपूर्व हीटवेव दर्ज की गई। हज यात्रा के दौरान तापमान 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। रिपोर्ट में आगाह किया है कि मानव निर्मित जलवायु परिवर्तन के संकेत 2024 में नई ऊंचाइयों पर पहुंच गए। संभवत: 2024 पहला कैलेंडर वर्ष है, जिसका तापमान पूर्व औद्योगिक युग से 1.5 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। वैश्विक औसत सतही तापमान 1850-1900 के बीच 1.55 ह 0.13 डिग्री सेल्सियस अधिक था। रिपोर्ट में जीवन और आजीविका की रक्षा के लिए मजबूत प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली और जलवायु सेवाओं में निवेश की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया गया है। संगठन की महासचिव प्रो. सेलेस्टे साउलो ने कहा कि इसका मतलब यह नहीं है कि पेरिस समझौते के दीर्घकालिक तापमान लक्ष्य पहुंच से बाहर हैं। यह एक चेतावनी है कि हम अपने जीवन, अर्थव्यवस्था और ग्रह के लिए जोखिम बढ़ा रहे हैं।

पाक की हुकूमत पर खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री गंडापुर का तंज, कहा-विज्ञप्तियों से नहीं खत्म होगा आतंकवाद

इस्लामाबाद, 20 मार्च (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के लंबे समय से अशांत प्रांत खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने आतंकवाद के मुद्दे पर संघीय सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विज्ञप्तियों से आतंकवाद कभी नहीं खत्म होगा। अगर ऐसा होता तो जाने कब पाकिस्तान से आतंकवाद खत्म हो जाता। उन्होंने आतंकवाद से लड़ने का संकल्प लेने वाले शीर्ष नागरिक-सैन्य दल की कड़ी आलोचना की और तर्क दिया कि केवल बैठक करने से समस्या का समाधान नहीं हो सकता।

पाकिस्तान के द न्यूज इंटरनेशनल अखबार की खबर के मुताबिक, एक स्थानीय टीवी चैनल को दिए साक्षात्कार में मुख्यमंत्री गंडापुर ने कहा कि अगर आतंकवाद को केवल एक विज्ञप्ति जारी करने या एक बैठक करने से खत्म किया जा सकता, तो यह अब तक खत्म हो चुका होता। उन्होंने सुझाव दिया कि देश से आतंकवाद को खत्म करने की रणनीति तैयार करने के लिए एक समिति गठित की जानी चाहिए।

उनकी यह टिप्पणी आतंकवाद को पूरी ताकत से हराने के लिए एकता और राजनीतिक प्रतिबद्धता की आवश्यकता पर जोर दिए जाने के एक दिन बाद आई है। यह प्रतिबद्धता पिछले दिनों नेशनल असेंबली के बंद कमरे में बुलाई गई बैठक में दोहराई गई। नेशनल असेंबली के अध्यक्ष सरदार अयाज सादिक की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, संसदीय समिति के सदस्य, राजनीतिक नेता, सेना प्रमुख, इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई), मिलिट्री इंटेलिजेंस (एमआई), इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के महानिदेशक, प्रमुख संघीय मंत्री और सैन्य और खुफिया एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। पीटीआई नेतृत्व, महमूद खान अचकजई और अख्तर मेंगल ने बैठक से दूरी बनाकर रखी। यह बैठक जाफर एक्सप्रेस पर आतंकवादी हमले के बाद प्रधानमंत्री की सलाह पर बुलाई गई थी। इस बैठक में सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने कठोर रुख अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने सवाल किया कि आखिर कब तक देश नरम राज्य के नाम पर अनगिनत बलिदान देता रहेगा। मुख्यमंत्री गंडापुर ने कहा कि पीटीआई के नेतृत्व वाली सरकार प्रांत में किसी भी ऑपरेशन की अनुमति नहीं देगी, चाहे कुछ भी हो जाए। उन्होंने कहा कि पहले भी ऑपरेशन किए गए हैं, लेकिन वह फायदेमंद नहीं रहे हैं। इसके बजाय उन्होंने नुकसान पहुंचाया है। गंडापुर ने कहा कि केवल आतंकवादियों को मारना समाधान नहीं है। आतंकवादियों को पनाह देने वालों का चेहरा भी बेनकाब करना होगा।

ग्रीस के इकारिया द्वीप में डिमेंशिया के मामले न के बराबर

लंदन। दुनिया में एक ऐसा स्थान भी है जहां डिमेंशिया के मामले न के बराबर हैं। ग्रीस का इकारिया द्वीप ऐसा ही एक स्थान है, जहां लोग लंबे समय तक स्वस्थ जीवन जीते हैं और उम्र बढ़ने के बावजूद मानसिक रूप से सक्रिय रहते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि वहां के लोगों की जीवनशैली, खानपान और आदतें उन्हें इस बीमारी से बचाती हैं। इकारिया द्वीप के लोगों की जीवनशैली पर किए गए अध्ययन बताते हैं कि उनके आहार में हरी सब्जियां, जैतून का तेल, मछली और हर्बल चाय प्रमुख रूप से शामिल हैं। इसके अलावा, वे सामाजिक रूप से सक्रिय रहते हैं, नियमित व्यायाम करते हैं और तनाव से दूर रहने की कोशिश करते हैं। इसी तरह, जापान में हुए एक अध्ययन से पता चला है कि ग्रीन टी पीने से भी डिमेंशिया का खतरा कम हो सकता है। इस अध्ययन में 9,000 लोगों के ब्रेन स्कैन किए गए, जिससे यह सामने आया कि जो लोग प्रतिदिन तीन या अधिक कप ग्रीन टी पीते थे, उनके मस्तिष्क के सफेद पदार्थ (सेरिब्रल वाइट) को कम नुकसान हुआ था। सेरिब्रल वाइट को नुकसान डिमेंशिया के प्रमुख कारणों में से एक माना जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि ग्रीन टी में एंटीऑक्सीडेंट्स, विशेष रूप से कैटेचिन, भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। ये शरीर में सूजन और कोशिका क्षति को कम करने में मदद करते हैं, जिससे मस्तिष्क की कार्यक्षमता बेहतर बनी रहती है। इसके अलावा, ग्रीन टी हृदय स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी मानी जाती है।

उपराष्ट्रपति ने स्पष्ट नीति बनाने पर दिया जोर

सब्सिडी का खेल खत्म होना चाहिए : धनखड़

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। राज्यसभा में बुधवार को सभापति जगदीप धनखड़ ने मुफ्त उपहार (फ्रीबीज) और सब्सिडी पर चर्चा की वकालत करते हुए कहा कि इस बारे में एक राष्ट्रीय नीति की तत्काल आवश्यकता है ताकि सरकारी निवेश का बड़े पैमाने पर उपयोग किया जा सके। सदन में शून्यकाल के दौरान धनखड़ ने समाजवादी पार्टी के प्रो. रामगोपाल यादव द्वारा सांसदों के स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (एमपीलैड्स) के फंड में बढ़ोतरी का मुद्दा उठाए जाने के बाद यह बात कही।

धनखड़ ने कहा कि शांति तंत्र, तुष्टीकरण, जिसे अक्सर मुफ्त उपहार के रूप में जाना जाता है, उस पर इस सदन को विचार-विमर्श करने की आवश्यकता है, क्योंकि देश तभी विकसित होता है जब पूंजीगत व्यय उपलब्ध हो। चुनावी प्रक्रिया ऐसी है कि ये चुनावी प्रलोभन बन गए हैं और उसके बाद सत्ता में आने वाली सरकारें खुद को बहुत असहज महसूस करती हैं, इतनी असहज कि वे अपने विचारों पर फिर से विचार करना चाहती हैं।

उन्होंने कहा कि एक राष्ट्रीय नीति की तत्काल आवश्यकता है ताकि किसी भी रूप में सरकार के सभी निवेशों का उपयोग बड़े अच्छे के लिए संरचित तरीके से किया जा सके। उन्होंने कहा कि वे इस मुद्दे पर नेता विपक्ष और नेता सदन के साथ विचार-विमर्श करेंगे।

इसके बाद धनखड़ ने विधानसभा सदस्यों (विधायकों) और संसद सदस्यों (सांसदों) के लिए पेंशन और भत्तों में असमानता के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि हमारे संविधान में विधायिका, सांसद और विधायक के लिए प्रावधान है, लेकिन इसमें एक समान व्यवस्था नहीं है। इसलिए आप पाएंगे कि कई राज्यों में विधायिकाएं संसद सदस्यों से कहीं ज़्यादा विधानसभा सदस्यों को भत्ते और वेतन देती हैं और यहां तक कि विधानसभा के पूर्व सदस्य के लिए पेंशन में भी 1 से 10 के पैमाने पर अंतर होता है। उन्होंने कहा कि ये ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर कानून बनाने से राजनेताओं, सरकार और कार्यपालिका को मदद मिलेगी। इससे निवेश की उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित होगी।

धनखड़ द्वारा मुफ्त सुविधाओं पर बहस के आह्वान से पहले सपा के प्रो. रामगोपाल यादव ने एमपीलैड्स फंड में बढ़ोतरी का मुद्दा उठाया, जिसमें विकास कार्यों के लिए सांसदों को 5 करोड़ रुपए आवंटित किए जाते हैं। प्रो. यादव ने तर्क दिया कि मौजूदा आवंटन विकास परियोजनाओं को लागू करने के लिए अपर्याप्त है, खासकर बढ़ती मुद्रास्फीति और खर्च पर माल और सेवा कर (जीएसटी) को देखते हुए। उन्होंने कहा कि लोकसभा के एक तिहाई सांसद एमपीलैड्स के कारण चुनाव हार जाते हैं, क्योंकि उत्तर प्रदेश और दिल्ली सहित कई राज्यों में विधायकों को खर्च के लिए आवंटित धनराशि एमपीलैड्स से अधिक है।

सभापति ने कहा कि सब्सिडी ढांचे का पुनर्मूल्यांकन करने की आवश्यकता है। कृषि जैसे क्षेत्रों में यदि सब्सिडी की आवश्यकता है तो यह प्रत्यक्ष होनी चाहिए और विकसित देशों में यही प्रथा है। मैंने अमेरिकी तंत्र से जांच की। अमेरिका में हमारे देश के मुकाबले 1/5 किसान परिवार हैं, लेकिन अमेरिकी किसान परिवारों की औसत आय अमेरिकी परिवारों की सामान्य आय से अधिक है। ऐसा इसलिए है क्योंकि किसान को दी जाने वाली सब्सिडी प्रत्यक्ष, पारदर्शी और बिना किसी बिचौलिए के है।

सत्येंद्र जैन पर 7 करोड़ की रिश्वत लेने का आरोप

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी (आपा) के वरिष्ठ नेता और दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन की मुश्किलें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। दिल्ली की एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने उनके खिलाफ एक नया मुकदमा दर्ज किया है। यह मामला 571 करोड़ रुपए के सीसीटीवी प्रॉजेक्ट में कथित अनियमितताओं से जुड़ा है, जिसमें जैन पर 7 करोड़ रुपए की रिश्वत लेने का गंभीर आरोप लगा है। दिल्ली सरकार ने 70 विधानसभा सीटों में 1.4 लाख सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए इस प्रोजेक्ट को हरी झंडी दी थी, जिसका ठेका भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) को मिला था। लेकिन प्रोजेक्ट में देरी के कारण बीईएल पर 16 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया गया था।

आरोप है कि सत्येंद्र जैन ने रिश्वत लेकर यह जुर्माना माफ कर दिया।

एसीबी के जॉइंट कमिश्नर मधुर वर्मा ने बताया कि यह मामला सबसे पहले एक समाचार रिपोर्ट में उजागर हुआ था, जिसमें दावा किया गया था कि प्रॉजेक्ट के नोडल ऑफिसर सत्येंद्र जैन को 7 करोड़ रुपए की रिश्वत दी गई। इसके बाद एसीबी ने बीईएल के एक अधिकारी से पूछताछ की, जिन्होंने इन आरोपों की पुष्टि करते हुए विस्तृत शिकायत दर्ज की। सीसीटीवी इंस्टॉलेशन में देरी के चलते दिल्ली सरकार ने बीईएल पर 16 करोड़ रुपए का जुर्माना ठोका था। लेकिन शिकायत के मुताबिक, न सिर्फ यह जुर्माना माफ कर दिया गया, बल्कि 1.4 लाख अतिरिक्त कैमरे लगाने का ठेका भी बीईएल को ही दे दिया गया। शिकायतकर्ता का कहना है कि 7 करोड़ रुपए की रिश्वत उसी ठेकेदार के जरिए दी गई, जिसे अतिरिक्त कैमरे लगाने का कॉन्ट्रैक्ट मिला। एसीबी ने दावा किया कि प्रॉजेक्ट को घटिया तरीके से पूरा किया गया और पीडब्ल्यूडी को सौंपे जाने के समय कई कैमरे पहले ही खराब हो चुके थे। एसीबी ने यह भी बताया कि इस केस को आगे बढ़ाने के लिए जरूरी मंजूरी पहले ही ले ली गई है।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री के भांजों में आपसी गोलीबारी

एक की मौत, दूसरे की हालत गंभीर

भागलपुर, 20 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय के दो भांजों के बीच गोलीबारी ने इलाके में सनसनी फैला दी है। केंद्रीय मंत्री की बहन को भी गोली लगने की खबर है।

गोलीबारी की घटना भागल-पुर जिले के नवगछिया में हुई। जगतपुर निवासी जयजीत यादव और विकल यादव के बीच किसी मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। देखते ही देखते दोनों ने एक-दूसरे पर गोली चला दी। इस गोलीबारी में विकल यादव की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि जयजीत यादव गंभीर रूप से घायल हो गया।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री की बहन भी जख्मी हो गई। घायलों को इलाज के लिए फौरन भागलपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों ने विकल यादव को मृत घोषित कर दिया। जयजीत यादव की हालत गंभीर बनी हुई है।

इस घटना में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय की बहन को भी गोली लगी, हालांकि इस बारे में आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है और घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं।

कश्मीरियों का इस सर्दी में हरीसा नहीं, बिरयानी पर जोर

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 20 मार्च।

एक रिकार्ड बनाते हुए बिरयानी ने हरीसा को पीछे छोड़ते हुए इस सर्दी में श्रीनगर में खाने के शौकीनों के बीच स्पष्ट पसंदीदा रेसिपी बनकर उभरी है। जबकि आम धारणा है कि कि हरीसा सर्दियों के दौरान कश्मीर में सबसे ज्यादा खाया जाने वाला व्यंजन है, लेकिन श्रीनगर में खाने के शौकीनों के बीच बिरयानी पसंदीदा व्यंजन बनकर उभरी है।

यह इससे भी साबित होता है कि नवंबर और फरवरी के बीच, श्रीनगर स्थित खाद्य आर्डरिंग और डिलीवरी कंपनी गेटोस को बिरयानी (चिकन और मटन दोनों) के लिए 4,126 ऑर्डर मिले, जो हरीसा से आगे निकल गया, जिसके 3,199 ऑर्डर आए थे।

तंदूरी चिकन भी सर्दियों के खाद्य वरीयताओं में उच्च स्थान पर रहा, जिसके 3,957 ऑर्डर आए, जबकि मध्य पूर्वी व्यंजन शावरमा को इसी अवधि के दौरान 3,441 बार ऑर्डर किया गया।

खाद्य वितरण कंपनी के अनुसार, औसतन प्रति व्यक्ति 500 ग्राम हरीसा का ऑर्डर दिया गया है। सर्दियों के दौरान बिरयानी का भी अधिक मात्रा में ऑर्डर किया गया है। गेटोस के मुख्य वित्तीय अधिकारी दानिश मजीद ने बताया कि बिरयानी की लोकप्रियता इसकी किफ़ायती कीमत और बहुमुखी प्रतिभा के कारण है। उन्होंने बताया कि बिरयानी एक किफायती विकल्प है और इसे दोपहर और रात के खाने में खाया जाता है, जिससे यह सर्दियों में कश्मीरियों की पहली पसंद बन जाती है। सर्दियों के महीनों में व्यापक रूप से खाया जाने वाला पारंपरिक कश्मीरी व्यंजन हरीसा सोशल मीडिया के उभरने के तुरंत बाद पूरे देश में बेहद लोकप्रिय हो गया है। कश्मीर में इस व्यंजन को परोसने वाले स्थानीय खाद्य दुकानों के उभरने के अलावा, हरीसा ने सीमाओं को पार कर लिया है और इसे कश्मीर के बाहर, विशेष रूप से नई दिल्ली में स्थित रेस्तरां द्वारा परोसा जा रहा है।

हरीसा को धीमी आंच पर पकाए गए मटन से बनाया जाता है, चावल और मसालों के साथ मिलाया जाता है और घी से समृद्ध किया जाता है, इसकी बनावट चिकनी, पेस्ट जैसी होती है और यह अपने समृद्ध स्वाद और गर्माहट के लिए जाना जाता है।

दूसरी ओर, बिरयानी कश्मीरियों के लिए एक गैर-स्थानीय व्यंजन है और यह ज्यादातर हैदराबाद और नई दिल्ली में लोकप्रिय है। स्थानीय रेस्तरां ने यह भी दावा किया कि बिरयानी अपनी किफायती प्रकृति और स्वाद के कारण कश्मीर में सबसे ज्यादा खाया जाने वाला भोजन बन गया है।

रेस्तरां के मालिक रईद अहमद कहते हैं कि हालांकि हरीसा सर्दियों का पारंपरिक व्यंजन बना हुआ है, लेकिन ज्यादातर कश्मीरी अलग-अलग और आसानी से उपलब्ध खाद्य विकल्पों को चुनते हैं। बिरयानी, जो हैदराबादी दम बिरयानी, मुरादाबादी बिरयानी और नई दिल्ली बिरयानी जैसे कई स्वादों में उपलब्ध है, कश्मीर में बेहद लोकप्रिय हो रही है। लगभग हर रेस्तरां यह व्यंजन बनाता है क्योंकि उसे पता है कि पूरे दिन उन्हें अच्छी संख्या में ग्राहक मिलेंगे।

सट्टेबाजी ऐप का प्रचार करने के मामले में

25 प्रसिद्ध फिल्मी और बड़ी हस्तियों पर एफआईआर

हैदराबाद, 20 मार्च (एजेंसियां)। तेलंगाना पुलिस ने करीब 25 सेलिब्रेटी और प्रभावशाली लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। इनमें राणा दुग्गुबाती, प्रकाश राज, मंचू लक्ष्मी और विजय देवरकोंडा भी शामिल हैं। इन हस्तियों पर सट्टेबाजी ऐप का प्रचार करने का आरोप है।

व्यवसायी फणींद्र शर्मा ने याचिका दाखिल की थी, इसके आधार पर हैदराबाद के मियापुर पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज हुई है। एफआईआर के अनुसार, राणा दुग्गुबाती, मंचू लक्ष्मी, निधि अग्रवाल, विजय देवरकोंडा और प्रणिता और अन्य 18 सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स सट्टेबाजी ऐप्स को बढ़ावा दे रहे हैं। इससे पहले करीब हफ्तेभर पहले ही, पंजागुट्टा पुलिस ने कथित तौर पर सट्टेबाजी एप को बढ़ावा देने के आरोप में इमरान खान, हर्ष साई, टेस्टी तेजा, किरण गौड़, विष्णु प्रिया, श्यामला, रितु चौधरी, बंडारू शेषयानी सुप्रिता, अजय, सनी और सुधीर सहित 11 फिल्मी हस्तियों और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के खिलाफ केस दर्ज किए थे।

युवाओं की पसंद बनी मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना

डेढ़ लाख से अधिक युवाओं ने किया आवेदन

लखनऊ, 20 मार्च (एजेंसियां)। योगी सरकार की मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना प्रदेश के युवाओं की पहली पसंद बन गयी है। अपने शुभारंभ के महज 55 दिनों में प्रदेश के डेढ़ लाख से अधिक नौजवानों ने योजना का लाभ उठाने के लिए आवेदन किया, जबकि योगी सरकार ने योजना के तहत पहले चरण में एक लाख युवाओं को लोन देने का लक्ष्य रखा था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मॉनिटरिंग और पारदर्शिता का असर है कि करीब दो माह में ही विभिन्न बैंकों ने 32 हजार से अधिक युवाओं को लोन देने की हरी झंडी दे दी है। जिसमें से 17 हजार से अधिक युवाओं के खातों में धनराशि क्रेडिट भी की जा चुकी है। वहीं योजना का लाभ देने में श्रावस्ती ने पूरे प्रदेश में बाजी मारी है। श्रावस्ती ने सबसे अधिक लोन वितरित कर पूरे प्रदेश में पहला, महराजगंज ने दूसरा और रामपुर ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है। प्रदेश के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने युवा उद्यमी विकास अभियान योजना के पहले चरण में एक लाख युवाओं को लोन देने का लक्ष्य रखा था, जबकि इसके सापेक्ष 1,51,590 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए। वहीं प्रदेश भर में बैंकों ने 32,757 युवाओं के लोन स्वीकृत किये हैं। इनमें से 17,770 युवाओं को लोन की राशि का वितरण भी किया जा चुका है। यह योजना न केवल युवाओं को स्वरोजगार और आत्मनिर्भर बनने के अवसर दे रही है, बल्कि प्रदेश के आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इस योजना के तहत लोन वितरण में श्रावस्ती प्रदेश में पहले स्थान पर है। श्रावस्ती के जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप जिले में योजना का लाभ देने के लिए जगह-जगह शिविर लगाए जा रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक युवाओं को योजना का लाभ दिया जा सके। जिलाधिकारी ने बताया कि योजना के तहत पहले चरण में जिले के 700 युवाओं को लोन वितरित करने का लक्ष्य रखा गया था। जिसके सापेक्ष 2190 युवाओं ने आवेदन किया। इसमें से 650 युवाओं को लोने देने के लिए बैंकों ने अपनी स्वीकृति दे दी है जबकि 436 युवाओं को लोन की राशि वितरित भी की जा चुकी है। जो कि लक्ष्य का 62.29 प्रतिशत है। इसी के साथ श्रावस्ती पूरे प्रदेश में सबसे अधिक योजना का लाभ देने के क्रम में पूरे प्रदेश में पहले स्थान पर है।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमिता विकास अभियान के तहत प्रदेश के युवाओं को स्वरोजगार और आत्मनिर्भर बानाने की दिशा में श्रावस्ती के बाद महाराजगंज और रामपुर इस सूची में क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। जहां जिले के लक्ष्य के 60.40 प्रतिशत और 51.90 प्रतिशत युवाओं को लोन राशि वितरित की जा चुकी है। इसके अलावा, अंबेडकर नगर और ललितपुर लोन वितरण में चौथे और पांचवें स्थान पर रहे।

विशेष प्रकोष्ठों में शरण लेने वाली महिलाओं का भविष्य अधर में

जम्मू, 20 मार्च (ब्यूरो)। जम्मू कश्मीर में हजारों महिलाएं जिन्होंने महिलाओं के लिए विशेष प्रकोष्ठों में शरण ली है, अब अनिश्चितता में हैं, क्योंकि राष्ट्रीय महिला आयोगने इस परियोजना को 31 मार्च, 2025 से आगे नहीं बढ़ाने का फैसला किया है। इस कदम ने लिंग आधारित हिंसा से बचे लोगों के भाग्य के बारे में गंभीर चिंता पैदा कर दी है, जो न्याय और पुनर्वास के लिए इन सहायता संरचनाओं पर निर्भर हैं।

दरअसल हिंसा मुक्त घर एक महिला का अधिकार पहल के तहत स्थापित, विशेष प्रकोष्ठ नवंबर 2021 से चालू हैं, जो संकट में महिलाओं को महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक-सामाजिक-कानूनी सहायता प्रदान करते हैं। टाटा इंस्टीट्यूट आफ सोशल साइंसेज द्वारा जम्मू कश्मीर गृह और समाज कल्याण विभागों के सहयोग से कार्यान्वित, इन प्रकोष्ठों ने अब तक हिंसा और दुर्व्यवहार के 9,800 से अधिक मामलों को संभाला है। इन विशेष प्रकोष्ठों की विशिष्टता उनके रणनीतिक स्थान में निहित है - जम्मू और कश्मीर के प्रत्येक जिले के पुलिस स्टेशनों के भीतर। इससे यह सुनिश्चित होता है कि प्रशिक्षित सामाजिक कार्यकर्ताओं की सहायता से महिलाओं को आपराधिक न्याय प्रणाली तक सुगम पहुंच प्राप्त हो, जिससे पीड़ितों और कानूनी निवारण के बीच की खाई को पाटा जा सके।

हालांकि, एनसीडब्ल्यू द्वारा वित्त-पोषण बंद करने के निर्णय के साथ, ये महिलाएं बिना किसी सहायता या सुरक्षा के, प्रक्रिया के बीच में ही खुद को परित्यक्त पा सकती हैं। 40 सामाजिक कार्यकर्ताओं और दो क्षेत्रीय समन्वयकों की एक समर्पित टीम का हिस्सा, परियोजना के एक सामाजिक कार्यकर्ता का कहना है कि हम स्थायी नौकरियों की मांग नहीं कर रहे हैं, लेकिन हम पीड़ितों की सेवा करना जारी रखना चाहते हैं। वे कहते है कि इन सेवाओं के बिना, अनगिनत महिलाएं असुरक्षित हो जाएंगी, उनके पास न्याय पाने में मदद करने के लिए कोई संरचित प्रणाली नहीं होगी। अचानक लिए गए इस निर्णय से आक्रोश फैल गया है, कार्यकर्ताओं ने सवाल उठाया है कि जब इसकी आवश्यकता अभी भी गंभीर है, तो ऐसी महत्वपूर्ण पहल को क्यों बंद किया जा रहा है। लिंग आधारित हिंसा पर एक विशेषज्ञ ने पूछा कि उन हजारों महिलाओं की जिम्मेदारी कौन लेगा जिन्हें अभी भी मदद की जरूरत है?

चूंकि केंद्र शासित प्रदेश के रूप में जम्मू कश्मीर के पास अपना राज्य महिला आयोग नहीं है, इसलिए यह सुनिश्चित करना एनसीडब्ल्यू की जिम्मेदारी है कि यह सुचारू रूप से चले। वे कहते हैं कि उन्हें 31 मार्च के बाद कुछ और महीनों के लिए अपना समर्थन देना चाहिए, ताकि यूटी सरकार को पहल का स्वामित्व लेने का समय मिल सके। संस्थागत समर्थन अब अनिश्चित है, इसलिए यूटी प्रशासन, गृह विभाग और समाज कल्याण विभाग से अपील की जा रही है कि वे आगे आएं और इन आवश्यक सेवाओं की निरंतरता सुनिश्चित करें। यदि कोई वैकल्पिक निधि या विस्तार सुरक्षित नहीं किया जाता है, तो विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि विशेष प्रकोष्ठों की अनुपस्थिति जम्मू कश्मीर में लिंग आधारित हिंसा के खिलाफ लड़ाई में एक खतरनाक शून्य छोड़ देगी। जैसे-जैसे समय सीमा नजदीक आ रही है, सभी की निगाहें अधिकारियों पर टिकी हैं।

सोहेलवा अभ्यारण्य अब सुहेलदेव वन्यजीव अभ्यारण्य होगा

गोंडा, 20 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को गोंडा में मंडलीय समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा कि सरकार के 8 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 25 से 27 मार्च तक सभी जिला मुख्यालय पर लगने वाले मेले में केंद्र और प्रदेश सरकार की उपलब्धियां व विकास योजनाओं का प्रचार प्रसार किया जाए। उन्होंने कहा कि सोहेलवा वन्यजीव अभ्यारण का नाम बदलकर सुहेलदेव वन्यजीव अभ्यारण रखा जाएगा। मुख्यमंत्री ने गोंडा सहित वर्चुअली जुड़े बलरामपुर, बहराइच व श्रावस्ती के जनप्रतिनिधियों की समस्याओं को भी सुना और अधिकारियों को समाधान के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल जीवन मिशन कार्यक्रम के तहत रोड कटिंग की समस्या को तत्काल खत्म करने, मुख्यमंत्री उद्यमी विकास अभियान योजना के तहत अधिक से अधिक लाभार्थियों को ऋण सुविधा उपलब्ध कराने, तटबंधों पर निर्माण कार्य कराने, सभी बड़े प्रोजेक्ट के लिए नोडल अधिकारी नामित करने और राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज एवं मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय सहित मंडल में चल रहे अन्य निर्माण कार्यों को समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

चैत्र नवरात्रि मेले में श्रद्धालुओं की सुविधा सरकार की प्राथमिकता

सीएम योगी ने मां पाटेश्वरी शक्तिपीठ तुलसीपुर में की बैठक

बलरामपुर, 20 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को मां पाटेश्वरी देवी शक्तिपीठ तुलसीपुर में चैत्र नवरात्रि राजकीय मेला वर्ष-2025 की तैयारियों को लेकर बैठक की। साथ ही मुख्यमंत्री ने बलरामपुर की विकास योजनाओं के बारे में भी जानकारी ली। बैठक में जनप्रतिनिधियों ने भी जनसमस्याओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को जनसमस्याओं के निस्तारण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मेले में श्रद्धालुओं को सुविधा व सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता है। स्थानीय प्रशासन इस पर विशेष नजर रखे। उन्होंने सीसीटीवी कैमरे लगवाने, अनाउंसमेंट की समुचित व्यवस्था कराने, महिला सुरक्षा, महिला चेंजिंग रूम आदि पर विशेष जोर देते हुए इसे समय से पूरा कराने के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा, मां पाटेश्वरी देवी शक्तिपीठ तुलसीपुर श्रद्धालुओं की आस्था का महत्वपूर्ण केंद्र है। चैत्र नवरात्रि में लगने वाले मेले में यहां लाखों श्रद्धालु आएंगे। उनकी सुरक्षा और सुविधा को लेकर प्रशासन अभी से सारी तैयारी कर ले। देवीपाटन मेले के दौरान पर्याप्त सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था की जाए। यह मेले की समुचित व्यवस्था और अपराध नियंत्रण में काफी सहायक साबित होगा। मेले के दौरान अनाउंसमेंट की भी व्यवस्था रखी जाए। मुख्यमंत्री ने मेले में स्वच्छता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक का कहीं भी उपयोग नहीं हो। कहीं भी जलजमाव न हो और मोबाइल टॉयलेट, कूड़ा निस्तारण और छिड़काव की समुचित व्यवस्था रहे।

मुख्यमंत्री ने मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय, बलरामपुर के लोगो और वेबसाइट का भी लोकार्पण किया। उन्होंने विश्वविद्यालय के निर्माण से जुड़ी जानकारी भी प्राप्त की। इस दौरान कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह ने मुख्यमंत्री को स्मृति चिन्ह प्रदान किया।

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दें

सुपरस्टार रजनीकांत, श्रीदेवी से करते थे बेहद प्यार !

गया था शादी के लिए प्रपोज करने, चली गई लाइट और...फिर अधूरी रह गई प्रेम कहानी

श्रीदेवी भारतीय सिनेमा की सुपरस्टार से कहीं बढ़कर थीं। वह अपने आप में एक अद्भुत शख्सियत थीं। उनकी खूबसूरती, शालीनता और अभिनय कौशल ने इंडस्ट्री पर हमेशा के लिए छाप छोड़ी। हर पीढ़ी के फैंस उनके दीवाने हैं। उनके चाहने वालों की लंबी लिस्ट थी। उनमें से एक साउथ के सुपरस्टार रजनी कांत भी थे। कहा जाता है कि साउथ सिनेमा के 'थलाइवर' बॉलीवुड की सुपरस्टार श्रीदेवी के प्यार में पागल थे। ऐसा कहा जाता है कि रजनीकांत, श्रीदेवी से बेहद प्यार करते थे, लेकिन उन्होंने कभी अपनी भावनाओं को जाहिर नहीं किया क्योंकि कुछ अप्रत्याशित घटनाओं के कारण उन्हें लगा कि यह एक बुरा शगुन है। हालांकि दोनों अच्छी दोस्ती और सफल ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री थी। श्रीदेवी और रजनीकांत पहली बार 1976 में के। बालचंदर द्वारा निर्देशित तमिल रोमांटिक थ्रिलर फिल्म मूंदरू मुदिचु के सेट पर हुई। उस समय, श्रीदेवी केवल 13 वर्ष की थीं और उन्होंने फिल्म में रजनीकांत की सौतेली मां की भूमिका निभाई थी। यह फिल्म दोनों के लिए एक बड़ी उपलब्धि थी। श्रीदेवी

और रजनीकांत ने तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और हिंदी समेत कई भाषाओं में 19 फिल्मों में साथ काम किया है। उनकी केमिस्ट्री को फैंस ने खूब पसंद किया और जल्द ही दोनों भारतीय सिनेमा की सबसे पसंदीदा जोड़ियों में से एक बन गए।

कई रिपोर्टों के अनुसार, फिल्मों में साथ काम करने के दौरान रजनीकांत धीरे-धीरे श्रीदेवी के प्यार में पड़ गए। वह उनके परिवार, खासकर उनकी मां के बहुत करीब थे और एक बार उन्होंने श्रीदेवी के 16 साल की होने पर उनसे शादी करने की इच्छा भी जताई थी। हालांकि, किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। एक पुराने इंटरव्यू में, फिल्म निर्माता के। बालचंदर ने एक बार खुलासा किया था कि रजनीकांत अपनी भावनाओं को लेकर इतने गंभीर थे कि उन्होंने श्रीदेवी के घर जाकर उन्हें प्रपोज करने का फैसला किया। लेकिन जैसे ही वह गृह प्रवेश समारोह के दौरान उनके घर पहुंचे, अचानक बिजली चली गई और घर में अंधेरा छा गया। अत्यधिक अंधविश्वासी होने के कारण, रजनीकांत ने इसे एक अपशकुन के रूप में देखा और अपने प्यार को कबूल किए बिना ही चले गए। उन्होंने फिर कभी इस विषय को नहीं उठाया और आखिरकार श्रीदेवी ने 1996 में निर्माता बोनी कपूर से शादी कर ली। श्रीदेवी भी रजनीकांत की बहुत परवाह करती थीं। जब राणा की शूटिंग के दौरान वे गंभीर रूप से बीमार पड़ गए, तो उन्होंने सात दिनों तक उपवास रखा और उनके ठीक होने की प्रार्थना की। दोनों जीवन के अलग-अलग रास्ते पर चल पड़े इसके बाद भी उनका आपसी सम्मान और प्यार भी कम नहीं हुआ। अपने अनकहे प्यार के बावजूद रजनीकांत और श्रीदेवी ने अपने करियर के दौरान एक मजबूत रिश्ता बनाए रखा। श्रीदेवी कमल हासन और के। बालचंदर के अलावा उन चुनिंदा लोगों में से एक थीं,जिनके पास रजनीकांत का पर्सनल फोन नंबर था।

अमरूद बेचने वाली महिला से प्रेरित हुईं प्रियंका चोपड़ा, सुनाया किस्सा

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा के लिए बुधवार का दिन बहुत प्रेरणादायक रहा। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर कर बताया कि उनकी मुलाकात सड़क पर अमरूद बेचने वाली एक महिला से हुई, जो ईमानदार थी और उसने चैरिटी लेने से इंकार कर दिया।

प्रियंका ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने घटना के बारे में जिक्र किया, जिसमें वह एक अमरूद बेचने वाली महिला या वर्किंग वूमन की ईमानदारी से प्रेरित एक किस्सा सुनाती नजर आईं। क्लिप में प्रियंका प्रेरणादायक कहानी सुनाती हुई सुनाई दे रही हैं।

अभिनेत्री वीडियो में कहती नजर आईं, मैं ऐसा अक्सर नहीं करती, लेकिन आज मैं बहुत प्रेरित हुई। मैं न्यूयॉर्क जाने के लिए मुंबई से विशाखापट्टनम एयरपोर्ट जा रही थी और मैंने इस महिला को अमरूद बेचते हुए देखा। उन्होंने आगे बताया, मुझे अमरूद बहुत पसंद हैं, इसलिए मैंने उसे रोका और पूछा कि सारे अमरूद कितने के हैं और उसने कहा '150 रुपये', तो मैंने उसे 200 रुपये दिए और वह मुझे छुट्टे पैसे देने की कोशिश कर रही थी, तो मैंने कहा आप प्लीज इसे रख लीजिए, मगर उसने ऐसा नहीं किया।

प्रियंका ने आगे कहा, वह अमरूद बेचती थी और उसके पास कैश नहीं था, तो उसे लेने के लिए वह थोड़ी देर के लिए कहीं चली गई और लाल बत्ती के हरे होने से पहले (ट्रैफिक खुलने से पहले) वह वापस आ गई और उसने मुझे दो और अमरूद दिए। वह फ्री में पैसे नहीं चाहती थी। वास्तव में मैं इससे बहुत प्रभावित हुई। उन्होंने सेट से कुछ झलकियां, एयरपोर्ट तक की अपनी ड्राइव और एक साइन बोर्ड की तस्वीर के साथ खरीदे गए अमरूदों की तस्वीरें भी शेयर की।

तस्वीरों के साथ अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, हाल ही में और साथ में एक दिल वाला इमोजी भी लगाया। वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रियंका अपनी बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट, 'एसएसएमबी29' की शूटिंग में व्यस्त हैं। 'आरआरआर' फेम एसएस राजामौली के निर्देशन में बनी 'एसएसएमबी29' की बात करें तो इस प्रोजेक्ट में महेश बाबू मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म में महेश बाबू की भूमिका भगवान हनुमान से प्रेरित बताई जा रही है। रिपोर्ट्स के अनुसार यह प्रोजेक्ट 900-1,000 करोड़ रुपये के बड़े बजट में दो भागों में बनकर तैयार होगी।

तमन्ना अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर काफी सजग, बोलीं

वही जाहिर करती हूं जो जरूरी

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने अपनी निजी जिंदगी को लेकर लोगों की बढ़ती जिज्ञासा पर बात की। वह जानती हैं कि लोग हमेशा उनके बारे में जानना चाहते हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि वह अपनी 'पर्सनल लाइफ' को लेकर 'काफी प्राइवेट' हैं और केवल वही शेयर करती हैं, जिसमें वो सहज हैं।

जब उनसे पूछा गया कि वह अपने निजता को कैसे बनाए रखती हैं वो भी तब जब लोग उनके बारे में और अधिक जानना चाहते हैं। तमन्ना ने आईएएनएस को बताया, मुझे लोगों से मिलना-जुलना पसंद है। मुझे लोग अच्छे लगते हैं। मुझे हवाई अड्डे पर लोगों से मिलना जुलना अच्छा लगता है, मैं लोगों के साथ तस्वीरें खिंचवाती हूं। मैं ये सब बहुत खुशी से कर रही थी।

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने एक किस्सा भी शेयर किया। उन्होंने बताया कि कैसे एक शख्स उन्हें देखते-देखते थक गया था। अभिनेत्री ने कहा, उसने मुझसे कहा, 'सुनो, मैं तुम्हें ये करते हुए देखकर थक गया हूं। क्या तुम्हें थकान नहीं होती?' मैंने जवाब दिया, 'सुनो, मैंने ये काम चुना है। मैंने लोगों के बीच रहना चुना है। मैंने एक तरह से लोगों के लिए खुद को चुना है। वह अपनी पसंद से खुश हैं और उन्हें लोग पसंद हैं। मुझे अचानक घटने वाली चीजों से कोई परेशानी नहीं है।'

अभिनेत्री ने कहा कि उन्हें अजनबियों से बात करना बहुत पसंद है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि ये एक खास अनुभव होता है, क्योंकि इससे आप ज्यादा गहराई से बातचीत कर पाते हैं। मैं अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर काफी प्राइवेट हूं। जितना मुझे ठीक लगता है, उतना ही मैं शेयर करती हूं। मुझे इस बारे में कोई शिकायत नहीं है। तमन्ना ने 2005 में फिल्म 'चांद सा रोशन चेहरा' से अपने करियर की शुरुआत की थी। 86 फिल्मों में काम कर चुकी अभिनेत्री ने कहा, मुझे लगता है कि आज मैं जिस मुकाम पर हूं, उसका सबसे अच्छा हिस्सा ये है कि मैं समझती हूं कि मेरी जिंदगी में हर मोड़ क्यों महत्वपूर्ण रहा है।उन्होंने कहा, मैं उन उतार-चढ़ावों के लिए बहुत आभारी हूं। अगर वे उतार-चढ़ाव न होते, तो मैं कभी सीख ही नहीं पाती। इसलिए हर उतार-चढ़ाव ने मुझे वास्तव में विकसित होने का अवसर दिया। वह इन मोड़ों को एक अवसर मानती हैं, पर उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि आज, अपने करियर के 20 सालों को देखकर, मुझे यह नजरिया मिला है। मैं सच में मानती हूं कि हर मोड़ और बदलाव एक मौका था और मैं उनके लिए आभारी हूं।

फिल्म अभिनेत्री राशि खन्ना ने लजीज व्यंजनों के साथ अपनी तस्वीर सोशल मीडिया पर की साझा

अभिनेत्री राशि खन्ना जिन्हें हाल ही में 'द साबरमती रिपोर्ट' में देखा गया था। उन्होंने लजीज व्यंजनों के साथ अपनी तस्वीर इंस्टाग्राम पर साझा की।अभिनेत्री खाने की शौकीन हैं, जो स्वादिष्ट व्यंजनों का स्वाद उठाने से कभी नहीं कतराती हैं। चाहे वह फिल्म के सेट पर हों या फिर यात्रा कर रही हों। अभिनेत्री घर पर भी लजीज व्यंजनों का आनंद ले रही होती हैं। अच्छा खाना उनके जीवन का अभिन्न अंग बना हुआ है। प्रशंसकों को यह पसंद है कि वह किस तरह से खाने के इन शानदार पलों को साझा करती हैं।

अपने लेटेस्ट पोस्ट में राशि ने प्रशंसकों को सेट पर अपने खाने के रोमांच की झलक दिखाई। जिसमें वह दक्षिण भारतीय व्यंजनों का स्वाद लेते हुए नजर आ रही हैं।राशि को खाना बहुत पसंद है, लेकिन वह स्वस्थ रहने में भी विश्वास रखती हैं। वह अक्सर अपनी फिटनेस रूटीन की झलकियां शेयर करती हैं, जिससे साबित होता है कि कोई भी व्यक्ति सही दृष्टिकोण के साथ खाने का सच्चा शौकीन होने के साथ-साथ फिट भी रह सकता है।

इससे पहले, अभिनेत्री ने शानदार तरीके से होली मनाई। वह अपने परिवार के साथ श्रीशैलम मंदिर गईं। खूबसूरत पारंपरिक परिधान में राशि भगवान शिव की पूजा करते हुए बेहद खूबसूरत दिखीं।काम की बात करें तो राशि के पास इस साल कुछ रोमांचक प्रोजेक्ट हैं, हालांकि अभी तक उनके बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। चर्चा को और बढ़ाते हुए, उन्हें हाल ही में एक्सेल एंटरटेनमेंट के ऑफिस में देखा गया, जिससे प्रशंसकों में उत्सुकता बढ़ गई। 'द साबरमती रिपोर्ट' में राशि ने एक दमदार पत्रकार की भूमिका निभाई थी। फिल्म की सफलता के बाद, उनकी अगली ऑनस्क्रीन फिल्म के लिए फैंस की उत्सुकता बढ़ गई है। राशि अपने अभिनय से फैंस का दिल जीत रही हैं। सोशल मीडिया पर आए दिन वह नई-नई पोस्ट के माध्यम से अपने फैंस को अपने बारे में कुछ न कुछ नया बताती हैं।

शानदार है बदनाम का गाना इंजेक्शन, सुनकर नाचने पर हो जाएंगे मजबूर : निक्की तम्बोली

बिग बॉस 14 की पूर्व प्रतियोगी और अभिनेत्री निक्की तंबोली हालिया रिलीज फिल्म 'बदनाम' के 'इंजेक्शन लगा दो' गाने के साथ पंजाबी इंडस्ट्री में डेब्यू कर चुकी हैं। अभिनेत्री ने गाने की खूब तारीफ की और बताया कि यह एक ऐसा गाना है, जिसे सुनकर लोग नाचने पर मजबूर हो जाएंगे।

प्रोजेक्ट को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर करते हुए निक्की ने कहा, मैं पंजाबी इंडस्ट्री में डेब्यू करने और 'बदनाम' का हिस्सा बनने को लेकर बेहद रोमांचित हूं! उन्होंने कहा, 'इंजेक्शन लगा दो मुझे' एक ऐसा गाना है, जिसे सुनकर आप नाचने को मजबूर हो जाएंगे और मैं ऐसी शानदार टीम के साथ काम करने के अवसर के लिए बेहद आभारी हूं। 'इंजेक्शन लगा दो मुझे' गाने को सुनिधि चौहान ने गाया है। रोमांटिक ड्रामा 'बदनाम' फरवरी में रिलीज हुई थी, जिसमें अभिनेता जय रंधावा, जैस्मिन भसीन और मुकेश ऋषि मुख्य भूमिकाओं में हैं। निक्की तंबोली के करियर की बात करें तो उन्होंने एक मॉडल के तौर पर शुरुआत की थी। साल 2019 में रिलीज हुई तेलुगू हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'चिकाती गडिलो चिताकोटुडु' से अभिनय जगत की दुनिया में कदम रखा था।

इसके बाद वह तमिल एक्शन-हॉरर फिल्म 'कंचना 3' में नजर आईं, जिसमें उनके किरदार का नाम 'दिव्या' है। उनकी तीसरी फिल्म तेलुगू में 'थिप्पारा मीसम' थी। निक्की ने 2020 में सलमान खान के हिंदी रियलिटी शो 'बिग बॉस 14' में भी भाग लिया, जहां वह तीसरे स्थान पर रहीं। इसके बाद वह साल 2021 में रोहित शेट्टी के स्टंट-आधारित रियलिटी शो 'फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी' के 11वें सीजन में दिखाई दीं, जिसे दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन में फिल्माया गया था।

शो में तंबोली 10वें स्थान पर रहीं। रियलिटी शो के अलावा वह कई म्यूजिक वीडियो में भी काम कर चुकी हैं। निक्की साल 2022 में गेम शो 'द खतरा-खतरा' में देखी गईं, जिसे कॉमेडियन भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया ने होस्ट किया था। निक्की, नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ हिंदी फिल्म 'जोगीरा सारा रा रा' के 'कॉकटेल' गाने में भी काम कर चुकी हैं। इसके अलावा वह साल 2024 में रियलिटी शो 'बिग बॉस' मराठी सीजन 5 में दिखाई दीं, जहां उनकी मुलाकात सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर अरबाज पटेल से हुई। दोनों खास दोस्त हैं। दोनों के बीच एक करीबी रिश्ता बन गया। तंबोली वर्तमान में 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' में नजर आ रही हैं। 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' एक कुकिंग-आधारित रियलिटी शो है। इस शो में निक्की के साथ तेजस्वी प्रकाश, दीपिका कक्कड़ इब्राहिम, गौरव खन्ना, राजीव अदातिया समेत अन्य हस्तियां भी शामिल हैं।

आज बराबर होंगे दिन और रात

ख गोलीय घटना क्रम में मंगलवार 21 मार्च को दिन और रात बराबर होंगे। 12 घंटे का दिन और 12 घंटे की ही रात होगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार ऐसा सूर्य विषुवत रेखा पर लंबवत होने से होगा। उल्लेखनीय है कि खगोलविद् इस घटना को वसंत संपात कहते हैं। इसी दिन से ग्रीष्म ऋतु का प्रारंभ होना माना गया है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि खगोलीय घटना में 21 मार्च को सूर्य भूमध्य रेखा पर होने से दिन और रात बराबर रहेंगे। दिन 12 घंटे का तो रात भी 12 घंटे की रहेगी। 21 मार्च के बाद से ही दिन बड़े होने लगते है। वहीं रातें छोटी होने लगती है। यह परिवर्तन लगातार जारी रहेगा। इसे वसन्त सम्पात भी कहा जाता है। वैसे तो साल में 365 दिन होते हैं और हर दिन 24 घंटे का होता है। लेकिन साल में चार दिन ऐसे होतें हैं, जिनकी अलग ही खासियत है। इन चार दिनों में 21 मार्च, 21 जून, 23 सितंबर और 22 दिसंबर आते हैं।

यूं तो सामान्य दिनों जब दिन और रात बराबर होते हैं। आमतौर पर ये 12-12 घंटे के होते है। वर्ष में दो बार दिन व रात के बराबर होने की स्थिति बनती है। सूर्य के उत्तरायण के मध्य व सूर्य के दक्षिणायन के मध्य आने से दिन व रात 12-12 घंटे के होते हैं। वास्तव में हमारी पृथ्वी साढ़े तेईस अंश झुकी हुई स्थिति में सूर्य के चारों ओर परिक्रमा करती है। इससे कर्क रेखा, भूमध्य रेखा और मकर रेखा के बीच सूर्य की गति दृष्टि गोचर होती है। इसी स्थिति में 21 मार्च और 23 सितंबर को सूर्य भूमध्य रेखा पर लंबवत रहता है। वहीं 23 सितंबर को सूर्य दक्षिणी गोलार्ध में प्रवेश कर जाएगा। पृथ्वी अपने उत्तरायण पक्ष को 187 दिन में पूरा करती है। 21 मार्च से 23 सितंबर तक धीमी लेकिन 23 सितंबर से 21 मार्च तक गति तीव्र हो जाती है। इससे यह पक्ष 178 दिन में ही पूरा हो जाता है। पृथ्वी 3 जनवरी को सूर्य के सबसे ज्यादा समीप व 4 जुलाई को ज्यादा दूर होती है। पूरे साल में दो बार ऐसा होता है, जब दिन और रात बराबर होते हैं। इसमें 20 -21 मार्च के अलावा 23 सितंबर को भी दिन रात बराबर होते हैं। इसी प्रकार 22 दिसंबर को सबसे छोटा दिन और 21 जून को बड़ा दिन होता है। सूर्य के उत्तरी गोलार्ध पर विषुवत रेखा पर होने के कारण ही 23 सितंबर को दिन व रात बराबर होते है।

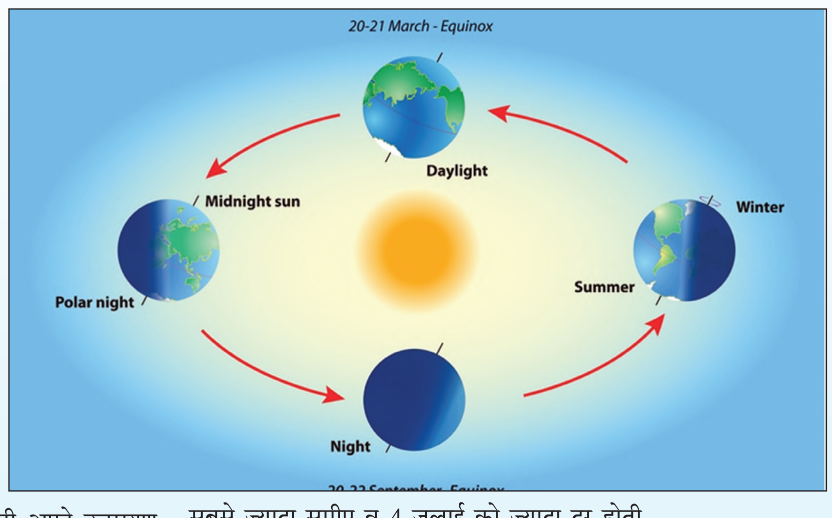

इसलिए होती है यह खगोलीय घटना

इस घटना को इक्विनॉक्स कहते हैं। यह साल में दो बार होती है। पृथ्वी अपने अक्ष पर झुके होने के साथ ही सूर्य का चक्कर एक अंडाकार मार्ग में लगाती है। जिससे दिन और रात की लम्बाई घटती बढ़ती रहती है। इसके प्रभाव से ही मौसम में गर्मी, सर्दी होती है। इक्विनॉक्स के दौरान, सूर्य ठीक पूर्व में उगता है और ठीक पश्चिम में अस्त होता है, जिससे छाया अपेक्षाकृत कम बनती है। जैसे ही पृथ्वी की धुरी संतुलन के एक बिंदु पर पहुंचती है, जो उत्तरी गोलार्ध में वसंत और दक्षिणी गोलार्ध में शरद ऋतु की शुरुआत का प्रतीक है। इक्विनॉक्स की खगोलीय घटना के महत्व को लोगों को समझाने के लिए बुधवार को एक विशेष सत्र का आयोजन किया जाएगा। सुबह 11 बजे से इसके बारे में लोगों को बताया जाएगा।

साल में कब-कब होती है खगोलीय घटना

20 अथवा 21 मार्च दिन रात बराबर
23 सितम्बर दिन रात बराबर
22 दिसंबर सबसे छोटा दिन
21 जून सबसे बड़ा दिन

इसलिए होते हैं दिन और रात

पृथ्वी के अपने अक्ष में घूमने के कारण दिन और रात होते हैं। साथ ही समय घटता बढ़ता रहता है। यदि धरती न होती तो सूर्य के तरफ वाला हिस्सा हमेशा सूर्य के प्रकाश में रहता और दूसरी तरफ का हिस्सा अंधेरे में डूबा रहता।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

सुंदरकांड का पाठ करने से प्रसन्न होते हैं शनिदेव

हिंदू धर्म में शनिवार का दिन शनिदेव को समर्पित होता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि शनिवार के दिन हनुमानजी की पूजा क्यों की जाती है। बता दें कि इसके पीछे एक पौराणिक कथा है। शनिवार के दिन हनुमानजी की पूजा करने से शनिदेव दंड नहीं देते हैं।

हिंदू धर्म में शनिवार का दिन न्याय के देवता शनिदेव को समर्पित होता है। कहा जाता है कि यदि कोई व्यक्ति शनिवार के दिन हनुमान जी की पूजा-अर्चना करता है तो उसका शनिदोष दूर होता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि शनिवार के दिन हनुमान जी की पूजा क्यों होती है और इसके पीछे क्या कारण है। बता दें कि शनिवार के दिन हनुमान जी की पूजा होने के पीछे एक पौराणिक कथा है।

बंदी बने थे शनिदेव

दरअसल, जब मां सीता की खोज करते हुए हनुमान लंका पहुंचे तो उन्होंने देखा कि शनिदेव जेल में बंद थे। तब हनुमान जी ने शनिदेव को वहां से मुक्त कराते हुए बंदी होने का कारण पूछा। तो शनिदेव ने बताया कि लंकापति रावण ने अपना मायाजाल बिछाकर उन्हें बंदी बना लिया था। जब हनुमान जी ने उन्हें मुक्त कराया तो शनिदेव ने कोई वरदान मांगने के लिए कहा। जिस पर पवनपुत्र हनुमान ने कहा कि जो व्यक्ति शनिवार के दिन हनुमान जी की पूजा करेगा वह उसे दंड नहीं देंगे।

शनिवार को सुंदरकांड का पाठ

वहीं हनुमान जी ने शनिदेव को जिस दिन रावण के चुंगल से मुक्त कराया था। वह दिन शनिवार का था। शनिदेव ने पवनपुत्र हनुमान से खुश होकर उन्हें आशीर्वाद दे दिया। जो भी शनिवार के दिन हनुमान जी की पूजा-अर्चना करेगा। शनिदेव उसे दंडित नहीं करेंगे। तभी से शनिवार के लिए हनुमान जी भी पूजे जाने लगे। जो भी व्यक्ति शनिवार के दिन सुंदरकांड का पाठ करता है, उससे शनिदेव बहुत प्रसन्न होते हैं और भक्तों पर अपनी कृपा बरसाते हैं।

हनुमान जी की पूजा से कैसे कम हो जाता है शनि दोष का प्रभाव?, स्वयं शनिदेव ने दिया था वरदान

हनुमान जी की पूजा से कैसे कम हो जाता है शनि दोष का प्रभाव, स्वयं शनिदेव ने दिया था वरदान हिंदू धर्म में श्री राम भक्त हनुमान जी की आराधना के लिए मंगलवार के साथ-साथ शनिवार का दिन भी उत्तम माना गया है। ऐसा इसलिए है क्योंकि हनुमान जी को शनिदेव के प्रकोप से भक्तों की रक्षा करने वाला माना जाता है। पौराणिक कथा के अनुसार, स्वयं शनिदेव ने उनकी रक्षा करने के लिए हनुमान जी को एक वचन दिया था।

ये है पौराणिक कथा

पौराणिक कथा के अनुसार, एक बार जब हनुमान जी माता सीता को खोज में लंका पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि कारागार में उल्टा लटके हुए थे। जब हनुमान जी ने इसका कारण पूछा, तो शनिदेव ने कहा कि रावण ने अपने योग बल का उपयोग करके कई ग्रहों को कैदी बनाया हुआ है। तब हनुमान जी ने शनिदेव को कारागार से मुक्त कराया।

दिया ये आशीर्वाद

इससे शनि देव प्रसन्न हुए और उन्होंने हनुमान जी से कोई वरदान मांगने को कहा। इसपर हनुमान जी ने यह वरदान मांगा कि आप मेरी साधना करने वाले भक्तों को कभी परेशान नहीं करेंगे। इसके साथ ही शनिदेव ने उन्हें यह वरदान भी दिया कि जो भी भक्त शनिवार के दिन शनिदेव के साथ-साथ हनुमान जी की पूजा-अर्चना करेगा, उसे भी शनिदेव के कोप से राहत मिलेगी और उस साधक की सभी मनोकामनाएं भी पूरी होंगी। यही कारण है कि मंगलवार के साथ-साथ शनिवार का दिन भी हनुमान जी की आर-ाधना के लिए उत्तम माना गया है।

जरूर करें ये काम

हनुमान जी की कृपा के लिए मंगलवार के साथ-साथ शनिवार के दिन भी हनुमान चालीसा का पाठ करना बेहद लाभकारी माना जाता है। साथ ही शनिवार के दिन सुंदरकांड का पाठ करने से भी साधक को हनुमान जी के साथ शनिदेव की कृपा की भी प्राप्ति होती है। यदि आप शनि दोष से पीड़ित हैं, तो शनिवार के दिन शनिदेव और हनुमान जी की विशेष रूप से पूजा-अर्चना करें। ऐसा करने से आपको शनि दोष के प्रभाव से मुक्ति मिल सकती है।

शनि देव पर हर शनिवार तेल ही क्यों चढ़ाते हैं
इसके पीछे का कारण हनुमान जी का गुस्सा है

ये तो सभी जानते हैं कि शनि देव जिस पर भी अपनी तिरछी नजर रख देतें हैं। उसकी परेशानी शुरू हो जाती है। शनि देव की बात करें तो ग्रहों में इनको न्यायाधीश कहा जाता है। यह मनुष्य के कर्मों के अनुसार उसे दंड देते हैं और इनके क्रोध से कोई नहीं बच पाता। ऐसे में हम सभी शनि देव को प्रसन्न करने के लिए शनिवार के दिन पीपल के पेड़ पर उनके निमित्त सरसों का दीपक जलाते हैं और उनसे सुखी जीवन जीने की प्रार्थना करते हैं।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार जो हनुमान जी के भक्त हैं उन्हें शनि देव कभी भी परेशान या पीड़ा नहीं देते हैं। आज हम शनि देव और हनुमान जी से जुड़ी एक ऐसी पौराणिक कथा के बारे में आपको बताने जा रहे हैं। जिसमें हनुमान जी और शनि देव के बीच लड़ाई हुई थी। उस लड़ाई में हनुमान जी ने शनि देव को चारो खाने चित्त कर दिया था। फिर शनि देव ने हनुमान जी से कहा कि मैं कभी भी आपके भक्तों को परेशान नहीं करूंगा।

जब हनुमान जी को आया शनि देव पर गुस्सा

हम सभी जानते हैं कि भगवान राम के परम भक्त हनुमान उनकी भक्ति में सदा लीन रहते हैं। एक बार हनुमान जी अपने आराध्य श्री राम की पूजा कर रहे थे। उसी समय वहां शनि देव आ पहुंचे और हनुमान जी की पूजा में विघ्न डालने लगे। हनुमान जी ने कहा में अपने प्रभु की उपासना कर रहा हूं। आप कृपा कर के विघ्न न डालें। हनुमान जी के मना करने पर शनि देव नहीं माने और हनुमान जी को शनि देव ने ललकार कर कहा की तुम मेरा कुछ नहीं कर सकते। जब शनि देव ने दुबारा हनुमान जी की पूजा में विघ्न डाला तो हनुमान जी को गुस्सा आ गया। हनुमान जी ने पहले अपनी पूजा को समाप्त किया फिर उन्होनें शनि देव की युद्ध चुनौती को स्वीकार कर लिया।

शनि देव ने सरसों के तेल से ठीक की अपनी चोट

हनुमान जी ने युद्ध में शनि देव को अपनी पूंछ से बांध कर जमीन पर जोर जोर से कई बार पटका। शनि देव को इस कारण शरीर में कई जगह चोट आई।

घायल होने के बाद शनि देव ने हनुमान जी से माफी मांगी। इसके बाद हनुमान जी ने शनि देव को सरसों का तेल लगाने के लिए दिया और कहा ये आपकी चोट को ठीक कर देगा। शनि देव ने तुरंत हनुमान जी द्वारा दिए सरसों के तेल को लगाया और उनकी चोट ठीक हो गई।

शनि देव ने हनुमान जी से क्षमा मांगी

इसके बाद शनि देव ने हनुमान जी को वचन दिया कि मैं आपकी ताकत से अंजान था मुझे आज आपकी दिव्य शक्तियों के बारे में पता चल गया है। मैं फिर से एक बार आपसे मांफी मांगता हूं और आज के बाद कभी भी आपके भक्तों की तरफ आंख उठा कर नहीं देखूंगा। इस कारण शनिवार के दिन शनि देव को सरसों का तेल चढ़ाया जाता है।

हनुमान जी को चढ़ाए लाल सिंदूर
शनि देव से जुड़ा है महत्व

शनिवार को हनुमान जी को लाल सिंदूर चढ़ाने से शनि देव की कृपा बरसती है। उनकी वक्र दृष्टि से राहत मिलती है परंतु क्या आपको पता है कि शनिवार को हनुमान जी को लाल सिंदूर चढ़ाने का यह उपाय शनि देव से कैसे जुड़ा है? अगर नहीं! तो जानते हैं इसके बारे में। पंडित रामचंद्र जोशी के अनुसार, पौराणिक कथाओं में बताया गया है कि एक बार शनि देव और रावण का हुआ था भयंकर युद्ध, जो लंबे समय तक चला क्योंकि दोनों ही अत्यंत बलवान थे परंतु अंत में रावण ने भगवान शिव के द्वारा दिए हुए बाण का प्रहार शनि देव पर किया। शनि देव उससे बचने में सामर्थ्यवान तो थे परंतु शिव जी का मान रखने के लिए वे उस बाण से घायल हुए।

रावण ने लटकाया शनि देव को अंधे कुएं में

उसके बाद रावण उन्हें बंदी बनाकर लंका ले आया और वहीं एक अंधे कुएं में उन्हें उल्टा लटका दिया और बहुत प्रताड़ित करने लगा। तब शनि देव ने भगवान शिव से विनती की और भगवान शिव ने वहां आकर उन्हें आश्वासन दिया कि उनका उग्र रूप हनुमान कुछ दिनों में वहां आएगा और उन्हें रावण के चंगुल से मुक्ति दिलाएगा।

हनुमान ने किया शनि देव को मुक्त

इधर जब हनुमान जी महाराज लंका पधारे तो वहां देवर्षि नारद ने उन्हें शनि देव के बारे में अवगत करा उन्हें मुक्ति दिलाने को कहा। जिस पर हनुमान जी शनि देव के उस कुएं के निकट पहुंचे और उन्हें प्रणाम करते हुए उन्हें जैसे ही छूने के लिए आगे बढ़े, तभी शनि देव ने उन्हें रोका और कहा, हनुमान! अगर तुमने मुझे ऐसे ही स्पर्श किया तो मेरी शक्ति के कारण तुम्हारा नाश हो जाएगा। अतः तुम अपने ऊपर लाल सिन्दूर लगाकर आओ, तब मेरी शक्ति का असर तुम पर नहीं होगा। यह सुनते ही हनुमान जी समुद्र तट पर पहुंचे और जल में गीले होकर अपने पूर्ण शरीर पर लाल सिन्दूर लपेट लिया तथा शनि देव को अंधे कुएं से बाहर निकाल रावण की कैद से मुक्त किया।

शनि देव ने दिया हनुमान को आशीर्वाद,

इस पर शनि देव हनुमान जी पर प्रसन्न होकर बोले, हनुमान मैं तुम्हारा आभारी हूं और आज से जो भी भक्त शनिवार के दिन तुम्हें सिन्दूर अर्पित कर उसमें से प्रसाद स्वरूप लेकर उसका तिलक करेगा, मेरी वक्र दृष्टि नहीं सताएगी। जो तुम्हारी शरण में आएगा, वह मेरी ही शरण में आ गया। यह कहकर शनि देव ने हनुमान जी को आगे के कार्य के बारे में समझाया। ऐसी मान्यता है कि शनि देव कि वक्र दृष्टि के ही कारण रावण का समूल नाश हुआ था।

बजरंगबली की पूजा से प्रसन्न होते हैं शनि देव!

शनिवार का दिन शनि देव की पूजा के लिए उत्तम माना जाता है। शनिवार के दिन शनि देव की पूजा करने से शनि देव की कृपा प्राप्त होती है और भक्तों के सारे कष्ट दूर हो जाते हैं। लेकिन शनिवार के दिन शनि देव के साथ ही बजरंगबली की भी पूजा करने का महत्व है।

धार्मिक मान्यता के अनुसार, जो भक्त शनिवार के दिन बजरंगबली की पूजा करते हैं उनसे शनि देव प्रसन्न होते हैं और उन्हें कष्ट नहीं देते। इसलिए शनिवार के दिन शनि देव के साथ ही बजरंगबली की भी पूजा जरूर करें।

त्रेतायुग में बजरंगबली की मदद से कारागार से मुक्त हुए थे शनिदेव

त्रेतायुग के रामायण काल के समय जब रावण माता सीता का हरण कर लंका ले गए थे। तब प्रभु श्रीराम की आज्ञा पाकर बजरंगबली माता सीता को ढूंढ़ते हुए लंका पहुंचे थे। लंका पहुंचते ही बजरंगबली ने देखा कि रावण ने कारागार में शनि देव को भी बंदी बना रखा है। बजरंगबली ने शनि देव से इसका कारण पूछा, तो पता चला कि रावण ने शनि देव के साथ ही कई अन्य ग्रहों को भी कैद कर रखा था।

बजरंगबली ने शनि देव की मदद की और उन्हें रावण के कैद से मुक्त कराया। इस तरह शनि देव बजरंगबली की मदद से रावण के कैद से मुक्त होकर प्रसन्न हुए। उन्होंने बजरंगबली से कुछ वरदान मांगने को कहा।तब बजरंगबली ने शनि देव से वरदान मांगा कि, जो भक्त शनिवार के दिन मेरी पूजा करेगा उसे आप कभी कष्ट नहीं देंगे। इसके बाद से ही शनिवार के दिन शनि देव के साथ बजरंगबली की पूजा करने का विधान है। शनि देव की साढ़े साती और ढैय्या के प्रभाव को कम करने के लिए भी शनिवार के दिन बजरंगबली की पूजा जरूर करें।

आखिर मंगलवार और शनिवार को ही क्यों होती है हनुमान जी की पूजा?

वैसे तो हनुमान जी की पूजा किसी भी दिन की जा सकती है लेकिन कहा जाता है कि मंगलवार को हनुमान जी की आराधना से विशेष लाभ मिलता है। मंगलवार को बजरंगबली का दिन कहा जाता है। कहते हैं कि इस दिन लाल सिंदूर चढ़ाकर पूजा करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। साथ ही हनुमान जी की कृपा पाने के लिए कई लोग मंगलवार को इनकी पूजा करते हैं। इसके अलावा कई शनिवार को भी हनुमान जी की आराधना करते हैं। यानि मंगलवार और शनिवार को हनुमान जी की पूजा विशेष रूप से की जाती है। आगे जानते हैं कि आखिर मंगलवार और शनिवार को ही विशेष तौर पर हनुमान जी की पूजा क्यों होती है?

स्कंद पुराण के अनुसार मंगलवार को हनुमान जी की पूजा करने का आधार इस दिन हुए उनके जन्म से लिया जाता है। मतांतर से कहीं-कहीं शनिवार को हनुमान जी का जन्म वार माना जाता है। मान्यता है कि हनुमान जी भी सेवाभावी हैं और शनिदेव भी सेवा की भावना या अवसर देते हैं। इसके अलावा यह भी कहा जाता है कि एक बार सूर्यास्त होने वाला था। शांत वातावरण में शीतल मंद सुगंध हवा बह रही थी। हनुमान जी रामसेतु के निकट ध्यानमग्न होकर श्रीराम की मनमोहक झांकी का आनंद ले रहे थे।

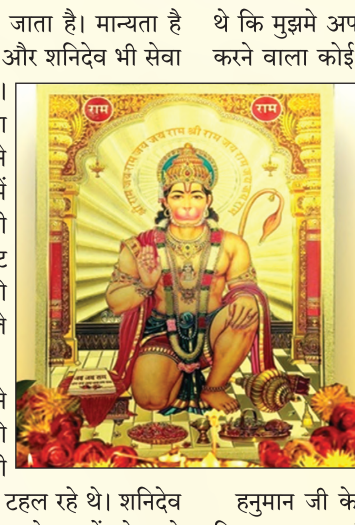

हनुमान जी के ध्यानमग्न होने के कारण उन्हें बाहर की परिस्थियों का पता नहीं था। उसी समय सूर्य पुत्र शनिदेव समुद्र पर टहल रहे थे। शनिदेव को अपनी शक्ति का अहंकार था। वे मन में सोच रहे थे कि मुझमे अपार शक्ति है। संसार में मेरा मुकाबला करने वाला कोई भी नहीं है। मरे आगमन की सूचना को सुनकर बड़े-बड़े दिग्गज भी कांप उठते हैं। मैं कहां जाऊं, किसके पास जाऊं, जो मुझसे युद्ध कर सके? मेरे शक्ति का कोई उपयोग नहीं हो पा रहा है। इस प्रकार विचार कर ही रहे थे कि उनकी नजर हनुमान जी पर पड़ी। उन्होंने हनुमान को पराजित करने का निश्चय किया। सूर्यदेव उस समय अस्त होने वाले थे। जिससे शनिदेव की देह का रंग अत्यधिक काला हो गया था।

हनुमान जी के पास पहुंचकर उन्होंने उन्हें युद्ध के लिए ललकारा और कहा- रे बंदर! मैं प्रख्यात शनिदेव तुम्हारे सामने हूं। तुम ये पाखंड छोड़कर खड़े हो जाओ और मुझसे युद्ध करो। यह सुनकर हनुमान जी अपने आंख खोले और नम्रता से पूछा महाराज आप कौन हैं और यहां किस लिए आए हैं? जिसके बाद शनिदेव ने कहा मैं परम तेजस्वी सूर्य पुत्र शनि हूं। यह संसार मेरा नाम सुनते ही कांप उठता है। मैंने तुम्हारे साहस के कई किस्से सुने हैं इसलिए आज मैं तुम्हारी शक्ति की परीक्षा करना चाहता हूं। सावधान हो जाओ मैं तुम्हारी राशि पर आ रहा हूं। तब भी हनुमान जी ने कहा मैं प्रभु का सुमिरन कर रहा हूं, शाम का समय है, भजन में रुकावट मत डालिए और युद्ध का विचार छोड़ दीजिए। तब घमंड में आकार शनिदेव ने कहा- मैं कहीं जाकर खाली लौटना नहीं जानता और जहां जाता हूं वहां अपना प्रभाव छोड़ता हूं।

फिर भी हनुमान शनिदेव को टालते रहे कि शनिदेव मैं वृद्ध हो गया हूं। क्यों मुझे परेशान कर रहे हैं? मुझे भजन करने दीजिए और युद्ध के लिए दूसरा कोई वीर ढूंढ लीजिए। परंतु शनिदेव नहीं मानें और युद्ध कारने के लिए आगे बढ़ने लगे। इसके बाद भी जब हनुमान जी तैयार नहीं हुए तो शनिदेव ने हनुमान जी का हाथ पकड़ लिए और ललकारा। हनुमान जी ने अपना हाथ छुड़ाया लेकिन फिर भी शनिदेव दुस्साहस करने लगे। तब हनुमान जी ने कहा आप ऐसे नहीं मानेंगे तब उन्होंने अपनी पूंछ बढ़ाकर उसमें शनिदेव को लपेट लिया। इस तरह शनिदेव का सारा अहंकार नष्ट हो गया। जब शनिदेव को बहुत कष्ट होने लगा तो उन्होंने हनुमान से विनती की कि मुझ पर कृपा कीजिए। फिर हनुमान जी खड़े होकर बोले यदि तुम मेरे भक्तों को कष्ट नहीं दोगे तो तुम्हें मुक्त कर दूंगा। इस तरह शनिदेव हनुमान जी को अपना वचन देकर उनसे क्षमा मांगा। कहते हैं कि तब से ही मंगलवार और शनिवार को हनुमान जी की पूजा होती है।

संपादकीय

'अंतरिक्ष बेटी' की घर वापसी

ये क्षण बेहद भावुक, खुशनुमा, उत्साहपूर्ण और गौरवान्वित हैं। भारत मूल की बेटी अंतरिक्ष से सकुशल घर लौटी है। ब्रह्मांड की ऐसी दुनिया में रहकर और पल-पल संघर्ष कर बेटी लौटी है, जहां पानी, ऑक्सीजन और ताजा खाना नहीं था। अपने ही मूत्र और पसीने को रिसाईकल कर पानी पीना पड़ा। खाना डिब्बाबंद था, जो अंतरिक्षयात्री अपने साथ ले गए थे। ऐसी दुनिया में रहना सामान्य कैसे हो सकता है? सुनीता और उनके साथियों ने जिंदगी और अपने शोधात्मक मिशन के लिए लंबी लड़ाई लड़ी। आने वाले यात्रियों के लिए एक रास्ता और तरीका तैयार किया कि अंतरिक्ष में अपेक्षाकृत लंबा समय कैसे बिताया जा सकता है? 'शून्य गुरुत्वाकर्षण' में सहज जीवन की कल्पना तक नहीं की जा सकती, लेकिन उस दुनिया में भी 'अंतरिक्ष बेटी' 286 दिन रही, चहलकदमी का चुनौतीपूर्ण काम किया, अंतरिक्ष में 'माता तुलसी' का पवित्र पौधा भी रोप दिया। बेशक सुनीता का जन्म अमरीका में हुआ, लेकिन उनके पिता दीपक पंड्या की पारिवारिक जड़ें भारत के गुजरात में मौजूद हैं, लिहाजा सुनीता के पैतृक गांव झूलासण (मेहसाणा जिला) में 'अखंड ज्योति' भी बीते 9 माह से प्रज्वलित रही। बेटी के प्रत्येक शुभ और सकारात्मक पल के लिए प्रार्थनाएं की गईं। अंततः आस्था-विश्वास भी जीते और अंतरिक्ष विज्ञान, प्रौद्योगिकी और इंजीनियरों की भी विजय हुई। वैसे सुनीता विलियम्स तीन बार अंतरिक्ष में जा चुकी हैं और कुल 609 दिन वहां वास कर चुकी हैं। उनसे आगे अमरीका की ही पेगी विटसन हैं, जो 675 दिन अंतरिक्ष में रहीं। यह विश्व कीर्तिमान रूस के ओलेग कोनोनेन्को के नाम दर्ज है, जो पांच बार अंतरिक्ष-यात्रा कर चुके हैं और कुल 1110 दिन अंतरिक्ष में बिताए हैं। कुछ भी हो, ऐसे प्रयास अलौकिक और अति मानवीय लगते हैं। इस बार सुनीता ने जितना समय अंतरिक्ष में बिताया, उस दौरान उन्होंने करीब 4500 बार पृथ्वी की परिक्रमा की। गति 28,000 किलोमीटर प्रति घंटा रही और उस दौरान एक दिन में 16 सूर्योदय और 16 ही सूर्यास्त देखे। वहां एक दिन मात्र 19 मिनट का होता है। कितना रोमांचक और अद्भुत अनुभव रहा होगा! जब 'स्पेस एक्स' के ड्रैगन कैप्सूल ने बुधवार, 19 मार्च की लगभग भोर में 3.27 बजे समंदर में लैंडिंग की, तो सोचिए कितनी दुआएं फलितार्थ हुई होंगी! अंतरिक्ष यात्रियों की सकुशल घर-वापसी ने एक नया इतिहास लिख दिया। इसी के साथ अंतरिक्ष में निजी कंपनी का एक और प्रयास कामयाब रहा। दुनिया के सबसे अमीर उद्योगपति एलन मस्क की कंपनी के कैप्सूल 44 बार अंतरिक्ष स्टेशन तक का सफर तय कर चुके हैं। उन्होंने कुल 49 मिशन सफलतापूर्वक सम्पन्न किए हैं। कितनी असीम, अनंत उपलब्धि है यह? जब नासा अपने अंतरिक्ष यात्रियों की कुशल घर-वापसी में सफल नहीं हो पा रहा था, तो 'स्पेस एक्स' का मिशन भेजा गया और हमारे जांबाज अंतरिक्ष-यात्री सकुशल घर लौट सके। बहरहाल अब सुनीता विलियम्स और अन्य अंतरिक्ष यात्रियों को फिलहाल नासा के पुनर्वास केंद्र में रखा जाएगा। इस बार जो डाटा जमा किया गया है, वह निरंतर प्रक्रिया का हिस्सा है। बहरहाल हम आसमानी कोशिशों को दुआ देते हैं और सफलता की शुभकामनाएं देते हैं।

ब्रह्मांड की ऐसी दुनिया में रहकर और पल-पल संघर्ष कर बेटी लौटी है, जहां पानी, ऑक्सीजन और ताजा खाना नहीं था। अपने ही मूत्र और पसीने को रिसाईकल कर पानी पीना पड़ा। खाना डिब्बाबंद था, जो अंतरिक्षयात्री अपने साथ ले गए थे। ऐसी दुनिया में रहना सामान्य कैसे हो सकता है? सुनीता और उनके साथियों ने जिंदगी और अपने शोधात्मक मिशन के लिए लंबी लड़ाई लड़ी। आने वाले यात्रियों के लिए एक रास्ता और तरीका तैयार किया कि अंतरिक्ष में अपेक्षाकृत लंबा समय कैसे बिताया जा सकता है? 'शून्य गुरुत्वाकर्षण' में सहज जीवन की कल्पना तक नहीं की जा सकती, लेकिन उस दुनिया में भी 'अंतरिक्ष बेटी' 286 दिन रही, चहलकदमी का चुनौतीपूर्ण काम किया, अंतरिक्ष में 'माता तुलसी' का पवित्र पौधा भी रोप दिया। बेशक सुनीता का जन्म अमरीका में हुआ, लेकिन उनके पिता दीपक पंड्या की पारिवारिक जड़ें भारत के गुजरात में मौजूद हैं, लिहाजा सुनीता के पैतृक गांव झूलासण (मेहसाणा जिला) में 'अखंड ज्योति' भी बीते 9 माह से प्रज्वलित रही। बेटी के प्रत्येक शुभ और सकारात्मक पल के लिए प्रार्थनाएं की गईं। अंतत: आस्था-विश्वास भी जीते और अंतरिक्ष विज्ञान, प्रौद्योगिकी और इंजीनियरों की भी विजय हुई।

घायल लोग व पुलिस वाले दिखे, क्षतिग्रस्त व जले वाहन नजर आए, इसके गम्भीर मायने हैं

आखिर नागपुर जैसी सांप्रदायिक हिंसा की घटनाएं कब और कैसे थमेंगी?

कमलेश पांडेय

सवाल है कि क्या यह आरएसएस और उसके आनुषंगिक संगठनों को देश-दुनिया में बदनाम करने की सियासी साजिश है? क्या हमारे देश के समुदाय विशेष को आईएसआई लगातार भड़का रही है जिससे वो निरंतर हिंसक होते जा रहे हैं और पाकिस्तान-बंगलादेश से सहानुभूति रखते हुए उन्हीं जैसा व्यवहार करने लगे हैं? सुलगता हुआ सवाल यह भी है कि क्या दुनियावी मंचों पर लगातार मजबूत हो रहे भारत को पुन: कमजोर करने की साजिश के तहत अंतरराष्ट्रीय ताकतों के इशारे पर यह सब कुछ हो रहा है जिसके तार हमारे राजनेताओं तक से जुड़े हुए हैं क्योंकि देश की यही बेलगाम ताकत है जो अधिकांश अनैतिक करतूतों की जड़ समझी जा रही है!

लीजिए एक और साम्प्रदायिक दंगा हो गया। इस बार आरएसएस मुख्यालय के लिए मशहूर नागपुर शहर ही इन दंगों की आग से धधक उठा। टीवी पर जो आग की उठती लपटें दिखीं, घायल लोग व पुलिस वाले दिखे, क्षतिग्रस्त व जले वाहन नजर आए, इसके गम्भीर मायने हैं। सवाल है कि क्या यह आरएसएस और उसके आनुषंगिक संगठनों को देश-दुनिया में बदनाम करने की सियासी साजिश है? क्या हमारे देश के समुदाय विशेष को आईएसआई लगातार भड़का रही है जिससे वो निरंतर हिंसक होते जा रहे हैं और पाकिस्तान-बंगलादेश से सहानुभूति रखते हुए उन्हीं जैसा व्यवहार करने लगे हैं? सुलगता हुआ सवाल यह भी है कि क्या दुनियावी मंचों पर लगातार मजबूत हो रहे भारत को पुनः कमजोर करने की साजिश के तहत अंतरराष्ट्रीय ताकतों के इशारे पर यह सब कुछ हो रहा है जिसके तार हमारे राजनेताओं तक से जुड़े हुए हैं क्योंकि देश की यही बेलगाम ताकत है जो अधिकांश अनैतिक करतूतों की जड़ समझी जा रही है! इसी के साथ यह सवाल भी पुनः प्रासंगिक हो गया कि आखिर ब्रेक के बाद होने वाली नागपुर जैसी सांप्रदायिक हिंसा की घटनाएं कैसे थमेंगी? आखिर इन जैसी घटनाओं को रोकने में प्रथमदृष्टया हमारा पुलिस प्रशासन असहाय क्यों प्रतीत होता है और फिर घटना के बाद सक्रिय होकर स्थिति को काबू में करता है? सवाल यह भी है कि आखिर क्यों पुलिस बल की तमाम रणनीति फेल हो जाती है जिसकी कीमत इसके अधिकारियों-जवानों के साथ-साथ उन मेहनतकश लोगों को भी चुकानी पड़ती है जो अपने कार्यवश सड़क पर होते हैं या प्रभावित क्षेत्र से गुजरते हैं? प्रश्न यह भी है कि समय रहते ही पत्थर, ईंट-रोड़े छतों पर जमा होने की सूचना पुलिस को क्यों नहीं मिल पाती है? क्या हमारा खुफिया तंत्र बार बार विफल हो रहा है या उसकी सूचना पर सही प्रशासनिक फैसले नहीं हो पाते हैं? यह सब कुछ प्रशासन को बताना चाहिए क्योंकि ब्रेक के बाद देश में होने वाली सांप्रदायिक/जातीय/क्षेत्रीय हिंसा व आगजनी की खबरें हर किसी को परेशान करती हैं। लिहाजा इस बारे में पुलिस जनजागृति कार्यक्रम करती रहे और घटना के पश्चात इतनी कड़ी कार्रवाई करे ताकि फिर कहीं और किसी के सिर उठाने की नौबत ही नहीं आए। वहीं, सिविल प्रशासन, न्यायपालिका,

मीडिया, सामाजिक संस्थाओं और सियासी दलों को भी पुलिस कार्रवाई का समर्थन करना चाहिए क्योंकि विधि-व्यवस्था के मामले में समझौता करने का सीधा असर समाज और कारोबार दोनों पर पड़ेगा। इस मामले में बयानबाजी भी सधी होनी चाहिए ताकि यह और नहीं भड़के। सवाल यह भी है कि क्या इस क्षेत्र में नागरिक-पुलिस समन्वय समिति नहीं थी या फिर वह भी विफल साबित हुई? सवाल बहुत हैं और जवाब सिर्फ यही कि चुस्त-दुरुस्त प्रशासन ही ऐसी घटनाओं को रोक सकता है अन्यथा जन-धन की अप्रत्याशित क्षति होती रहेगी। कहना न होगा कि नागपुर के महल क्षेत्र में दो समुदायों के बीच भड़काए गए दंगे पर कांग्रेस ने जिस तरह से भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराया है, वह एक ओछी राजनीति का परिचायक है। ऐसे में कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सरकार की विफलता की जो आलोचना की है, वह उनकी दूषित सियासी मानसिकता का ही परिचायक है। ऐसी विकृत सियासी सोच के चलते ही साम्प्रदायिक दंगे लाइलाज बीमारी बनते जा रहे हैं। जानकारों का कहना है कि सियासी विकृति, प्रशासनिक अकर्मण्यता, न्यायिक विवेकशून्यता और मीडिया से लेकर सोशल मीडिया तक में संपादकीय विवेक के अभाव का ही नतीजा है कि ब्रेक के बाद यत्र-तत्र दंगे भड़क जाते हैं जिसके बाद शहर में कर्फ्यू लगा दिया जाता है। इंटरनेट पर पाबंदी इस समस्या का समाधान नहीं है बल्कि उकसाऊ तत्वों का विधि सम्मत तरीके से सफाया करके ही इस समस्या का सार्थक समाधान किया जा सकता है। लोगों के मुताबिक, जिस तरह से नागपुर के महल इलाके में हिंसा भड़की, भीड़ का पथराव हुआ, भीड़ द्वारा 8 से 10 वाहनों में आग लगा दी गई और ऐसी ही घटनाएं सामने आई हैं, उससे प्रशासन के एक्टिव रहने पर ही सवाल उठता है क्योंकि उपद्रवियों को देखते ही गोली मारने का आदेश न होना पुलिस को जान पर खेलने के लिए विवश करने जैसा है। इसके लिए संसद और सुप्रीम कोर्ट दोनों की अदूरदर्शी भूमिका भी सभ्य समाज के कठघरे में है क्योंकि राष्ट्र को सुशासन देने की नैतिक जिम्मेदारी इन्हीं दोनों संस्थाओं की है। यदि एक समुचित कानून नहीं बनाने का दोषी है तो दूसरा ऐसे मामलों में स्वतः संज्ञान न लेकर किंकर्तव्यविमूढ़ बने रहने का जो मंचन करता है, वह अस्वीकार्य है। हैरत की बात है कि नागपुर के महल इलाके में दो समुदायों के बीच भड़की हिंसा पर जो राजनीति शुरू हो गई है, उससे घटिया बात कुछ हो ही नहीं सकती! भले ही कांग्रेस ने इसके लिए भाजपा नीत सरकार को जिम्मेदार ठहराया है लेकिन उसकी सरकारों ने क्या किया है, उसका अतीत कैसा रहा है, इस बारे में वह कभी नहीं सोचती। कांग्रेस ने जिस तरह से कानून-व्यवस्था बनाए रखने में विफलता का आरोप लगाया है, वह एकतरफा आरोप है। भले ही कांग्रेस नेता ने सवाल उठाया है कि सांप्रदायिक सद्भाव के 300 साल के इतिहास वाले शहर में इस तरह की अशांति कैसे हो सकती है लेकिन इसकी हकीकत उनसे ज्यादा कौन बयां कर सकता है। एक ओर उन्होंने कुछ राजनीतिक दलों पर अपने फायदे के लिए जानबूझकर तनाव भड़काने का आरोप लगाया जबकि दूसरी तरफ सांप्रदायिक हिंसा रोकथाम विधेयक 2011 लाकर उनकी पार्टी ने किस तरह एकतरफा नियम बनवाए, वह हैरतअंगेज है। क्या वह अपनी पार्टी की करतूतें भूल चुके हैं? उनका यह कहना कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के गृहनगर महल में दंगा भड़क गया, एक अस्वीकार्य बयानबाजी है क्योंकि वहां के हालात इस बात की चुगली कर रहे हैं कि यह एक सुनियोजित साजिश थी क्योंकि उपद्रवियों ने हिंदुओं को चुन चुन कर निशाना बनाया है। ऐसे आरोप टीवी व सोशल मीडिया पर दिखाई-सुनाई पड़ रहे हैं। इसलिए मुझे भी इसमें साजिश की बू आती है क्योंकि वाकई नागपुर का इतिहास 300 साल पुराना है और यहां पहले कभी कोई दंगा नहीं हुआ। यह केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और देवेंद्र फडणवीस जैसे सुलझे हुए नेताओं का गृह क्षेत्र भी है, इसलिए यहां शांति की गारंटी होनी चाहिए क्योंकि यथा नेता तथा प्रजा वाली कहावत यहां सटीक बैठती थी।

दृष्टि कोण

बलूचिस्तानी की आजादी के लिए तेज हुआ संघर्ष

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में इन दिनों बलूच लिबरेशन आर्मी, बलूच लिबरेशन फ्रंट और बलूच रिपब्लिकन गार्ड्स ने मिलकर पाकिस्तान और वहां तैनात चीनी सेना के जवानों की नाक में दम कर रखा है। इन संगठनों ने मिलकर 'बलूच नेशनल फ्रीडम मूवमेंट' चला रखा है। मकसद बलूचिस्तान की आज़ादी की लड़ाई एक साथ मिलकर लड़नी है। इन संगठनों ने निर्णय लिया है कि पाकिस्तान के साथ-साथ चीन से अपने संसाधनों के शोषण को रोकना है और अपने अभियानों को और तेज़ करना होगा। गत 11 मार्च को बलूचिस्तान के कच्छी जिले के आब-ए-गम इलाके के पास सुरंग में जाफर एक्सप्रेस ट्रेन पर कुछ बंदूकधारियों ने हमला करके उसे अपने कब्जे में ले लिया। इस हमले की जिम्मेदारी बलूच लिबरेशन आर्मी ने ली और दावा किया कि उनकी गोलीबारी में 30 लोग मारे गए तथा 214 यात्रियों को बंधक बना लिया है। यह ट्रेन क्वेटा से पेशावर जा रही थी, जिसमें तकरीबन 500 यात्री सवार थे। इस रेल मार्ग पर 17 सुरंगे हैं और रास्ता कठिन होने के कारण रेल की गति धीमी रहती है। इस घटना के बारे में बलूचिस्तान की सरकार ने बताया कि 80 यात्रियों को बचा लिया गया। इसके अलावा सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में 13 हमलावर मारे गए। पाकिस्तान इस घटना के बाद से दूसरे देशों पर आरोप मढ़ने में जुटा हुआ है। गत 13 मार्च को पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता शफकत अली खान ने अपनी साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि भारत अलगाववादियों की मदद कर रहा है। जाफर एक्सप्रेस पर हमले के समय आतंकवादी अपने हैंडलर्स और अफगानिस्तान में रिंग लीडर्स के संपर्क में थे। इन आरोपों को भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने सख्ती से खारिज करते हुए कहा कि पाकिस्तान द्वारा लगाए गए ये निराधार आरोप हैं। पूरी दुनिया जानती है कि वैश्विक आतंकवाद का केंद्र कहां है। पाकिस्तान को दूसरों पर उंगली उठाने के बजाय अपना आत्मनिरीक्षण करना चाहिए। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान सरकार और सेना इस घटनाक्रम में बलूच विद्रोहियों से निपटने में असफल दिखी है। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने दावा किया कि उन्होंने जाफर एक्सप्रेस को हाईजैक करने वाले 33 बीएलए विद्रोहियों को खत्म कर दिया है लेकिन सफल ऑपरेशन की कोई तस्वीर तक जारी नहीं की। जाफर एक्सप्रेस की घटना से पाकिस्तानी सेना अभी उबर भी नहीं पाई थी कि बलूच लिबरेशन आर्मी के विद्रोहियों ने 16 मार्च को बलूचिस्तान प्रांत के नोशकी जिले में पाकिस्तानी सेना के काफिले पर अचानक हमला करके बड़ी संख्या में सैनिकों को मार डाला। यह काफिला क्वेटा से कफ्तान जा रहा था। बीएलए के दावे के मुताबिक, 90 सैनिकों को मार डाला गया। बीएलए ने हमले की जिम्मेदारी लेते हुए वीडियो भी जारी किया है। वहीं दूसरी ओर, पाकिस्तानी पुलिस ने हमले में तीन सैनिकों और दो नागरिकों के मारे जाने तथा 30 जवानों के घायल होने की पुष्टि की है। बीएलए द्वारा जारी बयान में कहा गया कि उसके आत्मघाती दस्ते मजीद ब्रिगेड ने नोशकी में रक्षक मिल के पास पाकिस्तानी सेना के काफिले को निशाना बनाया। इस काफिले में आठ बसें थीं, जिनमें से एक बस पूरी तरह ध्वस्त हो गई। दूसरी बस को फतेह ब्रिगेड ने घेर लिया और उसके सभी जवानों को मार डाला। दरअसल, बलूच अपनी आज़ादी के लिए अभियान चला रहे हैं। सन 1947 से पहले ही बलूचिस्तान में भी आज़ादी की मांग तेज हो गई थी। 4 अगस्त, 1947 को दिल्ली में हुई मीटिंग में माउंटबैटन के साथ कलात के वकील के रूप में मोहम्मद अली जिन्ना थे, जिन्होंने कलात, खरान, लास बेला और मकरान को मिलाकर बलूचिस्तान बनाने का सुझाव दिया था। बाद में जिन्ना इससे पलट गए, लेकिन कलात के खान ने 12 सितम्बर, 1947 को बलूचिस्तान को आज़ाद देश घोषित कर दिया। 26 मार्च, 1948 को पाकिस्तानी सेना वहां घुस गई और इसे अपने आधिपत्य में ले लिया। इसके बाद सन 2000 तक बलूचियों ने चार बार पाकिस्तानी सरकार के खिलाफ विद्रोह किया, लेकिन हर बार इसे दबा दिया गया। सन 2005 में अकबर बुगती के नेतृत्व में पाकिस्तान के खिलाफ विद्रोह तेज हो गया। 26 अगस्त, 2006 को बुगती और उनके साथियों की हत्या कर दी गई। बुगती के बाद बलूच नेता गिरी को भी मार दिया गया। इसके बाद 2009 से वहां के लोगों को गुप्त रूप से निशाना बनाना शुरू किया गया। तब से अब तक बड़ी संख्या में बलूचों को या तो मार दिया गया या फिर उन्हें गायब कर दिया गया। बलूच विद्रोहियों की शुरुआत से यही मांग रही है कि पाकिस्तानी सेना बलूचिस्तान को खाली कर उनके सभी नेताओं को बिना शर्त रिहा कर दिया जाए।

कुछ अलग

क्रांति का विकलांग चेहरा

शिक्षा क्रांति के दावों के बाद स्कूलों का चेहरा बदल गया है। हमारे बच्चों को कुपोषण का मर्ज है। घर में तो उन्हें उचित खाने को मिलता नहीं, एक जून रोटी मिल जाए तो भी असंख्य धन्यवाद। सरकार ने बच्चों के हाथ में पुस्तक और पेट में रोटी देने के लिए स्कूलों में बच्चों के लिए मध्य दिवस भोजन योजना शुरू कर दी थी। उम्मीद थी कि कम से कम एक समय तो उन्हें उचित भोजन मिल जाएगा। उधर सर्व शिक्षा अभियान भी चला रखा है। प्राथमिक शिक्षा के लिए सब बच्चों को संवैधानिक अधिकार भी दे दिया है, लेकिन देने की घोषणा करने और वास्तव में मिल जाने के सच में यहां योजना का अंतर होता है। पब्लिक स्कूल कल्चर की कमर तो टूटी नहीं। गरीब बच्चों को इन स्कूलों की फ्री आरक्षित सीटों पर दाखिला नहीं मिला। बीच में निजी शिक्षा के मसीहाओं ने अदालतों की निषेधाज्ञा खड़ी कर दी। अब इंतजार और अभी। आंकड़ा शास्त्रियों ने बताया है कि इस देश में पांच साल की उम्र तक के बच्चे आधे से अधिक काल कलवित हो जाते हैं, तो बारह-चौदह साल के बच्चों में भी कुपोषण की वजह से, उसी तरह लगभग आधे काल का ग्रास हो जाते हैं। शेष जो बचते हैं, उनमें से बड़ी तादाद मानव तस्करों की कृपा से लापता होकर तेल धनी देशों के शेखों के द्वार तक पहुंच जाती है। लेकिन अब मध्यपूर्व के इन देशों में राजनीतिक उथल-पुथल बढ़ जाने के बाद सोचा जा रहा है, कि क्या इससे धनी शेखों के धन के पहाड़ कुछ कम हो जाएंगे? क्या उनकी रुचियों, ऐश्वर्य और विलास में कुछ अंतर आएगा? अंतर तो चाहे न आए, लेकिन इसी आशंका से हो सकता है कि मानव तस्करी के धंधे में कुछ मंदा हो जाए। बच्चे अगर अपहृत होकर लापता कम होने लगेंगे, और गरीबों की गूदड़ बस्तियों में दनदनाते नजर आएंगे तो हो सकता है उन्हें शिक्षा का मूल अधिकार देने की घोषणा पूरी हो जाए। स्कूलों में मध्यदिवस भोजन देने की योजना शुरू होकर भ्रष्टाचार की नजर लग जाने से बंद होने के कगार पर है। कहीं-कहीं तो उच्च न्यायालय के आदेश से इसे पुनः जीवनदान मिला है और अब यह लड़ख़ड़ाती और कांपती-कराहती पुनः उठती नजर आ रही है, लेकिन केवल भूख ही तुष्ट करना क्यों, यहां तो अधनंगे बदनों को कपड़े से भी ढकने की समस्या है। अपने राज्य के स्कूलों में सरकार ने बच्चों के लिए मुफ्त वर्दियां बांटने की घोषणा की है। लालफीताशाही इसे भूल गई, खाली खजाने का रुदन राग तो चलता ही रहता है। सुबह के मुर्गों ने दोपहर को बांग दे दी, सरकारी मशीनरी जागी। गर्मियों की वर्दियां सर्दियों में बंटी। अब उम्मीद है कि सर्दियों की वर्दियां भरपूर गर्मी तक बंट सबका उपकार कर सकेंगी। भई, भला हो पर्यावरण प्रदूषण वालों का। मौसम का सारा गणित बिगाड़ रखा है। गर्मी के दिनों में सर्दी पडने लगती है और सर्दियों में पंखा चलाने की नौबत आती है, कि जैसे सावन की बेवफाई ने बिन बादल बरसात के अतिकथन को सच करना शुरू कर दिया है। उम्मीद है कि इससे इन वर्दियों का इस्तेमाल भी बेमौसम नहीं लगेगा। इस पर्यावरण प्रदूषण से जल्द तो छुटकारा मिलेगा नहीं, क्योंकि चचा सैम ने 'अमरीका अमरीकियों' का वादा लगा कर इन संधियों पर हस्ताक्षकर करने से मना कर दिया है, और सजा के तौर पर ईरान पर आर्थिक प्रतिबंध लगा कर तीसरी दुनिया के देशों का तेल-डीजल बंद करने का प्रयास किया है। अब अगर महंगा होता कच्चा तेल कम आयात होने लगेगा तो इसका प्रयोग भी कम होगा। य

देश दुनिया से

सीमित आय से सुख का बजट

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सोमवार को अपनी सरकार के कार्यकाल का तीसरा बजट पेश करते हुए सबसे पहले प्रदेश की अर्थव्यवस्था को लेकर जीएसटी से कम होती आय, केंद्रीय ग्रांटों में कमी और निरंतर कम होती आरडीजी ग्रांट का जिक्र करते हुए इस बात को स्वीकार किया कि 2025-26 का साल प्रदेश की अर्थव्यवस्था के लिए उनकी नजर में पिछले कई दशकों में सबसे चुनौतीपूर्ण वर्ष रहने वाला है। लेकिन वे अपने बजट भाषण में अर्थव्यवस्था को सुधारने का कोई रोडमैप भी प्रस्तुत नहीं कर पाए। अपने बजट भाषण की शुरुआत में ही उन्होंने कांग्रेस सरकार द्वारा सत्ता संभालने के तुरंत बाद नाजुक वित्तीय स्थिति, पनपते खनन माफिया, पूर्व सरकार द्वारा लापरवाही से की गई भरपूर फिजूलखर्ची का उल्लेख करते हुए पिछली सरकार द्वारा कई सरकारी भवनों तथा अन्य पूंजीगत कार्यों का बिना बजटीय प्रावधानों के ही निर्माण करने और बिना जरूरत के संस्थानों को खोलने का आरोप लगाते हुए बेहिसाब कर्ज लेने का उल्लेख भी किया। इसी तरह वे कर्मचारियों के प्रति देय वेतन आयोग की देनदारियों, बकाया महंगाई भत्ते और डीए एरियर्स के भुगतान का कोई रास्ता निकालते भी नजर नहीं आए। अपने बजट में वे कर्मचारियों को मई 2025 से तीन फीसदी डीए भुगतान की घोषणा तो करते हैं लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि कर्मचारियों/पेंशनरों को जुलाई 2023 से 4 प्रतिशत डीए लागू है, के बारे में उनके अफसर उन्हें बताना क्यों भूल गए, ये समझ से परे है। अपनी अधिकांश वित्तीय मांगें पूरी न होने से सोशल मीडिया में कर्मचारियों और पेंशनरों की टिपणियों में घोर निराशा एवं असंतोष की भावना दिख रही है। मुख्यमंत्री सुक्खू ने विस्तारपूर्वक आरडीजी ग्रांट यानी राजस्व घाटा अनुदान का विस्तृत ब्यौरा सदन के समक्ष रखा और बताया कि वर्ष 2021-22 में आरडीजी ग्रांट 10 हजार 949 करोड़ रुपए थी, इस वित्तीय वर्ष अर्थात 2024-25 में राजस्व घाटा अनुदान राशि घटकर 6 हजार 258 करोड़ रुपए हो गई और अब आने वाले साल 2025-26 में यह मात्र 3 हजार 257 करोड़ रुपए रह जाएगी। घटती आरडीजी ग्रांट और ऋण लेने पर केंद्र द्वारा थोपी गईं बंदिशें ही सरकार के गले की फांस बनी हुई हैं। ऐसा लगता है कि मुख्यमंत्री और उनकी अफसरशाही के पास वित्तीय चुनौतियों से निपटने का कोई तर्कसंगत उपाय नहीं बचा है और सुक्खू सरकार के समक्ष अब अगले केंद्रीय वित्तायोग की सिफारिशों के बाद ही शायद कुछ राहत के आसार बन पाएं। उनके अनुसार 2025-26 के बजट प्रस्तावों के अनुसार प्रति 100 रुपए व्यय में से, वेतन पर 25 रुपए, पेंशन पर 20 रुपए, ब्याज अदायगी पर 12 रुपए, ऋण अदायगी पर 10 रुपए, स्वायत्त संस्थानों के लिए ग्रांट पर 9 रुपए, जबकि शेष 24 रुपए पूंजीगत कार्यों सहित अन्य गतिविधियों पर व्यय किए जाएंगे। इस प्रकार से देखें तो पिछले वर्ष के मुकाबले अब विकास कार्यों के लिए सौ रुपए में से महज 24 रुपए ही बचेंगे। सवाल ये नहीं है कि कर्मचारियों/पेंशनरों और ऋण भुगतान पर राज्य बजट का अधिकांश रुपया खर्च हो रहा है, बल्कि मुद्दे की बात यह है कि सरकार की इन्कम उस अंदाज में नहीं बढ़ रही है कि वह अपनी देनदारियों के साथ-साथ विकासात्मक गतिविधियों को अमलीजामा पहना सके। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह ने वर्ष 2025-26 के लिए 58 हजार 514 करोड़ रुपए का बजट प्रस्तुत करते हुए कुल राजस्व प्राप्तियां 42 हजार 343 करोड़ रुपए रहने का अनुमान दर्शाया है तो वहीं कुल राजस्व व्यय 48 हजार 733 करोड़ रुपए अनुमानित बताया है। उनके अनुसार कुल राजस्व घाटा 6 हजार 390 करोड़ रुपए अनुमानित रहेगा और राजकोषीय घाटा 10 हजार 338 करोड़ रुपए अनुमानित रहेगा। हिमाचल में प्रति व्यक्ति आय 257212 रुपए पर पहुंच गई है और सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) में 10.2 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2 लाख 32 हजार 185 करोड़ रुपए अनुमानित दर्शाई गई है। मुख्यमंत्री ने इस वर्ष सभी श्रेणियों की 25 हजार भर्तियां करने की घोषणा भी अपने बजट भाषण में की है जिससे बेरोजगार युवाओं को नौकरियां मिलने की संभावनाएं बढ़ेंगी। मुख्यमंत्री सुक्खू ने अपने बजट प्रस्तावों द्वारा अपने पूर्ववर्ती वित्त मंत्रियों का ही अनुसरण करते हुए ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विकास हेतु कृषि, बागवानी, पशुपालन व संबद्ध क्षेत्रों का विकास एवं विस्तार, पर्यटन विस्तार, समाज के सभी वर्गों का उत्थान एवं कल्याण, स्वरोजगार के क्षेत्र में नई घोषणाओं, हरित ऊर्जा, हरित हिमाचल व स्वच्छ हिमाचल, स्वास्थ्य सेवाओं का आधुनिकीकरण व शिक्षा का रूपांतरण, नशामुक्त हिमाचल, स्वच्छ पेयजल एवं सीवरेज सुविधाओं के क्षेत्र में विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण और परिवहन, उद्योग, पुलों एवं सडक़ों जैसे क्षेत्रों के लिए अनेक घोषणाएं की हैं। लेकिन कम वित्तीय संसाधनों और बढ़ती देनदारियों से उनकी सरकार कैसे निपटेगी, इसका कोई उपाय नहीं बता सकी है। दूसरी तरफ अमरीकी बहुराष्ट्रीय वित्तीय सेवा कंपनी मार्गन स्टेनली के अनुसार भारत 2028 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। ऐसे में यह केंद्र सरकार का भी दायित्व बनता है कि वह बिना किसी राजनीतिक भेदभाव के गैर भाजपा शासित राज्यों को भी उदार वित्तीय मदद मुहैय्या करवाए ताकि उन राज्यों विशेषकर हिमाचल जैसे दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों वाले राज्य के नागरिक विकास की दौड़ में पीछे न छूट जाएं। हिमाचल सरकार को भी लोकलुभावन घोषणाओं से बचते हुए अपने वित्तीय संसाधनों का नियोजन मितव्ययिता से करना होगा और पहाड़ जैसे कर्ज से कैसे मुक्ति मिले, इसके लिए विशेष उपाय करने पड़ेंगे, तभी राज्य की डगमगाती अर्थव्यवस्था पटरी पर आ पाएगी। देखा जाए तो मुख्यमंत्री सुक्खू का यह बजट परंपरा से हटकर हिमाचल की अर्थव्यवस्था में किन्हीं क्रांतिकारी व्यापक बदलावों को रेखांकित करने वाला बजट भी नहीं कहा जा सकता है।

आप का नजरिया

किसने लिखी मौत की कहानी

ये मौत के सन्नाटे तेरी कब्र के पास टूटे, तू किस हवा का कफन जो घर से दूर मिला। पावर कारपोरेशन के चीफ इंजीनियर विमल नेगी का अचानक गायब होना अंततः कफन में प्रश्न बनकर लौट आया। दस मार्च से गायब एक उच्च अधिकारी गोबिंद सागर में तैरती लाश बन गया, तो कई शंकाओं और चिंताओं के चिन्ह भी वहीं उभर आएंगे। इस मौत के बीच कई रहस्यों के द्वंद्व और मानव जीवन की त्रासदियों के प्रसंग दिखाई दे रहे हैं, लेकिन हिमाचल की नाजुक हिस्ट्री के ये लम्हे पीड़ाजनक हैं। स्व. विमल नेगी अगर सफल नहीं होते, तो पावर कारपोरेशन की अहमियत में एक बुलंद शख्सियत के अधिकारी न होते। उनके जीवन में विभागीय सफलताओं की सीढियां न होतीं और न ही उनके लापता होने की खबर इतनी मनहूस और दुखदायी न होती। इस मौत का अंजाम इतना सरल भी नहीं है कि किसी फुसफुसाहट या अफवाह में समझा जाए। वह बतौर अधिकारी मरे या एक पारिवारिक व्यक्ति के रूप में इतने कठिन दौर तक पहुंचे। जाहिर तौर पर यह घटना असाधारण मानवीय प्रवृत्तियों, चुनौतियों, संकटों और दबावों की अंतहीन कहानी है और हर सूरत इसके हर पहलू की जांच होनी चाहिए। पावर कारपोरेशन की व्याख्या इस मौत के संदर्भ में होनी चाहिए। यह एक मुश्किल वित्तीय प्रबंधन, राजनीतिक कुपोषण और सत्ता के अभिभाषण की प्रयोगशाला में पलता निगम है, जो लाभ-हानि की ईमानदारी से पालन नहीं कर पाता। एक घाटे के निगम के मुखिया को सफल होना है, तो उसे सियासी दबाव को साधना भी आना होगा। अमूमन ऐसे पदों पर इंजीनियरिंग और सार्वजनिक व्यापार के सिद्धांत काम नहीं आते। यहां हर वक्त दो जमा दो, चार नहीं होते। जाहिर है ऐसी कसौटियों के बीच कई अधिकारी अपने पद और व्यक्तित्व के बीच संतुलन नहीं बना पाते। असंतुलन की एक दूसरी वजह पारिवारिक परिस्थितियां भी हो सकती हैं। जिंदगी के कई अनुपात हमारे कत्र्तव्यों की दक्षता के कारण भी बिगड़ सकते हैं। बहरहाल, विमल नेगी का शव असाधारण जांच की विनती कर रहा है। इस मौत के अगर अनेक कारण हो सकते हैं, तो कई संदेश राज्य को भी मिलते हैं। जीवन की कशमकश में इर इनसान को जीने की कला सीखनी होगी। विमल नेगी इस इबारत को मौत के मुहाने तक खुद ले गए, तो इन कमजोर कडियों के बीच हर नागरिक को परिवेश के पहलुओं को सशक्त बनाने के लिए अपनी भूमिका निभानी होगी। शायद इस दुखद घटना के समस्त कारणों में कहीं समाज के फंदे भी रहे हों। बहरहाल यह जांच का विषय है और इसे गहरे तक छानने की जरूरत है। इस मौत के बाद भी जिंदगी चलती रहेगी। कल जिस कुर्सी पर विमल नेगी थे, कल कोई और नेम प्लेट स्वागत करेगी, लेकिन अधिकारियों-कर्मचारियों के विभिन्न दबावों को समझने की जरूरत बढ़ रही है। तनाव तो पद, उत्तरदायित्व, स्थानांतरण, सियासी दखल से सियासी घोषणाओं तक के रहते हैं। हर राजनीतिक फैसले का खोट अंततः प्रशासनिक असफलता, कानूनी कार्रवाइयों और सामाजिक उलाहना से ही निकलता है। आज तक किसी नेता पर कार्रवाई नहीं हुई, लेकिन जहां सजा निश्चित थी, वहां सरकारी अधिकारी या कर्मचारी को ही अपनी गर्दन गंवानी पड़ी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज व्यापार मे व्यस्तता ज्यादा रहेगी साथ मे आमदनी मे बढोत्तरी होगी नौकरीपेशा जातकों को पदोन्नति के साथ स्थानांतरित किया जा सकता है. आप दोस्तों के साथ एक नया कारोबार शुरू कर सकते हैं और आपको उनका पूरा समर्थन मिलेगा. वित्तीय मामले आसानी से आगे बढ़ेंगे और शेयरों में कुछ निवेश भी किया जा सकता है. सामाजिक गतिविधियां बढ़ेंगी. आज आप यात्रा में किसी व्यक्ति विशेष से मिल सकते है अपने स्वास्थ्य को हल्के मे लेना हानिकारक हो सकता हैं

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप को आज के दिन अपने व्यवहार मे कुछ बदलाव करना पडेगा जिससे काम पूरे होते हुए दिखेंगें आपका कोई सोचा हुआ काम पूरा हो जायेगा. छात्रों के करियर में आज के दिन नया बदलाव आयेगा. जो उनके भविष्य के लिए फायदेमंद होगा. आपकी सेहत बेहतर बनी रहेगी. आज आप की जानपहचान किसी स्त्री विशेष होगी, जो आप को लाभ पहुंचाएगी. कारोबार में कुछ लोग मददगार साबित होंगे. दोस्तों के साथ बेहतर दिन बीतेगा. भगवान शिव का पंचाक्षर मंत्र जप करें आप आसपास सकारात्मक वातावरण रहेगा

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज महामृत्युंजय मंत्र का जप करें शिवजी का अभिषेक करें स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा आप को भोजन भी अपनी शारीरिक क्षमता से ही करना चाहिए। काम के मामले में आप भाग्यशाली रहेंगे. आपकी योजनाएं फलीभूत हो कर आप के हक में फैसला सुनाएंगी. गृहस्थ जीवन में जीवन साथी धार्मिक रवैया अपनाएगा. घर में कोई पूजा पाठ बड़े स्तर पर हो सकती है. प्रेम विवाह करने की योजना हैं तो अपनी कार्यवाही जारी रखें नये मुकाम पर पहुंचेंगे और भविष्य मे रिश्ते में गहराई आएगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज परिवार के साथ जरूरी यात्रा पर जा सकते हैं यात्रा का उद्देश्य पूरा होगा आप अपने कार्य स्थल पर वाहवाही लूटेंगे जो आपकी संतुष्टि को बढ़ाएगा. आर्थिक सन्दर्भ में त्वरित पैसा बनाने की योजनाओं या आकर्षक प्रस्तावों से दूर रहना बेहतर है. इससे आने वाले महीनों में समस्या हो सकती है. परिवार के सदस्यों के साथ कुछ गलतफहमी घरेलू माहौल को कड़वा बना सकती हैं बच्चों को मौसमी बिमारी से बचाना होगा बच्चों के शरीर का तापमान बड़ सकता हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज के दिन को सफलताओं से भरना हैं तो शिवजी का कच्चे दूध से अभिषेक करें आपका दिन करवट लेगा आपको कुछ काम में किसी अनुभवी व्यक्ति से मदद मिल सकती है. परिवार के साथ डीनर का प्लान बना सकते हैं. पैसों के लेन– देन करने से आपको बचना चाहिए. अगर आप समय का सदुपयोग करेंगे, तो आपको फायदा जरूर मिलेगा. किसी तरह की पुरानी बातों पर ध्यान देने से आपको बचना चाहिए. कामकाज की स्थिति मजबूत रहेगी. आप को अपने व्यवसाय के प्रति जिम्मेदार होना होगा ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

दाम्पत्यजीवन की खुशहाली के लिए आप को दैनिक शिवपार्वती का पूजन करना चाहिए जिससे गृहस्थ जीवन खुशनुमा रहेगा । साझेदारी का कारोबारी सफलता देगा , बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा प्रेम जीवन बिता रहे लोग अपने रिश्ते के भविष्य को लेकर बहुत सोचेंगे और आज का दिन ज्यादातर सोचने में ही बिताएंगे.शरीर की तंदरुस्ती के लिए पौष्टिक आहार लेते रहें । हड्डियों का दर्द तकलीफ दे सकता हैं । गाय की सेवा करनी चाहिए ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

व्यापारियों के लिए कुछ तकलीफ़े बन सकती हैं. सरकारी कर्मचारियों के साथ मेलझोल बना कर रखें लाभदायक रहेगा आपके दुश्मन आपके लिए मुसीबतें खड़ी कर सकते हैं. आपकी आय कम हो सकती है और आपके निवेश ठहराव के चरण में जा सकते हैं. इस अवधि के दौरान व्यवसाय के संबंध में यात्रा उचित फल नहीं देगी. आपको शीघ्र पैसा कमाने की योजनाओं में निवेश करने से से बचना चाहिए. दोस्त मददगार नहीं रहेंगे. इसलिए आपको कमिटमेंट करने से पहले दो बार सोचना श्रेयकर रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज सुबह उठते ही हथेलियों के दर्शन करें आपका दिन बेहतरीन रहेगा. पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे. थोड़ी–सी मेहनत करके आप अपने उद्देश्यों को आसानी से प्राप्त कर सकते हैं. आर्थिक स्थिति में काफी सुधार हो सकता है. व्यावसायिक कार्यों के लिहाज़ से आज का दिन बेहतर है. आप हर काम को धैर्य और समझदारी से पूरा करने की कोशिश कर सकते हैं. वैवाहिक जीवन खुशियों से भरा रहेगा. ऑफिस का बढ़िया माहौल आपको खुश कर सकता है.व्यायाम करते रहे तंदूरस्ती बरकरार रहेगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपके लिए समय अनुकूल नही हैं नक्षत्र थोड़ा सा कमजोर है, इसलिए शांति और समझदारी से ही दिन गुजारना सही रहेगा. खर्चों में थोड़ी तेजी आने से मानसिक चिंताएं बढ़ेंगी लेकिन यह अल्पकालीन है, इसलिए ज्यादा परेशान मत हों. काम के मामले में आपकी सोच आपके काम आएगी. व्यापार भी तेजी से बढ़ेगा. सेहत उतार–चढ़ाव के बीच स्थिर रहेगी. प्रेम जीवन बिता रहे लोग आज के दिन को शांति से बिताएंगे और अपने प्रिय से खूब बातचीत करेंगे. गृहस्थ जीवन शांतिपूर्ण रहेगा.चींटियों को शक्कर डालें कर्ज मुक्त हो जांएगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

रोज सुबह उठते ही धरती माता को छूकर प्रणाम करें और फिर पश्चात धार्मिक कार्यों में संलग्न हो सकतें है, जिसके कारण आपकी सामाजिक लोकप्रियता में बढ़ोत्तरी संभव है. आपका पारिवारिक–जी–वन आनंदित रहेगा और आप मानसिक रूप से शांत रहेंगे. आप दूसरों के लिए मददगार सिद्ध होंगे और लोग इसके लिए आपका बहुत सम्मान करेंगे.कर्म को महत्व देंना चाहिए आप का भाग्य आप को खुदबखुद मालामाल बन देगा ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज दिन सफल रहेगा व्यवसायिक रुप से आप सफल भी होंगे. घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा. आपको अचानक धन लाभ के अवसर प्राप्त होंगे. आपको किस्मत का पूरा–पूरा साथ मिलेगा. साथ ही दूसरे लोग आपके कामकाज से प्रभावित भी होंगे. आपकी तरक्की के नये रास्ते खुलेंगे. परिवार में मधुरता के साथ विश्वास भी बढ़ेगा. किसी खास व्यक्ति से आपकी मुलाकात होगी. परिवार की जरुरत पूरी होने के बाद धन को दान के रुप मे व्यय करना चाहिए धन की शुद्धि होगी संतति भी बढेगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपने स्वभाव को सरल बनाए आप को मृदुभाषी होने की जरूरत हैं जिससे आप का समय और दिन हर्षित रहेंगा. कामों में सफलता मिलेगी जिससे आपका आत्मबल बढ़ेगा. थोड़ा गुस्सा तो दिखाएंगे लेकिन जिद पकड़ना अच्छा नहीं. गृहस्थ जीवन सामान्य रहेगा और प्रेम जीवन बिता रहे लोग परिजनों के विरोध का सामना कर सकते हैं, इसलिए थोड़ी सी सावधानी रखें और मर्यादा ना लांघें.रोज सुबह चहलकदमी करते रहें शरीर निरोगी रहेगा।

गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 21 मार्च 2025 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2081
मास : चैत्र ,कृष्ण पक्ष
तिथि : सप्तमी रात्रि 04:26 तक
नक्षत्र : ज्येष्ठा रात्रि 01:46 तक
योग : सिद्धि रात्रि 06:40 तक
करण : विष्टि सायं 03:41 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक रात्रि 01:46 तक
सूर्योदय : 06:19 , सूर्यास्त 06:27 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:23, सूर्यास्त 06:30 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:15 , सूर्यास्त 06:23 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:10 , सूर्यास्त 06:18 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : शीतला सप्तमी , भद्रा सायं 03:59 तक , खरमास चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

हरियाणा बजट सत्र पर चर्चा आज

सत्ता पक्ष–विपक्ष होंगे आमने–सामने

चंडीगढ़,20 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र 2025 का नौवां दिन आज है। सुबह 11 बजे से सत्र के निर्धारित समय के बाद प्रश्नकाल शुरू होगा, जिसमें विधानसभा सदस्यों के कई विभागों के प्रश्नों के उत्तर दिए जाएंगे। इसके बाद 17 मार्च को मुख्यमंत्री नायब सैनी द्वारा पेश किए गए 2,05,017 करोड़ रुपये के बजट पर चर्चा होगी। इस सत्र के दौरान सत्तारूढ़ सरकार और विपक्ष के बीच काफी बहस और टकराव हुआ है, जिसमें कांग्रेस दो बार सदन छोड़कर जा चुकी है।

अब तक कई महत्वपूर्ण मामलों ने बैठक को आकार दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा और गृह मंत्री अनिल विज के बीच 19 मार्च को तीखी बहस हुई थी। मुख्यमंत्री सैनी ने इसे खारिज कर दिया और हुड्डा ने 2008 के इंस्पेक्टर भर्ती पर अदालत के फैसले की ओर इशारा करते हुए अपनी सरकार की ईमानदारी का बचाव किया। गुस्से में हुड्डा ने इस्तीफा देने की सलाह भी दे दी। अनिल विज ने उसी दिन अपनी उम्र के बारे में हंसते हुए कहा, मैं अभी केवल 45 साल का हूं।

विशेष रूप से इंस्पेक्टर भर्ती को लेकर सदन में आंदोलन जारी है। कांग्रेस सरकार के दौरान, जिसने कथित तौर पर भूपेंद्र हुड्डा के चाचा को भर्ती घोटाले में घसीटा था, भाजपा विधायक ओम प्रकाश यादव ने 18 मार्च को इस मुद्दे का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने जवाब दिया कि तरल पदार्थ का उपयोग करके कुछ भी किया जा सकता है। विपक्ष ने इसका जोरदार विरोध किया, जिससे कांग्रेस सदन से बाहर चली गई। स्पीकर हरविंदर कल्याण ने भी कर्मचारियों की कमी का कड़ा विरोध किया। महिलाओं को 2100 रुपये मासिक सहायता, एथलीटों के लिए मानार्थ बीमा और युवाओं को 50 लाख नौकरियां देने का वादा करते हुए, मुख्यमंत्री नायब सैनी ने 17 मार्च को अपना पहला बजट पेश किया। हालांकि, कांग्रेस ने इसे जुमलाबाजी कहकर खारिज कर दिया। कुछ स्थितियों के लिए दवाएं और अन्य के लिए परामर्श सबसे अच्छा समाधान है।

3 मार्च को मुख्यमंत्री ने कहा कि सीईटी परीक्षा मई में आयोजित की जाएगी और कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि वे वोट के बदले नौकरी देते थे। पहलवान विनेश फोगट ने 12 मार्च को खेल बजट के आंकड़ों को नोट करके सरकार को चुनौती दी। 11 मार्च को सदन में गोहाना जलेबी भी विवाद का विषय बनी, इसलिए कुछ मौज–मस्ती भी हुई। हिसार एयरपोर्ट संदर्भ और नए नियम 31 मार्च तक तीन नए आपराधिक कानून पारित किए जाएंगे, राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने 7 मार्च के अपने भाषण में घोषणा की कि हिसार एयरपोर्ट से जल्द ही उड़ानें शुरू होंगी। इसके अलावा विपक्ष ने रोजगार, बेरोजगारी और एमएसपी पर सरकार की आलोचना की। आधुनिक सत्र में जोश की उम्मीद बजट सत्र के नौवें दिन जब इन सभी मुद्दों पर बहस होगी, तो तीखी बहस की उम्मीद है। हालांकि विपक्ष सरकार को जिम्मेदार ठहराने की कोशिश करेगा, लेकिन सत्ता पक्ष पिछली सरकारों की नीतियों की ओर इशारा करके जवाब देगा। यह देखना दिलचस्प होगा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी बजट की आलोचना का क्या जवाब देते हैं।

विधायक आदर्श ग्राम योजना के तहत 25 विधायकों को 1- 1 करोड़ की राशि जारी : नायब सिंह

चंडीगढ़,20 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ- सबका विकास - सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूलमंत्र पर चलते हुए विधायक आदर्श ग्राम योजना के तहत हरियाणा में 25 विधानसभा क्षेत्रों के विकास कार्यों के लिए विधायकों को 1-1 करोड़ रुपये की निधि जारी की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री आज यहाँ हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र के दौरान सदन में बोल रहे थे। नायब सिंह सैनी ने कहा कि विधायक आदर्श ग्राम योजना के तहत शेष बचे हुए विधायक भी अपने- अपने विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों की सूची भिजवाएं ताकि उन्हें भी यह राशि जल्द से जल्द जारी की जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य बजट 2025 -26 में भी सभी विधायकों को उनके विधानसभा क्षेत्रों में विकास कार्य करवाने के लिए 5 -5 करोड़ रुपये की राशि देने की घोषणा की गई है। ये राशि 3 किस्तों में दी जाएगी।

भाजपा सरकार ने प्रदेश पर चढ़ाया 5,16,007 करोड़ का कर्जा : हुड्डा

चंडीगढ़,20 मार्च (एजेंसियां)। विकास पर फुल स्टॉप और कर्जा, क्राइम, करप्शन नॉन स्टॉप। यही बीजेपी सरकार की पहचान बन गई है। ये कहना है पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा का। हुड्डा अपने आवास पर पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि बीजेपी ने प्रदेश पर 5,16,007 करोड़ का कर्जा चढ़ा दिया है। 1966 से लेकर 2014-15 तक प्रदेश पर मात्र 70,000 करोड रुपए का आंतरिक कर्ज था, जो आज 3,52,819 आंतरिक कर्ज, 48,000 स्माल सेविंग, 68,995 करोड़ पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइजेज और 46193 करोड़ की अन्य लायबिलिटी, पेंडिंग बिल इत्यादि मिलाकर 5,16,007 करोड़ रुपए हो चुका है।

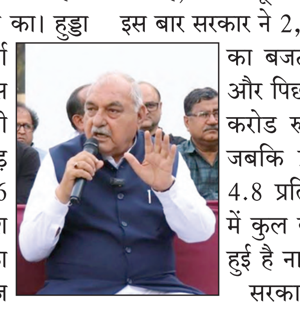

हुड्डा ने कहा कि सरकार द्वारा बजट में 7.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी का दावा किया गया है, जोकि पूरी तरह गलत है। क्योंकि इस बार सरकार ने 2,05,017 करोड रुपए का बजट पेश किया गया है और पिछली बार 1,89,876 करोड रुपए का पेश किया। जबकि प्रदेश में महंगाई दर 4.8 प्रतिशत है। यानी बजट में कुल बढ़ोतरी मात्रा 3.5% हुई है नाकि 7.9 प्रतिशत।

सरकार द्वारा दावा किया गया है कि प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय 3,53,182 हो गई है। जबकि परिवार पहचान पत्र के आंकड़े बताते हैं कि प्रदेश में 70% से ज्यादा लोग गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे हैं।

कांग्रेस गुटबाजी में उलझी, विकास नहीं आता नजर : बड़ौली

चंडीगढ़,20 मार्च (एजेंसियां)। नायब सरकार के बजट पर विधानसभा में आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला लगातार जारी है। बजट पर विपक्ष द्वारा लगातार उठाए जा रहे सवालों पर पलटवार करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला और कहा कि कांग्रेस मोतियाबिंद से ग्रस्त है, कांग्रेस को प्रदेश में विकास के काम नज़र नहीं आते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी आपसी गुटबाजी में इतनी व्यस्त है कि उन्हें हरियाणा में पिछले दस सालों में हुए विकास कार्य दिखाई ही नहीं दे रहे हैं।

सोनीपत में पत्रकारों से बातचीत करते हुए भाजपा प्रदेशाध्यक्ष बड़ौली ने कहा कि हरियाणा में पहली बार 2 लाख हज़ार करोड़ से अधिक रूपए का एतिहासिक बजट पेश किया गया है। उन्होंने बताया कि यह ऐसा पहला बजट है जिसमें प्रदेश भर से आए लगभग 11 हज़ार सुझावों को शामिल करके बेहतरीन बजट हरियाणा की जनता को दिया गया है। बजट को लेकर विपक्ष द्वारा लगाए जा रहे आरोपों पर जवाब देते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस हमेशा झूठ की राजनीति करती है और लोगों को बरगलाने में विश्वास करती है, जबकि भाजपा सबका साथ-सबका विकास और सबका विश्वास की विचारधारा में यकीन करती है।

बड़ौली ने कहा कि नायब सरकार ने सभी वर्गों और सभी क्षेत्रों को ध्यान में रखते हुए नायाब बजट पेश किया है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार की कथनी और करनी में कोई फर्क नहीं है, जो भी संकल्प पत्र में भाजपा ने वादे किए हैं उनको पूरा करने के लिए नायब सरकार संकल्पबद्ध है और उसकी झलक इस बजट में दिखाई दी है। उन्होंने कहा कि लाड़ो लक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं को हर महीने धनराशि देने, किसानों को 24 फसलों पर एमएसपी और युवाओं को रोज़गार देने के वादों पर सरकार खरा उतर रही है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने कहा कि नायब सरकार में लगातार प्रदेश हित में काम हो रहा है, जबकि कांग्रेस अपने घरेलू झगड़ों में और आपसी टांग खिंचाई में व्यस्त है। भाजपा अध्यक्ष मोहनलाल बडौली ने कांग्रेस को सलाह देते हुए कहा कि सिर्फ मीडिया में बयानबाज़ी करने के बजाय कांग्रेस को ग्राउंड पर जाना चाहिए और सरकार द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों को देखना चाहिए।

अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस पर प्रदेश को सौगातें देंगे भजनलाल : बनर्जी

जयपुर,20 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 21 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस के अवसर पर प्रदेश को कई सौगातें देंगे। आरआईसी, जयपुर में आयोजित होने वाले मुख्य समारोह में मुख्यमंत्री वन प्रशिक्षण एवं प्रबंध संस्थान का शिलान्यास करेंगे। साथ ही सीतामाता वन्यजीव अभ्यारण्य में इको टूरिज्म फैसिलिटीज एवं केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान, भरतपुर एवं नाहरगढ़ बायोलोजिकल पार्क में इलेक्ट्रिक गोल्फ कार्ट प्रदेश की जनता को समर्पित करेंगे। इस अवसर पर वन मृदा स्वास्थ्य कार्ड एवं राजस्थान में जलवायु परिवर्तन प्रतिक्रिया और पारिस्थितिकी तंत्र सेवा संवर्धन का लोगो का अनावरण भी करेंगे।

वन विभाग के प्रधान मुख्य वन संरक्षक अरिजीत बनर्जी ने बताया कि इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा वनमित्रों को किट वितरित करेंगे। शर्मा वन विभाग में फील्ड में कार्यरत महिला कार्मिकों को भी उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित भी करेगे। कार्यक्रम में वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा एवं जापान इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन ऐजेन्सी (जाइका) के श्री एजि वाकामास्तु का संबोधन भी होगा।

बनर्जी ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा वन विभाग के नवाचार डीजी-वन एप का उद्घाटन भी करेंगे। उन्होंने बताया कि वन विभाग द्वारा विभागीय कार्यो में पारदर्शिता लाने हेतु नवीनतम आईटी तकनीक के उपयोग से विकसित 'डिजी-वन-फोरेस्ट स्टेक' एप विकसित किया गया है। इसका समुचित उपयोग विभाग के लिए बहुत उपयोगी सिद्ध होगा। विभाग द्वारा वर्तमान में उपलब्ध राजकीय डेटा को यथा संभव एक ही प्लेटफार्म पर लाने के प्रयास किये जाने आवश्यक हैं जिससे कि विभागीय कार्यप्रणाली को आमजन के लिए भी अधिकाधिक उपयोगी एवं अधिक पारदर्शी बनाया जा सके। इस वर्ष वानिकी दिवस की थीम 'फॉरेस्ट्स एण्ड फूड' रखी गयी है। राजस्थान जहां वन क्षेत्र सीमित है, यह दिवस विशेष रूप से महत्वपूर्ण है ताकि वन संसाधनों के बेहतर प्रबंधन और पर्यावरण संतुलन के लिए जनजागरूकता बढ़े। गत वर्ष 5 जून को राज्य सरकार द्वारा मिशन हरियालो राजस्थान के अंतर्गत मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान प्रारम्भ किया गया। मिशन 'हरियालो राजस्थान' के तहत 50 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। वर्ष 2024-25 में राज्य में 7 करोड़ पौधे रोपित किये गये हैं। 2025-26 में 10 करोड़ पौधे लगाये जाने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। लक्ष्य प्राप्ति सुनिश्चित करने हेतु विभाग द्वारा 39 नवीन नर्सरियों की स्थापना भी की जा रही है।

वन विभाग में दो बाह्य सहायता परियोजनाऐं भी क्रियान्वित कर रही है। फ्रांस की फ्रेंच डवलपमेंट ऐजेन्सी (एएफडी) के सहयोग से 1693 करोड रूपये एवं जापान की जापान इंटरनेशनल कोर्पोरेश्न ऐजेन्सी (जाइका) के सहयोग से 1774 करोड की लागत की योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं। उल्लेखनीय है कि जाइका द्वारा राजस्थान में वानिकी क्षेत्र में 3 दशकों से अधिक समय से सहयोग किया जा रहा है।

अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई में 64 वाहनमशीनरी जब्त

पुलिस में 39 एफआईआर दर्ज

जयपुर,20 मार्च (एजेंसियां)। अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ प्रदेश में खान विभाग द्वारा संयुक्त कार्रवाई जारी है। भीलवाड़ा, भरतपुर, सवाईमाधोपुर, दौसा, डूंगरपुर आदि में 2 जेसीबी सहित 64 मशीनरी और वाहन जब्त किये गये हैं वहीं भीलवाड़ा में 35 और भरतपुर में 4 कुल 39 एफआईआर दर्ज करवाई गई है। निदेशक माइन्स दीपक तंवर ने बताया कि अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई के निर्देश सभी फील्ड अधिकारियों को दिए गए हैं और चैकिंग व्यवस्था को चाकचोबंद रखने को कहा गया है।

एसएमई विजिलेंस जयपुर प्रताप मीणा की टीम ने कार्रवाई करते हुए 3 वाहन जब्त कर करीब 3 लाख 45 हजार रु. का जुर्माना वसूल किया है। दौसा एएमई एलसी मीणा की टीम ने एक जेसीबी और 2 ट्रेक्टर जब्त किये है। इसी तरह से सवाई माधोपुर एएमई राजेन्द्र भट्ट ने 6 वाहन पर कार्रवाई कर 5 लाख 43 हजार की राशि वसूल कर ली है। एमई भरतपुर केसी गोयल की टीम ने कार्रवाई करते हुए 1 जेसीबी और 4 ट्रेक्टर ट्राली जब्त करने के साथ ही सिकरी डीग में 4 एफआईआर भी दर्ज करवाई है। डूंगरपुर में कार्रवाई करते हुए एमई सुरेश अग्रवाल की टीम ने दो डंपर जब्त कर डूंगरपुर कोतवाली के सुपुर्द किये हैं। एसएमई ओम प्रकाश काबरा ने बताया कि जिला कलक्टर भीलवाड़ा द्वारा गठित संयुक्त टीम द्वारा कार्रवाई जारी है। उन्होंने बताया कि एमई भीलवाडा महेश शर्मा और एमई बिजौलिया प्रवीण अग्रवाल में मिलाकर 6 मशीन और 39 वाहन जब्त किये गये हैं। टीमों द्वारा पुलिस थानों में 35 एफआईआर दर्ज कराई गई है।

पेंटेकोस्टल स्कूल की बिल्डिंग पर चला बुलडोजर, नगर निगम ने लिया कब्जा

भरतपुर,20 मार्च (एजेंसियां)। नगर निगम ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए कृष्णा कॉलोनी स्थित पेंटेकोस्टल स्कूल की बिल्डिंग को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। निगम अधिकारियों के अनुसार, 1974 में मॉर्डन इंग्लिश स्कूल संस्था को यह जमीन स्कूल संचालन के लिए अलॉट की गई थी, लेकिन पिछले 10 वर्षों से यह स्कूल बंद पड़ा था।

नगर निगम आयुक्त श्रवण कुमार विश्नोई ने बताया कि 2016 में इस स्कूल का अलॉटमेंट निरस्त कर दिया गया था। हालांकि, स्कूल ट्रस्ट ने इस फैसले के खिलाफ (डायरेक्टर, लोकल बॉडीज) में अपील दायर की थी, लेकिन वह भी खारिज कर दी गई। इसके बाद नगर निगम ने आज विधिवत रूप से इस बिल्डिंग को गिराकर जमीन को अपने कब्जे में ले लिया।भरतपुर नगर निगम की टीम ने बिल्डिंग के अंदर मौजूद सामान को जब्त कर लिया और पूरी कार्रवाई की वीडियोग्राफी कराई। निगम आयुक्त ने स्पष्ट किया कि नगर निगम की जमीन पर अवैध कब्जों को हटाने की यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।जो भी अवैध रूप से नगर निगम की जमीन पर कब्जा किए हुए हैं, वे खुद ही जमीन समर्पित कर दें, अन्यथा कड़ी कार्रवाई होगी। नगर निगम की इस सख्त कार्रवाई से अवैध कब्जाधारियों में हड़कंप मच गया है।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने पीएम मोदी कैबिनेट के फैसलों को बताया ऐतिहासिक

जयपुर,20 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में लिए गए केंद्रीय कैबिनेट के फैसलों को देश और किसानों के लिए ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि इन निर्णयों से डिजिटल भुगतान, कृषि, उर्वरक उत्पादन और डेयरी सेक्टर को मजबूती मिलेगी, जिससे देश के नागरिकों और किसानों को प्रत्यक्ष लाभ होगा।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय कैबिनेट ने 2,000 तक के यूपीआई भुगतान पर लगने वाले शुल्क को समाप्त करने का निर्णय लिया है। सरकार ने 1,500 करोड़ की राशि आवंटित कर यह सुनिश्चित किया है कि डिजिटल भुगतान पूरी तरह निःशुल्क हो। इससे देश में डिजिटल लेन-देन को और बढ़ावा मिलेगा तथा आमजन को सीधा लाभ होगा। कैबिनेट ने देश में किसानों को उर्वरक की किल्लत से बचाने के लिए असम में अमोनिया और यूरिया कॉम्प्लेक्स स्थापित करने का फैसला किया है।

इस निर्णय से यूरिया उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा और किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराना संभव होगा।

खेती के मौसम में यूरिया की बढ़ती मांग को देखते हुए यह कदम अत्यंत महत्वपूर्ण है। राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत सरकार ने 3,400 करोड़ का बजट जारी किया है। इस योजना का उद्देश्य देश में दुग्ध उत्पादन बढ़ाना और किसानों को डेयरी सेक्टर से जोड़ना है। वर्ष 2023-24 में कुल दूध उत्पादन 2.39 करोड़ लीटर था, जिसे 2025 तक और बढ़ाने की योजना बनाई गई है। इसके अलावा डेयरी डेवलपमेंट के लिए 2,790 करोड़ का विशेष आवंटन किया गया है, जिससे अधिक किसानों को इस क्षेत्र से जोड़ा जा सकेगा। पिछले 10 वर्षों में डेयरी उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे किसानों को आर्थिक लाभ हुआ है।

कैबिनेट ने महाराष्ट्र में पगोटा से लेकर मुंबई-पुणे चौक तक 6 लेन हाईवे निर्माण को मंजूरी दी है। 4,500 करोड़ की लागत से बनने वाले इस हाईवे से यातायात सुगम होगा और आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी। कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लिए गए ये फैसले देश के आर्थिक और सामाजिक विकास की दिशा में मील का पत्थर साबित होंगे।

विदेशी आक्रांता के महिमामंडन का मतलब देशद्रोह: योगी

आज के भारत को ऐसे देशद्रोही स्वीकार नहीं

बहराइच/लखनऊ, 20 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को बहराइच में विदेशी आक्रांताओं का महिमामंडन करने वालों को देशद्रोही करार दिया। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया भारत की सनातन संस्कृति और परंपरा का गुणगान कर रही है तब भारत के महापुरुषों के प्रति श्रद्धा और सम्मान का भाव हर नागरिक का दायित्व होना चाहिए। इन स्थितियों में किसी भी आक्रांता का महिमामंडन नहीं करना चाहिए। आक्रांता के महिमामंडन का मतलब देशद्रोह की नींव को पुख्ता करना है और स्वतंत्र भारत ऐसे किसी देशद्रोही को स्वीकार नहीं कर सकता है। उन्होंने कहा कि जो लोग भारत के महापुरुषों को अपमानित करते हों, उन आक्रांताओं का महिमा मंडन करते हों जिन्होंने भारत की सनातन संस्कृति को रौंदने का कार्य किया था, बेटियों की इज्जत पर हाथ डालने और हमारी आस्था पर प्रहार किया था, उसे आज का यह नया भारत स्वीकार करने को कतई तैयार नहीं है। मुख्यमंत्री बहराइच में तहसील मिहींपुरवा (मोतीपुर) के मुख्य भवन के साथ ही आवासीय भवनों का उद्घाटन करने पहुंचे थे। तहसील का मुख्य और आवासीय भवन 845.19 लाख की लागत से 2,138 वर्ग मीटर में निर्मित किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बहराइच भारत की ऋषि परंपरा से जुड़ा हुआ जनपद है। कहते हैं महर्षि बालार्क का एक विश्व प्रसिद्ध आश्रम इसी बहराइच में था। बहराइच की पहचान और नाम उन्हीं बालार्क ऋषि के नाम पर था। यह बहराइच वही ऐतिहासिक भूमि है जहां पर एक विदेशी आक्रांता को धूल धूषरित करते हुए महाराजा सुहेलदेव ने भारत की विजय पताका को फहराया था। महाराज सुहेलदेव ने विदेशी आक्रांताओं के खिलाफ जिस शौर्य और पराक्रम का परिचय दिया उसी की परिणिति थी कि 150 वर्षो तक कोई विदेशी आक्रांता भारत पर हमला करने की दुस्साहस नहीं कर पाया था। इस पावन धरा बहराइच को उसकी पहचान से वंचित करने का प्रयास हुआ था। पिछली सरकारें घोषणा करती थीं, लेकिन कार्य नहीं हो पाते थे। मिहींपुरवा तहसील में आज तक भवन नहीं था, जबकि एक सामान्य नागरिक के लिए सबसे ज्यादा कार्य तहसील से ही पड़ता है। भूमि संबंधी रिकॉर्ड हो, पैमाइश हो, वरासत की कार्यवाही हो, नामांतरण हो, बंटवारे का कार्य हो या फिर लैंड उसे से जुड़ी हुई इन सभी मामलों के निस्तारण का केंद्र तो तहसील है। जब तहसील का अपना भवन ही नहीं होगा तो एक सामान्य राजस्व से जुड़े मामलों में क्या न्याय मिल पाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 में भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन की सरकार प्रदेश में आई उस समय 33 लाख से अधिक ऐसे राजस्व वाद थे जो लंबित पड़े थे। यह मामले लंबित हैं तो गांव-गांव में मारपीट,बलवा होना, दबंग के द्वारा गरीब की जमीन को जबरन हथिया लेना आम बात रही होगी और यही कारण था उत्तर प्रदेश में पिछली सरकारों के निकम्मेपन के कारण यह केंद्र बेमानी और भ्रष्टाचार का अड्डा बन गए थे। एक सामान्य नागरिक न्याय की उम्मीद नहीं कर सकता था। गरीब की आवाज को दबाया जाता था।

हम लोगों ने समय सीमा तय की कि अगर वाद लंबित है तो जवाबदेही तय होगी। इसी का परिणाम है कि हम लोगों ने 33 लाख मामलों का निस्तारण करके गरीब को न्याय दिलाने का काम किया है। सरकार की कार्यवाही का परिणाम है कि एंटी भू माफिया टास्क फोर्स के माध्यम से 64 हजार एकड़ लैंड को अवैध कब्जे से मुक्त करने का कार्य किया गया है। आज उसमें प्रदेश में निवेश आ रहा है। डबल इंजन सरकार ने तय किया है कि हर गांव में ग्राम सचिवालय होगा। ग्राम सचिवालय में ऑप्टिकल फाइबर या वाईफाई की सुविधा देंगे और गांव में ही गांव के लोगों को बैंक की सुविधा मिलेगी। गांव में ही जन्म प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र सभी गांव में ही उपलब्ध हो इसके लिए ज्यादातर ग्राम पंचायतों ने इस कार्य को आगे बढ़ाना प्रारंभ किया है।

सीएम योगी ने कहा कि अब किसी गरीब का हक नहीं मारा जा सकता, इसके लिए सेटेलाइट के माध्यम से हम ऐसी व्यवस्था करेंगे कि 1 इंच भी लैंड किसी गरीब की मारी नहीं जाएगी। उन्होंने कहा कि यहां तहसील पर जिन अधिकारियों की तैनाती होगी वह बहराइच में रहें ऐसा नहीं हो सकता।

उनके लिए आवास भी यही बनेगा। वह यहीं पर कैंपस में रहकर समस्या का समाधान करेंगे। हमने पहले ही कह रखा है कि जहां तहसील है, ब्लॉक है, थाना है, सर्किल है, वहां के अधिकारी वहीं पर रहेंगे, रात्रि निवास भी वहीं पर करें, क्योंकि बहानेबाजी नहीं चल सकती। जब उन्हें यह आवासीय सुविधा मिलेगी तो लोगों को समय से न्याय मिल सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं पिछले दिनों भी बहराइच आया था, जब यहां पर भेड़िये के आतंक से लोग परेशान थे। उसने काफी बच्चों को अपना शिकार बनाया था, लेकिन अंततः वह पकड़ा गया। हम लोगों ने पहले ही मानव वन्य जीव संघर्ष को आपदा की श्रेणी में रख करके उस परिवार को 5 लाख मुआवजा देने की व्यवस्था की। मुख्यमंत्री बोले कि अनंत संभावनाओं को समेटे यह जनपद बहराइच घाघरा और सरयू नदी के तट पर स्थित है। खेती करतनिया के रूप में यहां पर वन्य जीव अभ्यारण भी है और अब तो बहराइच में मेडिकल कॉलेज भी बन गया है और महाराजा सुहेलदेव का विजय स्मारक भी बनकर तैयार हो गया है। यह वही जनपद है जो पहले अव्यवस्था और अराजकता का शिकार हुआ करता था। आज बहराइच में कोई अव्यवस्था नहीं फैला सकता।

सियासत के अजीबोरीब मोड़

अखिलेश के लिए तब बुरा था औरंगजेब, आज प्रिय हो गया

लखनऊ, 20 मार्च (एजेंसियां)। औरंगजेब विवाद में एक घटना की खूब चर्चा है। समाजवादी पार्टी में वर्ष 2016 में चाचा और भतीजे में रार काफी बढ़ चुकी थी। तब पार्टी की एक बड़ी बैठक बुलाई गई। इस बैठक में शिवपाल यादव की ओर से मांग की गई थी कि अखिलेश यादव को हटाकर मुलायम सिंह यादव मुख्यमंत्री की कुर्सी संभालें। उस बैठक में मुलायम सिंह यादव ने कहा कि चुनाव नजदीक है, अब मुख्यमंत्री बन के क्या करूंगा। आप सभी लोग अखिलेश यादव का समर्थन करें और सभी प्रकार के विवाद को समाप्त करें। मेरे लिए पार्टी सबसे ऊपर है। मैं पार्टी को नहीं टूटने दूंगा।

अखिलेश से मुलायम सिंह यादव ने कहा, क्या जानते हो शिवपाल के बारे में। बहुत संघर्ष से इस पार्टी को यहां तक पहुंचाया है। उसके बाद जब अखिलेश यादव ने बोलना शुरू किया तो उन्होंने औरंगजेब का विवाद छेड़ दिया। अखिलेश ने कहा कि मेरे बारे में अमर सिंह ने एक अंग्रेजी समाचार पत्र में खबर छपवाई जिसमें मुझको औरंगजेब और नेता जी को शाहजहां लिखा गया। मेरे बारे में यह खबर अमर सिंह ने छपवाई। इसके बाद शिवपाल यादव अपने स्थान से खड़े हुए और उन्होंने कहा कि ये झूठ है, मुख्यमंत्री झूठ बोल रहे हैं, मुख्यमंत्री झूठे हैं। यह कहते हुए शिवपाल यादव ने उस समय के मुख्मयंत्री अखिलेश यादव के हाथ से माइक छीन लिया। इसके बाद पार्टी की बैठक में जमकर हंगामा हुआ।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2016 के सितंबर माह में उत्तर प्रदेश के हाजियों के आवागमन और सुविधा केंद्र के रूप में काम करने वाले सात मंजिला हज हाउस का निर्माण किया गया था। इस हज हाउस का तत्कालीन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने उद्घाटन किया था। हिंडन नदी के किनारे स्थित इस हज हाउस का निर्माण राज्य सरकार ने 51 करोड़ रुपए की लागत से चार एकड़ भूमि पर कराया था। इस हज हाउस के उद्घाटन में मुलायम सिंह यादव की फोटो नदारद थी। उसके बाद एक प्रमुख अंग्रेजी समाचार पत्र में एक खबर छपी थी। उस खबर में लिखा गया था मुलायम फील्स लाइक शाहजहां इस खबर के छपने के बाद काफी हंगामा हुआ था।समाजवादी पार्टी की बैठक में जैसे ही अखिलेश यादव ने औरंगजेब वाली खबर छपवाने का आरोप अमर सिंह पर लगाया। उसके बाद बाद शिवपाल यादव ने उनके हाथ से माइक छीन लिया था। इसके बाद मंच पर अफरा तफरी मच गई थी। मुलायम सिंह यादव इस बैठक में अखिलेश यादव और शिवपाल यादव के बीच समझौता कराना चाहते थे। मगर बात और ज्यादा बिगड़ गई। इसके बाद विधानसभा चुनाव में टिकट बंटवारे को लेकर चाचा और भतीजे में विवाद और गहरा हो गया। अखिलेश यादव के पास से पार्टी का दायित्व कम कर दिया गया। उसके बाद अखिलेश यादव ने राम गोपाल यादव के साथ मिलकर अपने पिता मुलायम सिंह यादव को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद से हटा दिया और स्वयं राष्ट्रीय अध्यक्ष बन गए। समाजवादी पार्टी का विवाद सड़क पर आ जाने के बाद अमर सिंह ने अपने बयान में अखिलेश यादव के ऊपर यह आरोप लगाना शुरू कर दिया कि अखिलेश यादव, औरंगजेब हैं और मुलायम सिंह यादव की भूमिका शाहजहां की तरह हो गई है। उसके बाद वर्ष 2017 में उत्तर प्रदेश विधानसभा के चुनाव हुए और उस चुनाव में समाजवादी पार्टी को बुरी तरह हार का मुंह देखना पड़ा। उसके बाद यह औरंगजेब वाला विवाद ठंडा पड़ गया था।

अब सवाल यह उठता है कि उस समय औरंगजेब कहे जाने पर अखिलेश यादव गंभीर रूप से नाराज थे और उन्होंने इस बात को लेकर जबरदस्त आक्रोश व्यक्त किया था। मगर हाल ही में समाजवादी पार्टी के नेता अबू आजमी ने औरंगजेब को एक कुशल शासक बताया। अब अखिलेश यादव ने अबू आजमी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के बजाय उसका समर्थन किया। सवाल है कि अगर अखिलेश यादव यह मानते हैं कि औरंगजेब एक कुशल शासक था तो उन्होंने वर्ष 2016 में इस बात पर इतना हंगामा क्यों किया था? जब अंग्रेजी समाचार पत्र की उस खबर में उनकी तुलना औरंगजेब से की गई थी और यहीं नहीं अमर सिंह लगातार यह बयान भी दे रहे थे कि अखिलेश यादव, औरंगजेब की तरह व्यवहार कर रहे हैं। वर्तमान समय में समाजवादी पार्टी के नेता अबू आजमी ने औरंगजेब की प्रशंसा की और ऐसे में अखिलेश यादव उनके साथ खड़े दिखाई दे रहे हैं। तो क्या यह समझा जाए कि ऐसा वे सिर्फ मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए कर रहे हैं।

यूपी के हरित भविष्य के लिए आई-फॉरेस्ट से करार

लखनऊ, 20 मार्च (एजेंसियां)। पर्यावरणीय स्थिरता और जलवायु परिवर्तन से निपटने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए उत्तर प्रदेश सरकार के पर्यावरण निदेशालय ने इंटरनेशनल फोरम फॉर एनवायरनमेंट, सस्टेनेबिलिटी एंड टेक्नोलॉजी (आई फॉरेस्ट) के साथ एमओयू किया। इसका उद्देश्य उत्तर प्रदेश में सतत विकास को बढ़ावा देना और प्रदूषण की समस्या का निवारण करना है। गुरुवार को पर्यावरण निदेशालय कार्यालय में पर्यावरण, वन व जलवायु परिवर्तन विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण कुमार सक्सेना, राज्य मंत्री के.पी. मलिक, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह आदि की मौजूदगी में यह एमओयू हुआ।

तीन वर्षीय यह एमओयू प्रमुख पर्यावरणीय चुनौतियों पर केंद्रित होगा, जिसमें वायु प्रदूषण नियंत्रण, कचरा प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन की समस्या के लिए समाधान विकसित करना शामिल है। यह उत्तर प्रदेश में हरित ऊर्जा, उद्योगों और शहरों के सतत् विकास को प्रोत्साहित करेगा। इस समझौते के तहत आई फॉरेस्ट शोध आधारित अनुसंधान व प्रशिक्षण कार्यक्रम कराएगा। साथ ही सरकारी योजनाओं को लागू करने में पर्यावरण निदेशालय का सहयोग करेगा। यह साझेदारी पर्यावरण संरक्षण में धार्मिक संस्थानों की सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देगी। इस पहल की शुरुआत महाकुंभ 2025 के दौरान हुई, जहां दोनों पक्षों ने संयुक्त रूप से प्रथम कुंभ की आस्था और जलवायु परिवर्तन सम्मेलन का आयोजन किया।

वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ अरुण कुमार सक्सेना ने कहा कि उत्तर प्रदेश अद्वितीय और जटिल पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना कर रहा है। हमारी सरकार वायु गुणवत्ता में सुधार, औद्योगिक उत्सर्जन को नियंत्रित करने और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न पहल में अग्रणी रही है। इस साझेदारी के माध्यम से हम नई तकनीकों और समाधानों का अन्वेषण करेंगे, ताकि प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का प्रभावी ढंग से समाधान किया जा सके। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने विज्ञान और अनुसंधान आधारित समाधानों की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि पर्यावरणीय समस्याओं को हल करने के लिए अत्याधुनिक शोध और ज्ञान का विकास जरूरी है। उम्मीद है कि पर्यावरण निदेशालय और आई फॉरेस्ट के बीच यह एमओयू वायु प्रदूषण, कचरा प्रबंधन और नदी प्रदूषण जैसी चुनौतियों के लिए ज्ञान आधारित समाधान प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

विभाग के प्रमुख सचिव अनिल कुमार ने कहा कि यह सहयोग वायु प्रदूषण प्रबंधन, हरित उद्योगों के विकास, हीटवेव जैसी जलवायु चुनौतियों के लिए शहरों की तैयारी और जलवायु नीतियों को सुदृढ़ करने में सहायक होगा। आई फॉरेस्ट तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान करेगा, पायलट परियोजनाएं संचालित करेगा, हितधारकों का प्रशिक्षण करेगा और पर्यावरण प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए अनुसंधान का समर्थन करेगा। आई फॉरेस्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. चंद्रभूषण ने इस साझेदारी की रूपरेखा प्रस्तुत की।

युवा शक्ति से आत्मनिर्भर बनेगा उत्तर प्रदेश: योगी

देवीपाटन मंडल के 1,423 युवा उद्यमियों को मिले 55 करोड़ रुपए के ऋण

गोंडा, 20 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को देवीपाटन मंडल के 1,423 युवा उद्यमियों को मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (सीएम युवा) के तहत 55 करोड़ रुपए का ऋण वितरित किया। इस दौरान उन्होंने एक जनपद एक उत्पाद कार्यक्रम के अंतर्गत शिल्पकारों को टूलकिट भी वितरित किया। साथ ही सीएम योगी ने युवा उद्यमियों द्वारा लगाई गई स्टार्टअप प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि अगर युवा ऊर्जा को सही दिशा में अवसर मिले, तो उन्हें आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति से ही उत्तर प्रदेश आत्मनिर्भर बनेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार युवा उद्यमियों के आर्थिक स्वावलंबन में सहभागी बन रही है। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्र की ताकत उसकी युवा प्रतिभा, ऊर्जा और अनुशासन से मापी जाती है। जहां युवाओं को अवसर मिलते हैं, वहां कोई ताकत उस देश का बाल भी बांका नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी अभियान के तहत 3 लाख से अधिक युवाओं ने रजिस्ट्रेशन कराया है, जिसमें से 32,700 से अधिक युवा उद्यमियों को ऋण स्वीकृत हो चुका है। सीएम योगी ने बताया कि आने वाले 25, 26 और 27 मार्च को हर जनपद में होने वाले तीन दिवसीय मेले में और अधिक युवाओं को इस अभियान से जोड़ा जाएगा। उन्होंने युवाओं को सलाह दी कि वे लोन के कार्य की ट्रेनिंग लें, ताकि वे सफल उद्यमी बन सकें। पहली बार 5 लाख तक का लोन मिलने के बाद अगली बार 10 लाख तक की सुविधा दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो युवा कल तक रोजगार के लिए भटकता था, वह अब उद्यमी बनकर जनपद और प्रदेश को आगे बढ़ाएगा।

सीएम योगी ने कहा कि युवा शक्ति के स्वावलंबन से उत्तर प्रदेश और देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाया जा सकता है। उन्होंने 1,423 युवाओं को ऋण वितरण पर बधाई दी और 25-27 मार्च को होने वाले मेले में अन्य युवाओं को भी लाभान्वित करने का भरोसा दिलाया। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत के संकल्प को अमृत महोत्सव वर्ष में आप युवा ही साकार करेंगे। उन्होंने युवाओं से धैर्य और इच्छाशक्ति के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया, ताकि वे उत्तर प्रदेश को देश का ग्रोथ इंजन बना सकें।

भ्रष्टाचार पर सख्त रुख अपनाते हुए सीएम योगी ने कहा कि सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। उन्होंने युवाओं को आगाह किया कि अगर कोई लोन दिलाने के नाम पर पैसे मांगता है, तो उसकी शिकायत करें। सरकार सिंगल विंडो सिस्टम और निवेश सारथी के जरिए मदद करेगी। योगी ने चेतावनी दी कि भ्रष्टाचार करने वालों पर ऐसी कार्रवाई होगी कि वे नजीर बन जाएंगे और भविष्य में सरकारी सेवा में जगह नहीं पा सकेंगे। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार घुन की तरह व्यवस्था को खोखला करता है। इसे जड़ से खत्म करने के लिए समाज को सरकार के साथ मिलकर लड़ना होगा। यह युवाओं और आने वाली पीढ़ी के विकास के लिए जरूरी है।

महिलाओं को सशक्त करने की दिशा में सरकार के प्रयासों का जिक्र करते हुए सीएम योगी ने कहा कि 2017 से पहले उत्तर प्रदेश पुलिस में केवल 10,000 महिलाएं थीं। हाल ही में 60,244 की भर्ती में 12,000 बेटियां शामिल हुईं। उन्होंने घोषणा की कि अब हर भर्ती में कम से कम 20% पद बेटियों के लिए आरक्षित होंगे। उन्होंने कहा कि अब तक 1,56,000 भर्तियों में 25,000 से अधिक बेटियों को नौकरी दी जा चुकी है। इसके अलावा, 7.5 लाख सरकारी कर्मचारियों की भर्ती पहले ही हो चुकी है। उन्होंने कहा कि हमारी बेटियां हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं, और सरकार उनके लिए हर संभव अवसर सुनिश्चित कर रही है।

सीएम योगी ने उत्तर प्रदेश की आर्थिक प्रगति पर गर्व जताते हुए कहा कि पहले बीमारू राज्य कहलाने वाला यूपी आज देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। उन्होंने कहा कि जल्द ही हम इसे नंबर एक बनाएंगे। उत्तर प्रदेश देश में सर्वाधिक खाद्यान्न, गन्ना और इथेनॉल उत्पादन करने वाला राज्य है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों की सर्वाधिक इकाइयां यूपी में हैं, और हर इकाई को 5 लाख की सुरक्षा बीमा दी गई है। योगी ने कहा कि वन जिला वन प्रोडक्ट और विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के जरिए हस्तशिल्पियों और कारीगरों को सम्मान दिया गया। जो देश अपने युवाओं और अन्नदाताओं को सम्मान देता है वही समृद्धि के शिखर पर पहुंचता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हाल ही में उत्तर प्रदेश में आयोजित महाकुंभ ने दुनिया को भारत की ताकत का अहसास कराया। 13 जनवरी से 26 फरवरी तक प्रयागराज में हुए इस सदी के सबसे बड़े सांस्कृतिक और आध्यात्मिक आयोजन ने मानवता का अद्भुत समागम प्रस्तुत किया। योगी ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में महाकुंभ ने 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की नई आधारशिला रखी। इसने साबित किया कि आस्था का सम्मान आजीविका का आधार बन सकता है और संस्कृति को सुरक्षा देने से समृद्धि आती है। महाकुंभ के कारण उत्तर प्रदेश में आस्था और आजीविका के नए कॉरिडोर बने, जैसे प्रयागराज से विंध्यवासिनी धाम, काशी, अयोध्या, देवीपाटन, गोरखपुर, चित्रकूट, नैमिषारण्य, मथुरा, वृंदावन तक। इन कॉरिडोर ने आर्थिक उन्नयन को बढ़ावा दिया और युवाओं को स्वावलंबन के नए अवसर दिए। योगी ने कहा कि जहां महाकुंभ को बदनाम करने वालों के राज्यों में हिंसा हुई, वहीं उत्तर प्रदेश में होली सहित सभी आयोजन शांतिपूर्ण रहे।

गोंडा के विकास पर बोलते हुए सीएम योगी ने कहा कि 2017 से पहले गोंडा से लखनऊ की दूरी तय करने में 3.5 घंटे लगते थे, जो अब घटकर 1.75 घंटे हो गई है। गोंडा से देवीपाटन मंदिर की यात्रा पहले 2 से 3.5 घंटे में होती थी, जो अब 45 मिनट में पूरी हो जाती है।

आईओसी के आजीवन मानद अध्यक्ष बने थॉमस बाक

कोस्टा नावारिनो,(ग्रीस) 20 मार्च (एजेंसियां) ।

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अध्यक्ष थॉमस बाक को बुधवार को आजीवन मानद अध्यक्ष नामित किया गया। यह ऐतिहासिक घोषणा 144वें आईओसी सत्र के पहले दिन हुई, जब बाक जून में 12 वर्षों के नेतृत्व के बाद पद से हटने की तैयारी कर रहे हैं।

ग्रीस के कोस्टा नावारिनो में आयोजित सत्र में आईओसी सदस्यों ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव को मंजूरी दी और तालियों की गड़गड़ाहट के बीच इस सम्मान को स्वीकार करने के लिए बाक मंच की ओर बढ़े। 71 वर्षीय इस दिग्गज खेल प्रशासक ने भावुक होकर कहा, मैं इस महान सम्मान को गहरी विनम्रता के साथ स्वीकार करता हूँ। यह सिर्फ एक व्यक्ति की उपलब्धि नहीं है, बल्कि हम सभी की संयुक्त सफलता है। अगर हम ओलंपिक मूल्यों के प्रति एकजुट नहीं होते, तो शायद हम यहां तक नहीं पहुंच पाते। इसलिए, जो सम्मान आज मुझे दिया जा रहा है, मैं उसे आप सभी को समर्पित करता हूँ। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता रहे बाक ने खेलों के अपने जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा, कई लोग कह सकते हैं कि पिछले 12 साल कठिन रहे, त्याग की आवश्यकता थी, लेकिन मैंने इसे कभी बलिदान नहीं समझा। एक एथलीट के रूप में मेरा सफर खत्म होने के बाद मुझे खेलों के प्रति अपना जुनून बनाए रखने का सौभाग्य मिला। मेरा ओलंपिक स्वर्ण पदक मेरी जिंदगी बदलने वाला क्षण था, और आईओसी अध्यक्ष के रूप में, मुझे दूसरों के जीवन को बदलने का अवसर मिला। 23 जून को, जो कि ओलंपिक दिवस भी है, बाक का कार्यकाल आधिकारिक रूप से समाप्त होगा और आईओसी अपना 10वां अध्यक्ष चुनेगा। बाक ने विश्वास जताया कि संगठन का भविष्य उवल रहेगा। उनके कार्यकाल में बदलाव या बदलाव के लिए तैयार रहो के सिद्धांत पर चलते हुए कई ऐतिहासिक सुधार किए गए। तीन प्रमुख रणनीतिक रोडमैप – ओलंपिक एजेंडा 2020 (2014), ओलंपिक एजेंडा 2020+5 (2021) और ओलंपिक एआई एजेंडा (2024) – लागू किए गए, जिसने ओलंपिक आंदोलन को नई दिशा दी। आईओसी सत्र के दौरान, ओलंपिक एजेंडा की उपलब्धियों पर भी चर्चा की गई, जिसने ओलंपिक खेलों को आयोजित करने, प्रस्तुत करने और सुधारने में क्रांतिकारी बदलाव लाए। इस सुधार की सफलता को दर्शाने के लिए 30 मिनट की डॉक्यूमेंट्री भी प्रस्तुत की गई, जिसमें खिलाड़ियों, अधिकारियों और हितधारकों की प्रतिक्रियाएं शामिल थीं। बाक ने कहा, हमने ओलंपिक इतिहास में सबसे व्यापक सुधार कार्यक्रम शुरू किया। यह सिर्फ आईओसी के लिए नहीं, बल्कि पूरे ओलंपिक आंदोलन के लिए था – सहयोग, आधुनिकीकरण और दृढ़ संकल्प की यात्रा। इन सुधारों ने 10 प्रमुख क्षेत्रों को प्रभावित किया, जिनमें एथलीट सशक्तिकरण, लैंगिक समानता, सतत विकास, वित्तीय स्थिरता और डिजिटलाइजेशन शामिल हैं।

न्यूज ब्रीफ

आईपीएल 2025 के पहले तीन मैचों के लिए राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी करेंगे रियान पराग

नई दिल्ली। युवा बल्लेबाज रियान पराग इंडियन प्रीमियर लीग 2025 (आईपीएल 2025) के पहले तीन मैचों के लिए राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी करेंगे, फ्रेंचाइजी ने गुरुवार को इसकी घोषणा की। राजस्थान के पूर्णकालिक कप्तान संजू सैमसन को बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ने विकेटकीपिंग के लिए मंजूरी नहीं दी है और वे केवल बल्लेबाज/इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे। आधिकारिक बयान में कहा गया है, संजू सैमसन, रॉयल्स सेट-अप का अभिन्न अंग हैं, जब तक उन्हें विकेटकीपिंग और फील्डिंग के लिए मंजूरी नहीं मिल जाती, तब तक वे बल्ले से अहम योगदान देंगे। पूरी तरह से फिट होने के बाद वे कप्तान के रूप में वापसी करेंगे। इंग्लैंड के खिलाफ भारत की पांच मैचों की टी20 सीरीज के दौरान जोफ्रा आर्चर की बाउंसर लगने से सैमसन की उंगली में चोट लग गई थी। चोट के बाद उन्होंने क्षतिग्रस्त उंगली के इलाज के लिए सर्जरी करवाई। 30 वर्षीय सैमसन ने बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपना पुनर्वास पूरा किया और सोमवार को रॉयल्स के पहले अभ्यास सत्र में भाग लिया। कप्तान के रूप में पराग का पहला काम 23 मार्च को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ एक मैच होगा, इसके बाद गुवाहाटी में कोलकाता नाइट राइडर्स और चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ दो घरेलू मैच होंगे।

स्विस ओपन 2024 में पीवी सिंधु लगातार तीसरी बार पहले दौर में हारीं

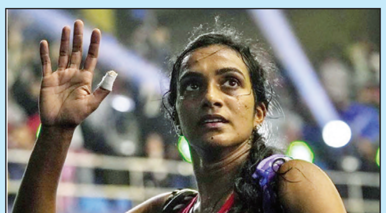

नई दिल्ली। स्विस ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु का खराब फॉर्म जारी रहा। उन्हें बुधवार को पहले ही दौर में डेनमार्क की जूली जैकबसेन से 17-21, 19-21 से हार का सामना करना पड़ा। यह इस साल उनका लगातार तीसरा टूर्नामेंट है, जहां वे पहले दौर से आगे नहीं बढ़ सकीं। पुरुष एकल: राजावत और शंकर की शानदार जीत भारत के प्रियंशु राजावत (विश्व रैंक 35) ने स्विट्जरलैंड के टोबियास क्युएनजी को सिर्फ 29 मिनट में 21-10, 21-11 से हराया। अगले दौर में उनका मुकाबला फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव से होगा। एस शंकर मुथुस्वामी सुब्रमण्यम ने डेनमार्क के मैग्नस जोहानसेन को 21-5, 21-16 से हराकर शानदार प्रदर्शन किया। अब वे दूसरे दौर में दूसरी वरीयता प्राप्त डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसन से भिड़ेंगे। हालांकि, भारत के किरण जॉर्ज को कड़े मुकाबले में डेनमार्क के रासमुस गेम्के से 21-18, 17-21, 10-21 से हार झेलनी पड़ी और वे टूर्नामेंट से बाहर हो गए। अन्य भारतीय परिणाम महिला एकल में अनुपमा उपाध्याय ने अनमोल खरब को 21-14, 21-13 से हराया। अगले दौर में उनका सामना चौथी वरीयता प्राप्त इंडोनेशिया की पुत्रि कुसुमा वारदानी से होगा। मिश्रित युगल में सतीश कुमार करुणाकरन और आद्या वारियाथ की जोड़ी ने अल्जीरिया के तनीना और कोसिला मामेरी को 21-15, 22-20 से हराया।

शाकिब अल हसन की गेंदबाजी एक्शन को मिली क्लीन चिट, महीनों की अनिश्चितता के बाद राहत

नई दिल्ली। बांग्लादेश के दिग्गज ऑलराउंडर शाकिब अल हसन को आखिरकार संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन के

मामले में क्लीन चिट मिल गई है। 37 वर्षीय शाकिब को इस मुद्दे को लेकर महीनों तक नकारात्मकता का सामना करना पड़ा, क्योंकि वह दो बार अपनी गेंदबाजी एक्शन की परीक्षा में असफल रहे थे। हालांकि, ताजा परीक्षण के नतीजे बताते हैं कि शाकिब ने आखिरकार अपने गेंदबाजी एक्शन को वैध साबित कर दिया है। यह खबर शाकिब के लिए बहुत बड़ी राहत लेकर आई है, क्योंकि उन्हें बांग्लादेश की चैंपियंस ट्रॉफी टीम में शामिल नहीं किया गया था। चयनकर्ताओं ने उन्हें केवल बल्लेबाज के रूप में टीम में लेने से इनकार कर दिया था। गेंदबाजी पर प्रतिबंध लगने के कारण वह उस आईसीसी टूर्नामेंट का हिस्सा नहीं बन सके, जिसे वह अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का विदाई टूर्नामेंट मान रहे थे। शाकिब के लिए थर्ड टाइम लकी (तीसरी बार भाग्यशाली) वाली कहावत सही साबित हुई, क्योंकि इंग्लैंड में हुए उनके हालिया गेंदबाजी एक्शन टेस्ट में उन्होंने सफलता प्राप्त कर ली।

बीसीसीआई ने भारतीय क्रिकेट टीम को 58 करोड़ रुपए नकद पुरस्कार देने का किया ऐलान

नई दिल्ली,20 मार्च (एजेंसियां) ।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में शानदार जीत दर्ज करने वाली भारतीय क्रिकेट टीम को 58 करोड़ रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित करने की घोषणा की है। यह पुरस्कार खिलाड़ियों, कोचिंग स्टाफ, सपोर्ट स्टाफ और चयन समिति के सदस्यों को उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण के लिए दिया जाएगा।

कप्तान रोहित शर्मा के नेतृत्व में भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में जबरदस्त प्रदर्शन किया और चार शानदार जीत दर्ज करते हुए फाइनल तक का सफर तय किया। टीम ने अपने अभियान की शुरुआत बांग्लादेश के खिलाफ छह विकेट से जीत के साथ की, इसके बाद चिरप्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को भी छह विकेट से हराया। फिर न्यूजीलैंड के खिलाफ 44 रन से जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में जगह बनाई और वहां ऑस्ट्रेलिया को चार विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश किया।

बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी ने कहा, लगातार दो आईसीसी ट्रॉफी जीतना विशेष उपलब्धि है और यह पुरस्कार टीम इंडिया की समर्पण भावना और वैश्विक मंच पर उत्कृष्टता को दर्शाता है। यह केवल खिलाड़ियों की मेहनत का ही नहीं बल्कि उन सभी का सम्मान है, जो पर्दे के पीछे काम करते हैं। यह हमारी दूसरी आईसीसी ट्रॉफी है, इससे पहले हमने आईसीसी अंडर-19 महिला विश्व कप भी जीता था, जो हमारे देश में मजबूत क्रिकेटिंग ढांचे को दर्शाता है।

बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने कहा, बीसीसीआई को अपने खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ को यह पुरस्कार देने पर गर्व है। यह जीत भारतीय क्रिकेट की सफेदी गेंद प्रारूप में शीर्ष रैंकिंग को उचित ठहराती है। खिलाड़ियों की प्रतिबद्धता और समर्पण ने नए मानदंड स्थापित किए हैं, और हमें विश्वास है कि भारतीय क्रिकेट आने वाले वर्षों में भी नई ऊंचाइयों को छूता रहेगा।

बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा, यह नकद पुरस्कार उन शानदार प्रदर्शन को सलाम है, जो टीम ने पूरे टूर्नामेंट में किए। खिलाड़ियों ने दबाव की परिस्थितियों में जबरदस्त संयम दिखाया और उनकी सफलता देशभर के युवा क्रिकेटरों के लिए प्रेरणा है। एक बार फिर टीम इंडिया ने दिखाया कि भारतीय क्रिकेट प्रतिभा, मानसिक दृढ़ता और विजयी मानसिकता की मजबूत नींव पर टिका है।

बीसीसीआई के कोषाध्यक्ष प्रभतेज भाटिया ने कहा, बीसीसीआई खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ की मेहनत और समर्पण को पहचानने में गर्व महसूस करता है। यह नकद पुरस्कार भारतीय क्रिकेट में उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हम भारतीय क्रिकेट को विश्व मंच पर और मजबूत करने के लिए सर्वोत्तम संसाधन और बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराते रहेंगे। यह जीत हमारे क्रिकेट सिस्टम की मजबूती और हर स्तर पर उपलब्ध प्रतिभा को दर्शाती है।

ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्रेस हैरिस ने सरे के साथ किया करार, महिला विटालिटी ब्लास्ट में खेलेंगी

नई दिल्ली,20 मार्च (एजेंसियां) ।

ऑस्ट्रेलिया की अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर ग्रेस हैरिस ने इंग्लैंड में होने वाले उद्घाटन महिला विटालिटी ब्लास्ट के लिए सरे के साथ करार किया है। 62 बार अपनी राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व कर चुकीं हैरिस, सरे महिला टीम की पहली विदेशी खिलाड़ी बनी हैं। यह इंग्लैंड और वेल्स में महिला काउंटी क्रिकेट के नए पेशेवर युग में किसी भी टीम की पहली अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी का करार भी है।

महिला विटालिटी ब्लास्ट 2025 पहली बार पुरुष और महिला दोनों काउंटियों को एक साथ पेश करेगा। हैरिस सरे की ओर से 5 जून को हैंपशायर हॉक्स के खिलाफ द किआ ओवल में अपना पहला मैच खेलेंगी, जो पुरुषों की टीम के मुकाबले के साथ डबल-हेडर होगा।

विस्फोटक बल्लेबाजी और ऑफ स्पिन में माहिर हैं हैरिस

ग्रेस हैरिस अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और चतुराई भरी ऑफ स्पिन गेंदबाजी के लिए जानी जाती हैं। वे दुनिया भर की कई फ्रेंचाइज़ी लीग्स में खेल चुकी हैं। उन्होंने अपने घरेलू क्लब ब्रिसबेन हीट के लिए महिला बिग बैश लीग में शानदार प्रदर्शन किया है। हाल ही में, उन्होंने विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में यूपी वॉरियर्ज के लिए संयुक्त रूप से सर्वाधिक रन बनाए थे। इसके अलावा, वह द हंड्रेड में लंदन स्पिरिट का भी हिस्सा हैं।

हैरिस ने हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व किया था, जिसमें उनकी टीम ने इंग्लैंड को 16-0 से हराया था। ग्रेस हैरिस ने अपनी नई टीम के साथ जुड़ने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने

कहा, मैं सरे टीम के साथ किआ ओवल में खेलने के लिए उत्साहित हूं। क्लब ने महिला क्रिकेट को लेकर मजबूत प्रतिबद्धता दिखाई है और टीम ने पूरे सर्दियों में कड़ी तैयारी की है। मैं इस टीम के लिए अपना योगदान देने और इस मौके का पूरा फायदा उठाने के लिए तैयार हूं।

सरे की डायरेक्टर ऑफ विमेंस क्रिकेट, एम्मा कैल्वर्ट ने कहा, हम बेहद रोमांचित हैं कि ग्रेस हमारी नव-व्यावसायिक सरे महिला टीम की पहली विदेशी खिलाड़ी बनी हैं। उनके पास अंतरराष्ट्रीय और फ्रेंचाइज़ी क्रिकेट का बेहतरीन अनुभव है, जो हमारी टीम के लिए मैदान के अंदर और बाहर दोनों जगह फायदेमंद होगा। वह उसी शैली की क्रिकेट खेलती हैं, जिसे हम अपनाना चाहते हैं और हम उन्हें तीन पंखों के साथ मैदान में देखने के लिए उत्सुक हैं।

27 जुलाई को होगा महिला विटालिटी ब्लास्ट का फाइनल

महिला टीम महिला विटालिटी ब्लास्ट के शीर्ष स्तर की आठ टीमों में शामिल होगी। ये सभी टीमें होम और अवे फॉर्मेट में 14 ग्रुप स्टेज मुकाबले खेलेंगी। शीर्ष तीन टीमें 27 जुलाई को किआ ओवल में होने वाले फाइनल्स डे में जगह बनाएंगी।

मियामी ओपन टेनिस

मियामी ओपन टेनिस में ऑस्ट्रेलिया के निक किरग्योस फोरहैंड शॉट लगाते हुए।

छेत्री की शानदार वापसी, भारत ने मालदीव को हराकर 489 दिनों बाद जीता फुटबॉल मैच

नई दिल्ली,20 मार्च (एजेंसियां) ।

भारत ने बुधवार को शिलांग के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेले गए फीफा इंटरनेशनल फ्रेंडली मैच में मालदीव को 3-0 से हराकर 15 महीने के अंतरराष्ट्रीय जीत के सूखे को समाप्त कर दिया। यह जीत नए स्पेनिश कोच मैनोलो मार्केज़ के नेतृत्व में भारत की पहली अंतरराष्ट्रीय जीत भी रही।

सीनियर डिफेंडर राहुल भेके (34) और प्लेयर ऑफ द मैच लिस्टन कोलासो (66) ने भारत के लिए बेहतरीन हेडर के जरिए गोल किए। हालांकि, सबसे बड़ा जश्न कप्तान सुनील छेत्री के लिए मनाया गया, जिन्होंने 76वें मिनट में कोलासो के बाएं फ्लैंक से आए क्रॉस को शानदार हेडर के जरिए नेट में डालकर अपना 95वां अंतरराष्ट्रीय गोल पूरा किया।

286 दिनों बाद छेत्री की वापसी, दर्शकों में दिखा उत्साह

यह मुकाबला शिलांग के जेएन स्टेडियम में पहली बार किसी सीनियर पुरुष अंतरराष्ट्रीय मैच की मेजबानी कर रहा था, और स्टेडियम में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। भारत के दिग्गज स्ट्राइकर सुनील छेत्री ने 286 दिनों बाद टीम में वापसी की और अपना 152वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेला।

मैच की शुरुआत से ही लिस्टन कोलासो, नाओरेम महेश सिंह और ब्रैंडन फर्नांडिस ने आक्रामक खेल दिखाया और मालदीव की रक्षा पंक्ति को चुनौती दी, लेकिन पहला गोल करने में टीम को समय लगा।

भेके और कोलासो के गोल से भारत को बढ़त मिली

34वें मिनट में ब्रैंडन फर्नांडिस के कॉर्नर पर राहुल भेके ने दमदार हेडर मारते हुए भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद, भारत ने मालदीव को पूरी तरह दबाव में डाल दिया और दूसरे हाफ में कई मौके बनाए। 66वें मिनट में महेश सिंह के कॉर्नर पर लिस्टन कोलासो ने शानदार हेडर के साथ अपना पहला अंतरराष्ट्रीय गोल किया और स्कोर 2-0 कर दिया।

छेत्री ने शानदार गोल कर किया जीत पक्की

भारत के लिए अंतिम गोल 76वें मिनट में आया, जब सुनील छेत्री ने कोलासो के क्रॉस को हेडर के जरिए गोल में तब्दील कर दिया। 82वें मिनट में मैनोलो मार्केज़ ने छेत्री को सब्स्टीट्यूट कर इरफान यादवाड को मैदान पर भेजा। छेत्री जब मैदान से बाहर गए तो उन्हें दर्शकों से जबरदस्त सम्मान मिला। इस जीत के साथ भारत का आत्मविश्वास बढ़ा है और अब टीम 25 मार्च को इसी मैदान पर एएफसी एशियन कप 2027 क्वालिफायर्स में बांग्लादेश का सामना करेगी।

न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने वानखेड़े स्टेडियम में खेला क्रिकेट

मुंबई,20 मार्च (एजेंसियां) ।

न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने गुरुवार को मुंबई के ऐतिहासिक वानखेड़े स्टेडियम में कीवी स्पिनर एजाज पटेल, पूर्व बल्लेबाज रॉस टेलर और तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट के साथ क्रिकेट खेला। इस दौरान उन्होंने भारत और न्यूजीलैंड के बीच क्रिकेट संबंधों पर चर्चा की, जिनमें कई ऐतिहासिक लम्हे और रिकॉर्ड शामिल हैं।

लक्सन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिनमें वह वानखेड़े स्टेडियम में मौजूद नजर आ रहे हैं। इस दौरान न्यूजीलैंड के खिलाड़ी ट्रेंट बोल्ट, मिचेल सैंटनर और बेवन जैकब्स, मुंबई इंडियंस के लिए इंडियन प्रीमियर लीग के उद्घाटन मैच की तैयारी कर रहे थे। मुंबई इंडियंस 23 मार्च को चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ अपना पहला मुकाबला खेलेगी। लक्सन ने मजाकिया अंदाज में याद किया कि 2021 में इसी मैदान पर एजाज पटेल ने भारत के खिलाफ एक टेस्ट पारी में सभी 10 विकेट लेकर इतिहास रचा था, लेकिन वे खुद उन्हें आउट नहीं कर सके। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, भारत और न्यूजीलैंड को क्रिकेट से ज्यादा कुछ और नहीं जोड़ता। यहीं, वानखेड़े स्टेडियम में, एजाज पटेल ने टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में तीसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था। बस रिकॉर्ड के लिए बता दूं, उन्होंने मुझे आउट नहीं किया। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) के अध्यक्ष अजिंक्य नाइक ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष के रूप में, न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन का ऐतिहासिक वानखेड़े स्टेडियम में स्वागत करना मेरे लिए सम्मान की बात थी। इस दौरान हमने उन्हें मुंबई क्रिकेट की समृद्ध विरासत से अवगत कराया, जिसमें वानखेड़े स्टेडियम की भूमिका, महान भारतीय क्रिकेटरों का योगदान और 2011 विश्व कप जीत जैसी ऐतिहासिक उपलब्धियां शामिल हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच गहरे क्रिकेट संबंधों को देखते हुए, यह गर्व का क्षण था कि हम मुंबई क्रिकेट की प्रतिभा और जुनून को दिखा सके।

दिल्ली के आधिकारिक दौरे के दौरान प्रधानमंत्री लक्सन ने क्रिकेट से जुड़ा एक दिलचस्प क्षण साझा किया। उन्होंने पूर्व कीवी क्रिकेटर रॉस टेलर के साथ स्थानीय बच्चों के साथ क्रिकेट खेला, जिससे दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूती मिली।

लक्सन ने सोशल मीडिया पर ट्वीट किया, भारत और न्यूजीलैंड को क्रिकेट से ज्यादा कुछ और नहीं जोड़ता, जिससे दोनों देशों के बीच क्रिकेट के प्रति साझा प्रेम और गहरे संबंधों का पता चलता है।

हाल ही में भारत और न्यूजीलैंड दुबई में खेले गए आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल में आमने-सामने थे, जहां भारतीय टीम ने कीवियों को हराकर खिताब जीता। हालांकि, इससे पहले न्यूजीलैंड ने भारत की घरेलू टेस्ट जीत की लय को तोड़ते हुए पिछले साल टेस्ट सीरीज में जीत हासिल की थी।

सोने ने बनाया नया रिकॉर्ड, चांदी भी चमकी

सोने का भाव 89,796 रुपये, चांदी फिर 1 लाख के पार

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। सोने के भाव आए दिन नया रिकॉर्ड बना रहे हैं। घरेलू और वैश्विक दोनों बाजार में गुरुवार को फिर सोने के वायदा भाव ने नया रिकॉर्ड बना लिया। घरेलू बाजार में इसके वायदा भाव 89,796 रुपये पर और वैश्विक बाजार में 3065.20 डॉलर के भाव पर ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए।

चांदी की वायदा कीमतों में भी तेजी देखी जा रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रेक्ट 858 रुपये की तेजी के साथ 89,460 रुपये भाव पर खुला।

पिछला बंद भाव 88,602 रुपये था। इस समय यह 327 रुपये की तेजी के साथ 88,829 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 89,796 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 88,914 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया।

सोने के वायदा भाव ने 89,796 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 575 रुपये की तेजी के साथ 1,00499 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 99,924 रुपये था। इस समय यह 572 रुपये की तेजी के साथ 1,00496 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,00651 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,00440 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। चांदी के वायदा भाव ने पिछले सप्ताह 1,01,999 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 3,058 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,041.20 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 16.50 डॉलर की तेजी के साथ 3,057.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। इसके भाव वायदा और हाजिर दोनों मार्केट में ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए थे। इस समय इसने वायदा में 3065.20 और हाजिर में 3055 डॉलर के भाव पर उच्चतम स्तर छू लिया। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 34.42 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 34.20 डॉलर था। इस समय यह 0.25 डॉलर की तेजी के साथ 34.45 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

न्यूज़ ब्रीफ

गोल्ड ईटीएफ में बढ़ रही निवेशकों की रुचि, हुआ रिकॉर्ड निवेश

नई दिल्ली। सोने की कीमतों में लगातार तेजी के दौरान गोल्ड एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में निवेशकों की दिलचस्पी देखी जा रही है। 14 मार्च 2025 को समाप्त सप्ताह में ग्लोबल गोल्ड ईटीएफ में 3.1 बिलियन डॉलर का नेट इनफ्लो दर्ज किया गया। यह लगातार सातवां हफ्ता था जब गोल्ड ईटीएफ में निवेश का प्रवाह बना रहा। नफ्लो की इस तेजी से गोल्ड ईटीएफ का एसेट अंडर मैनेजमेंट रिकॉर्ड 325.2 बिलियन डॉलर पर पहुंच गया। कुल गोल्ड होल्डिंग 3,394 टन दर्ज की गई, जो जुलाई 2023 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। अमेरिका में बीते हफ्ते अमेरिकी गोल्ड फंड्स में 2.1 बिलियन डॉलर का इनफ्लो देखा गया। यूरोप में 0.7 बिलियन डॉलर का निवेश आया। एशियाई बाजारों में भी निवेशकों की दिलचस्पी दिखी, जहां 0.2 बिलियन डॉलर का इनफ्लो दर्ज किया गया। एशिया में चीन सबसे आगे रहा, जहां गोल्ड ईटीएफ में 153.1 मिलियन डॉलर का निवेश आया। इस महीने अब तक गोल्ड ईटीएफ में कुल 3.5 बिलियन डॉलरका निवेश आ चुका है। अगर महीने के दूसरे हिस्से में कोई बड़ी निकासी नहीं होती, तो मार्च लगातार चौथा महीना होगा जब गोल्ड ईटीएफ में नेट इनफ्लो देखा गया। विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और संभावित ट्रेड वॉर की आशंका के चलते गोल्ड को सेफ-हेवन एसेट के रूप में अपनाया जा रहा है। निवेशक अपने पोर्टफोलियो को सुरक्षित करने के लिए गोल्ड ईटीएफ का रुख कर रहे हैं।

रेनॉल्ट इंडिया अप्रैल से कीमतों में वृद्धि करेगी

नई दिल्ली। वाहन विनिर्माता रेनॉल्ट इंडिया ने अप्रैल से अपने सभी मॉडल की कीमतों में दो प्रतिशत तक की वृद्धि करने की घोषणा की है। यह वृद्धि विभिन्न संस्करण और मॉडल के लिए अलग-अलग होगी। प्रबंधक निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने इस निर्णय की जिम्मेदारी ली है और कहा कि कच्चे माल की लागत में वृद्धि के कारण मूल्यों में इस बढ़ोतरी को आवश्यक महसूस किया गया है। इस पहली मूल्य वृद्धि के बाद रेनॉल्ट इंडिया ने मारुति सुजुकी, हुंदई, टाटा मोटर्स, किआ इंडिया और होंडा कार्स के साथ एक लंबा सूचीबद्ध वाहन निर्माताओं के पंजे को भी जोड़ दिया है। यह निर्माताएं भी मई महीने से वाहनों की कीमतें बढ़ाने की योजना बना रही हैं। कंपनी का निर्णय उन्हें कठिनाई में डाल सकता है, लेकिन उन्होंने यह कदम अपने उच्च गुणवत्ता वाहनों की सपोर्ट सेवाएं और नवाचार से अपना रेंज बनाए रखने के लिए उठाया है। इस निर्णय के परिणामस्वरूप, ग्राहकों को वाहन की खरीद पर अब अधिक खर्च करना पड़ सकता है। हालांकि, सतर्क रहना और विभिन्न ऑप्शन की तुलना करना महत्वपूर्ण होगा।

इरेडा सतत बॉण्ड के जरिये 1,247 करोड़ जुटाएगी

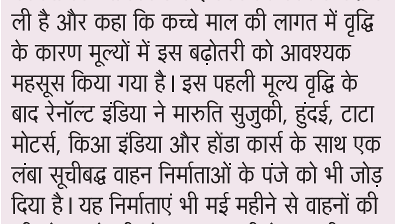

नई दिल्ली। भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी लिमिटेड (इरेडा) ने भारत के हरित ऊर्जा बुनियादी ढांचे के विस्तार को समर्थन करने के लिए 1,247 करोड़ रुपये जुटाने के लिए अपना पहला सतत बॉण्ड जारी किया है। इस बॉण्ड को 8.40 प्रतिशत की वार्षिक कूपन दर पर जारी किया गया है। इसका उद्देश्य है हमारे पूंजी आधार को मजबूत करके नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए वित्तपोषण बढ़ाना। इरेडा के चेयरमैन ने कहा कि स्थायी बॉण्ड के माध्यम से वे स्वच्छ और अधिक टिकाऊ भविष्य की ओर कदम बढ़ा सकेंगे। इस बीच, इरेडा को आयकर विभाग से 24.48 करोड़ रुपये का पुनर्भुगतान प्राप्त हुआ है, जो कुछ अस्वीकृतियों से संबंधित आंशिक राहत के लिए दिया गया है। यह बॉण्ड इरेडा के ऊर्जा परियोजनाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करके भारतीय हरित ऊर्जा क्षेत्र को और भी मजबूत बनाने में मदद करेगा। यह कदम एक सुधारात्मक परिवर्तन का प्रतीक है जो हमारे देश के समृद्धि और स्वच्छता के लिए महत्वपूर्ण है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

भारत की...

सवाल उठाए गए, तो जाहिर है कि प्रतिक्रिया तेज और हिंसक होनी थी। समग्र उद्देश्य पीड़ित कार्ड खेलना और सुधार प्रक्रिया को पटरी से उतारना प्रतीत होता है। मुस्लिम समुदाय के सामने एक प्रमुख मुद्दा वक्फ बोर्ड की नीति की समीक्षा है। इसलिए, पिछले साल नवंबर में संभल में और अब नागपुर में इस तरह की सांप्रदायिक हिंसा को भड़काना भारत में अशांति फैलाने के लिए एक बड़े गेम प्लान का हिस्सा है। कानून और व्यवस्था राज्य पुलिस की जिम्मेदारी है, जिसे अर्धसैनिक बलों और रैपिड एक्शन फोर्स जैसे अन्य वर्दीधारी बलों द्वारा सहायता प्रदान की जाती है। पुलिस बलों के पास संख्याबल की अपनी कमी है। पुलिस ज्यादातर बहुत सारे कार्यों में प्रतिबद्ध हैं जिन्हें पुलिसिंग नहीं कहा जा सकता। पुलिस कर्मियों का एक बड़ा हिस्सा इवेंट मैनेजमेंट और वीआईपी सुरक्षा ड्यूटी में तैनात है। कानून और व्यवस्था की नई उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए पुलिस बलों को नियमित रूप से प्रशिक्षित भी नहीं किया जाता है।सांप्रदायिक हिंसा और दंगे पुलिस की जिम्मेवारी में सबसे कठिन काम हैं। इसलिए कभी-कभी अंतिम उपाय के रूप में नागरिक प्रशासन द्वारा कानून और व्यवस्था बहाल करने के लिए सेना की मांग की जाती है। कई बार पुलिस स्थिति को संभाल नहीं पाती है। अधिकांश सांप्रदायिक हिंसा में मुख्य समस्या कार्रवाई योग्य खुफिया जानकारी और पूर्व जानकारी का अभाव होता है। मौजूदा खुफिया तंत्र सांप्रदायिक तनाव और हिंसा को अंजाम देने के लिए हो रही तैयारी का पता लगाने में अक्सर विफल रहता है।दूसरी ओर मुसलमानों में लाठियों, पेट्रोल बम और पत्थरों से लैस गुस्साई भीड़ जुटाने की प्रवृत्ति काफी बढ़ी है। मोबाइल फोन और सोशल मीडिया इसमें ट्रिगर का काम करते हैं। हिंसक कृत्य से पहले भीड़ के पास कुछ प्रशिक्षण और ब्रीफिंग रहती है। भीड़ में कुछ स्वयंभू नेता होते हैं जो चुने हुए इलाकों में हिंसा फैलाने के लिए भीड़ को उत्तेजित करते हैं। वे अपनी पहचान छिपाने के लिए मास्क का उपयोग करते हैं और अब सबूत नष्ट करने के लिए सीसीटीवी कैमरे भी तोड़ रहे हैं। निजी टीवी चैनल सुनिश्चित टीआरपी के लिए हिंसा का और महिमामंडन करते हैं। सुनियोजित सांप्रदायिक हिंसा को बढ़ावा देने वाले कई प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कारण हैं। दूसरी ओर पुलिस आत्म-सुरक्षा में ठीक से सुसज्जित नहीं है। ऐसे दंगों में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों का घायल होना आश्चर्यजनक नहीं है। नागपुर में पुलिस ने गुस्साई भीड़ का खामियाजा अपने ऊपर उठाया और जबरदस्त संयम का परिचय दिया। आम तौर पर, ऐसी स्थिति के परिणामस्वरूप भीड़ को काबू करने के लिए पुलिस को गोली चलानी पड़ती। लेकिन इस तरह के संयम को कमजोरी माना जा सकता है और जहां आवश्यक हो, पुलिस को सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। इसी तरह, हाल ही में बिहार में पुलिसकर्मियों की हत्या और घायल होने की घटना को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। भारत के आकार, विविधता और जनसंख्या वाले देश में कानून और व्यवस्था की समस्याएं अपरिहार्य हैं। हां, त्वरित पुलिस कार्रवाई से ज्यादातर मामलों में दंगों को रोका और नियंत्रित किया जा सकता है। जटिल कानून और व्यवस्था की स्थितियों से निपटने के लिए पुलिस को मजबूत, सुसज्जित और प्रशिक्षित करना होगा। उन्हें बेहतर नेतृत्व की जरूरत है जो सामने से नेतृत्व करे और जिम्मेदारी ले। आसूचना तंत्र में बडे. पैमाने पर फेरबदल करने और विफलता की स्थिति में जिम्मेदारी निर्धारित करने की आवश्यकता है। पुलिस को भी जनता के हित में बल के रूप में जनता का विश्वास फिर से हासिल करना होगा। एक आम आदमी को अपनी चिंताओं और किसी भी जानकारी को साझा करने के लिए पुलिस से संपर्क करने में आत्मविश्वास महसूस करना चाहिए। साथ ही, पुलिस को अपने दृष्टिकोण में और अधिक पेशेवर बनना होगा। लेकिन नागरिकों को सुरक्षा के प्रति और अधिक सचेत रहना होगा। आपके पड़ोस में जो हो रहा है उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। इस प्रकार, आंख और कान खुले रखना सुरक्षा की सबसे अच्छी गारंटी है।शांति बनाए रखने की जिम्मेदारी राजनीतिक और धार्मिक नेतृत्व की भी है। मतभेद की स्थिति में संचार चैनल हमेशा खुले रहने चाहिए। इस संबंध में, होली के त्यौहार के दिन शुक्रवार की नमाज का समय बदलना एक-दूसरे की भावनाओं को समायोजित करने का एक अच्छा उदाहरण है। भारत एक अधिक आत्मविश्वास वाले राष्ट्र के रूप में विकसित हो रहा है। भारत विकास, लोकतंत्र, विश्वास और आध्यात्मिकता में अधिक दृढ़ हो रहा है। महाकुंभ 2025 एक नए और पुनरुत्थानशील भारत का जीता-जागता उदाहरण है। सांप्रदायिक हिंसा का सभ्य समाज में कोई स्थान नहीं है। यह भाव हिंदुओं के साथ-साथ मुसलमानों में भी होना चाहिए। मुसलमानों को भी समझना चाहिए कि वे भी सभ्य समाज का हिस्सा हो सकते हैं।

आंदोलन के...

किसानों और केंद्र की लगातार बैठकों से एमएसपी की कानूनी गारंटी सहित अन्य मांगों पर कोई हल नहीं निकल पा रहा था। सरकार को आशंका थी कि यदि इस बार भी सहमति नहीं बनी तो आंदोलन और लंबा खिंच जाएगा। किसानों के 13 माह से चल रहे पक्के मोर्चे के कारण प्रदेश के व्यापार और अन्य कामकाज पर काफी असर पड़ रहा था। किसान आंदोलन का इस तरह से अंत राजनीतिक दलों के साथ-साथ खुद किसान संगठनों के लिए एक सबक है। राजनीतिक दलों के लिए सबक है कि विपक्ष में रहते हुए कोई दल किसी आंदोलन के नाम पर हुल्लड़बाजी और कुछ लोगों की जिद को हल्लाशेरी देता है तो एक न एक दिन उसे भी इन लोगों से दो चार होना पड़ सकता है। जैसा कि सभी जानते हैं कि दिल्ली सीमा पर साल से अधिक चली आंदोलनजीवियों की हुल्लड़बाजी को आम आदमी पार्टी ने हर तरह से समर्थन दिया। यहां के प्रदर्शनकारियों को राजनीतिक समर्थन के साथ-साथ भीड़ और संसाधन जुटाने तक का काम किया गया। लेकिन जब पंजाब में यही पार्टी सत्ता में आई तो इन्हीं दलों के गुस्से का इस पार्टी को भी शिकार होना पड़ा और वहीं परेशानियां झेलनी पड़ीं जो दिल्ली की सीमा पर चले आंदोलन के दौरान देश की जनता को झेलनी पड़ी थीं। दिल्ली आंदोलन की तरह शंभू बॉर्डर के आंदोलन ने भी देश की अर्थव्यवस्था पर बुरा प्रभाव डाला और आसपास रहने वाले लोगों का जीवन नरक बना दिया। और अब थक हार कर आम आदमी पार्टी को उन्हीं आंदोलनजीवियों के खिलाफ कार्रवाई करनी पड़ी जिनकी वह हिमायती होने का दिखावा करती रही।

आंदोलन का ऐसा हश्र खुद किसान संगठनों के लिए भी कड़वा सबक है। सर्वोच्च न्यायालय कई बार स्पष्ट कर चुका है कि प्रदर्शन करने की स्वतंत्रता का अर्थ यह नहीं कि आम लोगों का जनजीवन ही रोक दिया जाए। असल में किसान संगठन आंदोलन कम करते हैं और अपनी जिद अधिक चलाते हैं। आए दिन के धरने प्रदर्शन, सडक़ों-रेल गाडिय़ों को पहिए रोक देना, आम लोगों को परेशान करना कहां तक उचित है। किसान संगठनों की इन्हीं हरकतों के कारण यह संगठन जनता में बड़ी तेजी से सहानुभूति खो रहे हैं। आम लोग जिन किसानों को अन्नदाता कहते रहे अब उनमें किसानों को लेकर प्रचलित धारना कम हो रही है और वे किसान संगठनों का अर्थ हुल्लड़बाजों के रूप में लेने लगे हैं। किसान संगठनों के लिए एक और सबक है कि अपनी व्यवहारिक या अव्यवहारिक जिद्द को लम्बे समय तक मांगों का शीर्षक नहीं दिया जा सकता। लोकतंत्र में किसी वर्ग का भला करने या न करने का अधिकार देश की जनता अपने प्रतिनिधियों को देती है ना कि आंदोलनकारियों को। और यह आवश्यक भी नहीं है कि आंदोलन के दौरान जो-जो मांगें उठाई जा रही हैं वे सभी उचित हों।किसान नेता तेजवीर सिंह के अनुसार, हिरासत में लिए गए किसानों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनए-सएस) की धारा 126 और 170 के तहत केस दर्ज किया गया है। धारा 126 के तहत किसी व्यक्ति को जबरन किसी स्थान पर जाने से रोकना दंडनीय अपराध है, जबकि धारा 170 पुलिस को ऐसे व्यक्तियों को बिना वारंट गिरफ्तार करने की अनुमति देती है, जिन पर संज्ञेय अपराध की योजना बनाने का संदेह हो।

सौंदर्य प्रतियोगिता...

गुलाबी साड़ी में फोटो खिंचवाईं। इस पोस्ट में क्रिस्टीना ने लिखा, यदागिरी गुट्टा मंदिर में आने से मुझे खुशी और शांति मिली। और यह सिर्फ शुरुआत है। मैं तेलंगाना और इसके छिपे हुए खजाने को देखने का इंतजार नहीं कर सकती। उल्लेखनीय है कि इस बार भारत की तरफ से मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता में निकिता पोरवाल हिस्सा ले रही हैं, जो 2024 के फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड कॉन्टेस्ट में जीती थीं।तेलंगाना में मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता के आयोजन पर बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव (केटीआर) ने सबसे पहले मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार की आलोचना की। उन्होंने तेलंगाना सरकार पर एक ब्यूटी पेजेंट के लिए 200 करोड़ रुपए आवंटित करने के फैसले पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पेंशन के भुगतान, सरकारी कर्मियों की तनख्वाह, कल्याणकारी योजनाओं के लिए वित्तीय प्रबंधन में लगातार देरी हो रही है और जनता के पैसे को ब्यूटी कॉन्टेस्ट में लगाया जा रहा है। केटीआर ने कहा, कांग्रेस सरकार हमें यह मनवाना चाहती है कि तेलंगाना में सब कुछ ठीक है। जबकि ऐसा नहीं है। केटीआर ने तेलंगाना सरकार पर पाखंड करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता की तुलना अपनी सरकार के दौरान कराई गई फॉर्मूला-ई रेस से की, जिसका वैश्विक मोटर स्पोर्ट इवेंट के तौर पर प्रचारित किया गया था। कांग्रेस ने बाद में इस रेस के आयोजन में ज्यादा वित्तीय खर्च का हवाला देते हुए इसे रद्द कर दिया था। केटीआर ने कहा, अगर फॉर्मूला-ई रेस को पैसों की बर्बादी कहा गया, तो अब एक ब्यूटी कॉन्टेस्ट पर उसके मुकाबले चार गुना खर्च कैसे न्यायसंगत हो गया? हैदराबाद में ई-रेस के लिए 46 करोड़ रुपए खर्च करना गलत था और इसके चलते मुझ पर केस दर्ज किए जा रहे हैं। लेकिन मिस वर्ल्ड के लिए 200 करोड़ खर्च करना ठीक है। यह कैसा भ्रष्ट तर्क है? गौरतलब है कि फॉर्मूला-ई रेस को लेकर केटीआर पर कांग्रेस सरकार ने जांच बिठा रखी है। उनके खिलाफ आर्थिक अनियमितता के आरोप में भ्रष्टाचार रोधी ब्यूरो (एसीबी) की जांच चल रही है। केटी रामा राव ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को चुनौती देते हुए इस पर जवाब मांगा।बीआरएस लगातार राज्य की कांग्रेस सरकार को वित्तीय योजनाओं के मसले पर घेर रही है। विपक्ष का आरोप है कि कांग्रेस ने 2023 के चुनावी अभियान के दौरान वादे किए थे, वह उन्हें पूरा नहीं कर पा रही है। फिर चाहे वह किसानों की कर्ज माफी का वादा हो या लोक कल्याण से जुड़ी योजनाएं। बीआरएस का कहना है कि कांग्रेस सरकार उन कार्यक्रमों को बढ़ावा दे रही है, जिससे लोगों को सीधे तौर पर कोई फायदा नहीं होता। इसी मंगलवार को जब तेलंगाना विधानसभा में बजट पेश किया गया, तब बीआरएस के सांसदों ने प्रदर्शन किया था। इस दौरान कुछ सांसद सूखी हुई फसलें लेकर सदन में पहुंचे थे और उन्होंने इसे कांग्रेस-निर्मित सूखा करार दिया था। बीआरएस ने मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता के आयोजन का भी विरोध किया था और परेशान किसानों को 25 हजार रुपए प्रति एकड़ के हिसाब से मुआवजा देने की मांग उठाई थी।बीआरएस के इन आरोपों पर तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने पलटवार किया। उन्होंने मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता आयोजित करने का बचाव करते हुए राज्य के पूर्व सीएम और बीआरएस नेता के चंद्रशेखर राव (केसीआर) पर तेलंगाना को दिवालिया करने का आरोप लगाया। रेड्डी ने कहा कि बीआरएस की पूर्व सरकार की वजह से कांग्रेस सरकार को हर महीने कर्ज पर सिर्फ ब्याज के तौर पर 1.53 लाख करोड़ रुपए चुकाने होते हैं। सीएम ने कहा कि अगर इतनी बड़ी रकम बचा ली जाती तो सरकार सबके लिए घर बना सकती थी। किसानों के साथ 70 लाख और लोगों के कर्ज माफ किए जा सकते थे।

लालू यादव...

राबड़ी देवी के नाम जमीन रजिस्ट्री होने के बाद संजय राय और उसके परिवार के दो सदस्य को रेलवे में नौकरी मिली, ऐसा क्यों? जमीन रजिस्ट्री के बाद ही किरण देवी के बेटे अभिषेक कुमार को सेंट्रल रेलवे मुंबई में नौकरी मिली, ऐसा क्यों? किरण देवी ने अपनी 80 हजार 905 वर्ग फीट जमीन तीन लाख सत्तर हजार में आख़िर आपकी बेटी मीसा भारती को ही क्यों दी?

इस बीच, लालू प्रसाद के छोटे बेटे तेजस्वी यादव ने ईडी की पूछताछ पर मीडिया से कहा कि जितना अधिक हमें परेशान किया जाएगा, हम उतने ही मजबूत होते जाएंगे। बेशक, यह मामला राजनीति से प्रेरित है। अगर मैं राजनीति में नहीं होता तो मुझे इसमें घसीटा नहीं जाता। मैंने दिल्ली विधानसभा चुनाव के बाद भविष्यवाणी की थी कि अब एजेंसियां बिहार की ओर अपना रुख करेंगी। उधर तेजस्वी यादव के बयान पर पलटवार करते हुए जद (यू) एमएलसी और प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि लालू प्रसाद ने जो बोया है, वही काट रहे हैं। बिहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री के रूप में वे चारा घोटाले में शामिल थे। उन्हें अदालत ने दोषी ठहराया है और वे चुनाव लड़ने के अयोग्य हैं। राजनीतिक प्रतिशोध का आरोप फर्जी है। चारा घोटाले में सीबीआई का आरोप-पत्र इंद्र कुमार गुजराल के प्रधानमंत्रित्व काल में दायर किया गया था, जिनके साथ राजद सुप्रीमो के बेहतरीन संबंध थे। उन्होंने कहा कि नौकरी के लिए जमीन घोटाला उस समय का है, जब राजद सुप्रीमो कांग्रेस के नेतृत्व वाली संप्रग सरकार के पहले कार्यकाल में रेल मंत्री थे।

मास्टरमाइंड फहीम...

बताया कि नागपुर में फिर से हिंसा भड़काने के लिए बेहद खतरनाक और भड़काऊ पोस्ट प्रसारित करने के आरोप में फहीम खान सहित 6 लोगों के खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज किया गया है। बतौर डीसीपी मतानी फहीम खान समेत अन्य आरोपियों ने भड़काऊ टिप्पणियों के साथ दंगों के वीडियो वायरल करके हिंसा भड़काई। मतानी ने कहा कि 17 मार्च से अब तक फेसबुक, एक्स और यू-ट्यूब से करीब 230 पोस्ट की पहचान की गई है। इनमें से कुछ वीडियो भी शामिल हैं। इस मामले में 50 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और कुल 10 एफआईआर दर्ज की गई हैं। मतानी ने बताया कि दंगों के बाद फेसबुक, एक्स और यू-ट्यूब से दोनों तरफ प्रसारित 50 फीसदी पोस्ट हटा दी गईं। पोस्ट और वीडियो हटाने के लिए व्हाट्सएप और गूगल को पत्र लिखा गया है। बतौर मतानी फहीम खान ने अपना मोबाइल फोन गणेशपेठ पुलिस को दे दिया है। हम उसका मोबाइल फोन जब्त कर उसकी जांच करेंगे। इस मामले में बीएनएस की धारा 192, 196, 353 1(बी), 353 1(सी) के तहत मामला दर्ज किया गया है।दंगों के बाद स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने नागपुर के कोतवाली, गणेशपेठ, तहसील, लकड़गंज, पचपावली, शांति नगर, सक्करदरा, नंदनवन, इमामबाड़ा, यशोधरा नगर, कपिल नगर थाना क्षेत्रों में कर्फ्यू लगाया था। अब समीक्षा के बाद पुलिस आयुक्त ने नंदनवन और कपिल नगर थाना क्षेत्रों से कर्फ्यू पूरी तरह हटा लिया। लकड़गंज, पचपावली, शांति नगर, सक्करदरा, इमामबाड़ा और यशोधरा नगर ठाणे क्षेत्रों में दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे तक कर्फ्यू में ढील दी गई। इसके बाद कर्फ्यू फिर से लागू किया गया। कोतवाली, गणेशपेठ और तहसील क्षेत्र में अगले आदेश तक कर्फ्यू जारी रहेगा।नागपुर दंगा का बांग्लादेशी कनेक्शन सामने आया है। पुलिस को पता चला है कि बांग्लादेश के सोशल मीडिया अकाउंट नागपुर में मुस्लिमों को हिंसा करने के लिए भड़का रहे थे। पुलिस ने इस संबंध में जांच चालू कर दी है। पुलिस ने तमाम ऐसी पोस्ट भी हटाई हैं, जिनमें आपत्तिजनक सामग्री थी। इस बीच हिंसा के मामले में 84 लोग गिरफ्तार किए गए हैं। पुलिस को बांग्लादेश के कई ऐसे सोशल मीडिया अकाउंट मिले हैं, जिनसे हिंसा भड़काने की धमकियां दी गई थीं। अभी तक 97 सोशल मीडिया अकाउंट की पहचान की गई है। इनमें से ज़्यादातर पोस्ट बांग्लादेशी आईपी एड्रेस वाले कंप्यूटर से किए गए थे।ऐसे ही एक बांग्लादेशी आईपी एड्रेस से की गई पोस्ट में कहा गया था कि यह दंगा तो बस एक शुरुआत है। महाराष्ट्र साइबर सेल ने अफवाह फैलाने और हिंसा भड़काने के आरोप में 34 सोशल मीडिया अकाउंट के खिलाफ कार्रवाई की है। पुलिस अभी तक 10 एफआईआर दर्ज कर चुकी है। पुलिस ने 230 ऐसी पोस्ट सोशल मीडिया पर से हटाई हैं, जिनमें दंगा भड़काने वाली बातें लिखी हैं। नागपुर दंगे के बाद पुलिस अब धरपकड़ में भी लगी है। पुलिस ने अब तक 84 लोगों को गिरफ्तार किया है। हिंसा का मास्टरमाइंड फहीम शमीम खान भी गिरफ्तार हो गया है।गौरतलब है कि 17 मार्च को इस्लामी कट्टरपंथी भीड़ ने कुरान जलाने की अफवाह के नाम पर नागपुर में काफी उत्पात मचाया था। इस दौरान मुस्लिम भीड़ ने पुलिसवालों पर पथराव किया था। उनके पथराव में 30 से अधिक पुलिसकर्मी घायल हुए थे। मुस्लिमों ने एक महिला पुलिसकर्मी को भी दबोच कर उसके साथ छेड़छाड़ की थी और उनके कपड़े फाड़ने का प्रयास किया था। एक डीसीपी पर कुल्हाड़ी से हमला हुआ था, इसमें वह गंभीर रूप से घायल हुए थे। दंगे के दौरान हिन्दुओं की दुकानों और घरों को विशेष रूप से निशाना बनाया गया था। उनकी गाड़ियां भी जलाई गई थीं।

जाते जाते बांग्लादेश ...

बढ़ती छूट को उजागर किया। कट्टरपंथी समूहों के इस खतरनाक पुनरुत्थान ने राष्ट्रीय सुरक्षा और सरकार की प्राथमिकताओं को लेकर गंभीर चिंताएं खड़ी कर दी हैं। आग में घी डालते हुए अंतरिम सरकार ने अलकायदा से संबद्ध आतंकवादी समूह अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी) के नेता जशीमुद्दीन रहमानी को रिहा करने का विवादास्पद फैसला किया है। रहमानी, जो ब्लॉगर राजीब हैदर की हत्या के लिए कैद था और बांग्लादेश के आतंकवाद विरोधी कानूनों के तहत अतिरिक्त आरोपों का सामना कर रहा था, को गाजीपुर में काशिमपुर उच्च सुरक्षा केंद्रीय जेल से पैरोल पर रिहा किया गया था। इस कदम ने न केवल कई बांग्लादेशियों को चौंका दिया है, बल्कि पड़ोसी देशों, विशेष रूप से भारत में भी चिंताएं पैदा कर दी हैं, जहां एबीटी स्लीपर सेल के माध्यम से अपनी उपस्थिति मजबूत करने की कोशिश कर रहा है।इन चरमपंथी प्रदर्शनों और एक दोषी आतंकवादी नेता की रिहाई के सामने अंतरिम सरकार की कार्रवाई या उसकी कमी, इस्लामी चरमपंथ के बढ़ते ज्वार से निपटने की उसकी क्षमता और इच्छा पर संदेह पैदा करती है। आलोचकों का तर्क है कि ये घटनाक्रम आतंकवाद का मुकाबला करने और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के अभ्यास में की गई प्रगति पर एक खतरनाक पिछड़ापन दर्शाते हैं। तुलसी गबार्ड की चेतावनी बांग्लादेश के इस्लामीकरण में शामिल उच्च दांव की एक कठोर याद दिलाती है। एक वैश्विक खिलाफत का भूत अति-आलोचनात्मक लग सकता है, लेकिन जैसा कि इतिहास ने दिखाया है, एक बार बोए गए चरमपंथ के बीज जल्दी से जड़ पकड़ सकते हैं और फैल सकते हैं। कार्रवाई का समय अभी है, इससे पहले कि बहुत देर हो जाए।डीएनआई तुलसी गबार्ड द्वारा बांग्लादेश में इस्लामी जिहादी ताकतों के उदय और देश को खिलाफत के भाग्य की ओर धकेलने के बारे में कड़े शब्दों में चेतावनी दिए जाने के बाद, राजनीतिक नाटक के एक उच्च स्तर के साथ, मुहम्मद यूनुस के घबराए हुए शासन ने 5 अगस्त के जिहादी तख्तापलट के बाद से उनके प्रत्यक्ष संरक्षण में शरण लिए कुख्यात जिहादियों को गिरफ्तार करना शुरू कर दिया है। हालांकि ट्रंप से नफरत करने वाले यूनुस और उनके करीबी लोगों, जिनमें से कई कथित तौर पर हिज्ब-उत-तहरीर, हमास, अलकायदा और अन्य सहित कई कुख्यात जिहादी और आतंकवादी संगठनों से जुड़े हैं, के कार्यालय ने सार्वजनिक रूप से डीएनआई तुलसी गबार्ड का विरोध किया, क्योंकि वे वास्तव में ट्रंप प्रशासन की संभावित प्रतिक्रिया के बारे में चिंतित थे, जिसके परिणामस्वरूप दंडात्मक उपायों की एक श्रृंखला हो सकती है, जिसमें यूनुस और उनके साथियों को लक्षित करने वाले प्रतिबंध भी शामिल हैं।ऐसी जटिल सुरक्षा और राजनीतिक स्थिति के बीच, 18 मार्च को ब्रेकिंग न्यूज़ सामने आई कि रैपिड एक्शन बटालियन (आरएबी) ने ढाका के नारायणगंज में सिद्धिरगंज भूमि पल्ली आवासीय क्षेत्र से समूह के सरगना अताउल्लाह अबू अम्मार जुनूनी सहित अराकान रोहिंग्या साल्वेशन आर्मी (एआरएसए) के 10 सदस्यों को गिरफ्तार किया है, जबकि चार अन्य को 17 मार्च की रात को एक गुप्त बैठक करते हुए मयमनसिंह जिले में गिरफ्तार किया गया था। वे अराकान आर्मी पर जिहादी हमले की साजिश रच रहे थे और उन्हें पाकिस्तानी जासूसी एजेंसी इंटर-सर्विस इंटेलिजेंस (आईएसआई), फिलिस्तीनी हमास और अल कायदा सहित अन्य आतंकवादी समूहों से संरक्षण प्राप्त था माना जाता है कि अताउल्लाह अबू अम्मार जुनूनी ने रोहिंग्या नेता मुहिबुल्लाह की हत्या का आदेश दिया था। अताउल्लाह, एआरएसए का मुख्य कमांडर भी है और उसका नाम डीजीएफआई (डायरेक्टरेट जनरल फोर्सेज इंटेलिजेंस) के अधिकारी स्क्वाड्रन लीडर रिजवान रुश्दी की हत्या के लिए पुलिस चार्जशीट में दर्ज है, जो बंदरबन के नाइकस्यांगछारी में तुम्बरू सीमा पर एक संयुक्त नशा विरोधी अभियान के दौरान मारा गया था। डायरेक्टरेट जनरल ऑफ फोर्सेज इंटेलिजेंस (डीजीएफआई) के स्क्वाड्रन लीडर रिजवान रुश्दी को अराकान रोहिंग्या साल्वेशन आर्मी (एआरएसए) से जुड़े एक सशस्त्र समूह ने अगवा कर लिया। बाद में उनके शव को नाइखंगछारी में बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) को सौंप दिया गया।17 मार्च को तुलसी गबार्ड के उस बयान का उल्लेख करना आवश्यक है, जिसमें उन्होंने कहा, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप वास्तव में बांग्लादेश में हिंदुओं, बौद्धों और ईसाइयों जैसे धार्मिक अल्पसंख्यकों के लंबे समय से दुर्भाग्यपूर्ण उत्पीड़न, हत्या और दुर्व्यवहार की वर्तमान स्थिति के बारे में चिंतित हैं। गबार्ड ने यह भी कहा कि हिंदुओं, बौद्धों, ईसाइयों और अन्य जैसे धार्मिक अल्पसंख्यकों का लंबे समय से दुर्भाग्यपूर्ण उत्पीड़न, हत्या और दुर्व्यवहार अमेरिकी सरकार और राष्ट्रपति ट्रंप और उनके प्रशासन के लिए चिंता का एक प्रमुख क्षेत्र रहा है। गबार्ड ने दुनिया भर में इस्लामी आतंकवाद को हराने के लिए अमेरिकी सरकार के प्रयासों पर ज़ोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप इस्लामी आतंकवाद के खतरे का मुकाबला करने और उसे हराने के लिए बहुत प्रतिबद्ध हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

एनजीआरआई में संयुक्त हिन्दी कार्यशाला सम्पन्न

हैदराबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। बुधवार, दि. 19 मार्च को सीएस आईआर- एनजीआरआई के मुख्य भवन में स्थित ई-कक्ष में हैदराबाद स्थित सीएसआईआर के तीनों प्रयोगशालाओं, सीएसआईआर- एनजीआरआई, सीएस आईआर-आईआईसीटी तथा सीएस आईआई-सीसीएमबी के संयुक्त तत्व-ावधान में एक पूर्णदिवसीय संयुक्त हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार इस कार्यशाला में संकाय के रूप में डॉ. वी. वी. राव, केनरा बैंक के विश्रांत मुख्य प्रबंधक (राजभाषा), श्री कमालुद्दीन जी, विश्रांत हिन्दी प्राध्यापक, हिन्दी शिक्षण योजना, गृह मंत्रालय भारत सरकार, श्री चिलुकूरि वेंकट सुब्बाराव, वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी, सीएसआईआर-एनजीअ-ारआई तथा डॉ. सौरभ कुमार, हिन्दी अधिकारी, सीएसआईआर-आईआईसीटी उपस्थित थे। इन्होंने क्रमशः राजभाषा नीति एवं कर्मचारियों की भूमिका, हिन्दी में टिप्पण एवं प्रारुपण लेखन, राजभाषा कार्यन्वयन में डिजिटल उपकरणों की भूमिका तथा हिन्दी में पठन-पाठन एवं लेखन अभ्यास विषयों पर आयोजित सत्रों का संचालन किया। इस पूर्णदिवसीय संयुक्त हिन्दी कार्यशाला के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता सीएसआईआर-एनजीअ-ारआई के निदेशक डॉ. प्रकाश कुमार जी ने की। इस दौरान मंच पर कार्यशाला के मुख्य अतिथि एवं संकाय सदस्य डॉ. वी. वी. राव, सीएसआईआर-एनजीआरआई के प्रशासन नियंत्रक श्री अंटोनी पीटर राजा, सीएसआईआर-एनजीआरआई के वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी श्री चिलुकूरि वेंकट सुब्बाराव उपस्थित थे।इस कार्यशाला में तीनों प्रयोगशालाओं से 80 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यशाला का समन्वयन तीनों प्रयोगशालाओं के हिन्दी अधिकारियों ने किया।

जगन्नाथद्वारा मंदिर में रंग पंचमी विजय महोत्सव सम्पन्न

हैदराबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। साकेतवासी प.पू. श्री श्री 1008 श्री जयदेवदास खाकी के कृपा पात्र शिष्य श्रीश्री 108 श्री महंत अमृत दास खाकी जगन्नाथ द्वारा मठ शंकर बाजार बेगम बाजार के पावन सान्निध्य में श्री रंग पंचमी विजय महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम में तेलंगाना सरकार भू राजस्व विभाग (इंडोमेंट विभाग) के उप सचिव टी. तुलसी कुमारी अपने समस्त अधिकारियों के साथ भगवान श्री जसनाथ का दर्शन किया। जिनका अभिवादन विजय कुमार तोतला द्वारा शॉल एवं फूल माला से किया गया। फूलों की होली श्री महन्त जी के नेतृत्व में सम्मान समारोह संपन्न हुई। जिसमें विंध्याचल ब्राह्मण सेवा संघ का होली मिलन समारोह और विंध्य क्षेत्र के कलाकारों द्वारा होली भजन, अवध की होली सांस्कृतिक कार्यक्रम, भगवान श्री कृष्ण राधा सखियों सहित झांकी, संघ अध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय, उपाध्यक्ष रामशिरोमणि तिवारी, अवधेश द्विवेदी, रामपाल पाण्डेय, प्रदीप पाण्डेय, ब्रजेश शुक्ला, कुलदीप तिवारी, सुशील द्विवेद्वी, पवन द्विवेदी, नीरज शुक्ला, शिवनारायण त्रिपाठी, जीवेश द्विवेदी ,प्रवीण द्विवेदी, पुष्पेंद्र शुक्ला, सोनू मिश्रा, आचार्य सत्य प्रकाश, वेदप्रकाश संतोष पाठक, शशिनारायण द्विवेदी, प्रकाश शुक्ला, मानेंद्र द्विवेदी, योगेश पाण्डेय, परीक्षित द्विवेदी, अरुण द्विवेदी, कमलेश द्विवेदी, देवेंद्र द्विवेदी, शशिकांत द्विवेदी, अवध नारायण, गजेंद्र शुक्ला, रामनारायण त्रिपाठी, अनिल पाण्डेय, भोले महराज विष्णु पाण्डेय, मनीष द्विवेदी, उमेश पाण्डेय, भूपेंद्र गौतम, राजकुमार तिवारी, राजेश तिवारी, विनय पाण्डेय, राजन शुक्ला सहित सभी संघ के चार सौ सदस्यों की उपस्थिति रही। साथ ही हैदराबाद मठों से महन्त प्रशांत दास, महंत अरुण दास, महंत दर्शन दास, महन्त मुन्नू स्वामी, मंहत विष्णु दास, महन्त चेतन गिरी, जगन्नाथ मंदिर के भक्तगण मौजूद रहे। इस अवसर पर गोपाल दरक, बेगम बाजार पार्षद शंकर यादव, राजू कुंभारे महराज, गोशामहल पार्षद लाल सिंह, भाजपा नेता रघुनंदन यादव, गोलकोंडा जिला अध्यक्ष टी. उमामहेंद्र, रमेश यादव, अमित लड्डा, शुभम तोतला मुरारी काकाणी, संपत काकाणी, भवानी संकर केरिया, महावीर जोशी जगदीश शर्मा, श्याम दायमा शत्रुघन दायमा, मनीष राकेश पुजारी राजेश चतुर्वेदी सूरज महराज रमेश आनन्द कार्यक्रम में उपस्थित होकर आशीर्वाद प्राप्त किया। भगवान श्री कृष्ण राधा और अवधी और वृंदावनी भाषा में भजन महा आरती के साथ विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया।

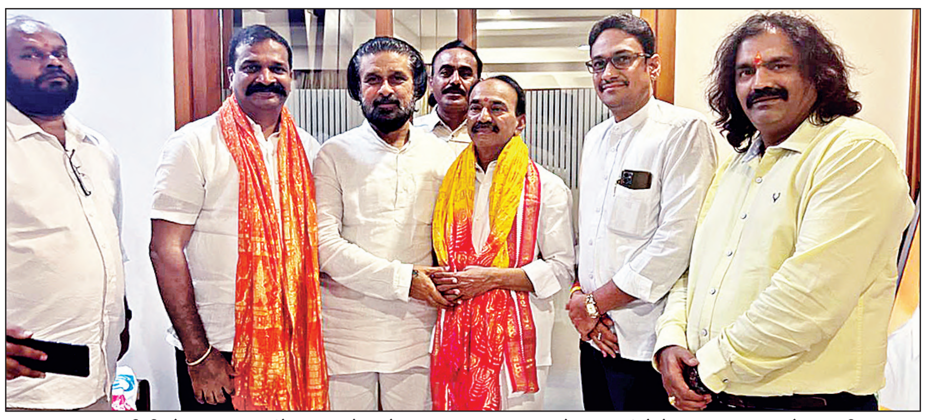

मल्काजगीरी के सांसद ईटेला राजेंद्र के जन्मदिन पर उन्हें बधाई देते हुए भाजपा के सतीश कुमार जाजू , रघुवीर, जे. एस. आर., लक्ष्मीकांत शर्मा एवं अन्य।

हैदराबाद सिटी पुलिसायुक्त सीवी आनंद की ओर से बुधवार, 19 मार्च को चौमोहल्ला पैलेस, खिलवत में आयोजित इफ्तार पार्टी में भाग लेते हुए पुलिसायुक्त सीवी आनंद, पीस कमेटी के ऑल जोन महासचिव एडवोकेट श्रीकिशन शर्मा, शशिकांत अग्रवाल एवं अन्य।

महेश बैंक ने अपने एटीएम को अपग्रेड किया

हैदराबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। ए.पी. महेश सहकारी शहरी बैंक लिमिटेड, ने गुरुवार को अपने रोड नंबर 12 स्थित बंजारा हिल्स शाखा में एक उन्नत एटीएम स्थापित किया, जिसमें ग्राहकों के सुरक्षित लेनदेन के लिए अधिक सुरक्षा सुविधाएँ मुहैया कराई गईं।

बैंक के अध्यक्ष रमेश कुमार बंग ने रमाकांत इनानी, व्यावसायिक निदेशक, .राम नारायण बोगा और .वी. अरविंद, बैंक के प्रबंध निदेशक और सीईओ की उपस्थिति में नए एटीएम का उद्घाटन किया। देवेंद्र झावर, पूर्व निदेशक और जी. श्रीनिवास राव, महाप्रबंधक भी इस अवसर पर उपस्थित थे।बैंक के ग्राहक अशोक जैन, प्रसन्ना कटकम और सुभाष गौड़ ने बैंक की ग्राहक सेवाओं की प्रशंसा की।

इस अवसर पर बोलते हुए राम नारायण बोगा ने कहा कि बैंक का प्रबंधन बैंक के ग्राहकों की सुविधा और सुरक्षा के लिए नवीनतम सुविधाओं के साथ उच्च गुणवत्ता वाले एटीएम सुनिश्चित करने की पूरी कोशिश कर रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि बैंक अपने सभी मौजूदा एटीएम को नवीनतम सुविधाओं वाले नए एटीएम से अपग्रेड करने की प्रक्रिया में है। उन्होंने आगे कहा कि महेश बैंक अपने ग्राहकों के लाभ के लिए नवीनतम तकनीकी सेवाओं को पेश करने और अपनाने के लिए शहरी बैंकिंग समुदाय में हमेशा सबसे आगे रहता है। महेश बैंक 4 राज्यों - तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान को कवर करते हुए 45 शाखाओं के नेटवर्क के साथ काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि बैंक अपने सिद्धांतों को बरकरार रखते हुए खुद को एक ऐसे संगठन में बदल रहा है जो भविष्य के लिए एक अच्छी तरह से परिभाषित दृष्टि के साथ नवीनतम तकनीकी प्रगति के साथ सेवाएं प्रदान करता है। आज की तारीख में बैंक का व्यवसाय मिश्रण 2642 करोड़ रुपए है।

मल्काजगीरी के सांसद ईटेला राजेंद्र के जन्मदिन पर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए सुदर्शन प्रसाद तिवारी (संयुक्त संयोजक इंडोमेंट सेल भाजपा तेलंगाना) एवं धर्मेन्द्र गोयल (बबलू), बद्री प्रशाद।

चूड़ीबाजार स्थित जगन्नाथद्वारा में आयोजित रंग पंचमी मनाते हुए महंत मंडलेश्वर अमृतदास जी खाकी महाराज। साथ में हैं श्री परश-ुराम सेवा मंडल संस्थापक अध्यक्ष नवरत्न इंदौरिया, महंत दर्शनदास, भाजपा नेता रघुनंदन यादव, मनोज यादव, बालाजी लोकेश इंदौरिया व अन्य अन्य।

सीरवी फ्रेंड्स क्लब करियर काउंसलिंग 23 को

हैदराबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिकंदराबाद पारसीगुटा स्थित सीरवी समाज मंदिर (बडेर) में पहला करियर काउंसलिंग सेशन का आयोजन रविवार दि. 23 मार्च को सिरवी फ्रेंड्स क्लब हैदराबाद तेलंगाना द्वारा किया जा रहा है प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार यह सेशन छात्रों और युवा पेशेवरों के लिए एक सुनहरा अवसर है। जहाँ विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। छात्र करियर संबंधी आवश्यकताओं को बेहतर तरीके से समझ सकें और सही दिशा में मार्गदर्शन कर सकें। परामर्शदाता हमारे विशेषज्ञ काउंसलर विभिन्न क्षेत्रों के अनुभवी काउंसलर छात्रों को मार्गदर्शन देंगे । एक करियर काउंसलर छात्रों और प्रोफेशनल्स को उनके करियर विकल्पों को समझने और सही दिशा चुनने में मदद करेंगे ,शिक्षा और अन्य में रुचि और कौशल के आधार पर मार्गदर्शन देंगे जिससे छात्र अपने भविष्य को बेहतर बना सकें। छात्रों और युवाओं के मार्गदर्शन के लिए नागरिक सेवाएं में आई ए एस, खेल कुद में , चार्टड अकाउंटेंट , वकालत, मेडिकल , डाक्टर,आयुवेदिक, आर्किटेक्ट, इन्टेरिअट डिज़ाइनर , पायलट , इन्डियन आर्मी, कैप्टन और मेजर , इंजिनियर डी आर डी ओ व समाज बन्धु उपस्थित रहेंगे।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत गुरुवार को नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर -सतीश गुप्ता रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, जगत नारायण अग्रवाल, भगतराम गोयल, महेश अग्रवाल,ई. जगन (चंपापेट), संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल, गोपाल गोयल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, रोहित अग्रवाल, मायारामजी अग्रवाल, राजेश योगा सरजी, संजय गोयल,मनीष फिटकारीवाला एवं राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक संपन्न हुई। इस अवसर पर डॉ. बिजय कुमार बेहेरा, मुख्य कार्यपालक, एम. वेंकटेश, आई ए एस, कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं प्रशासन), डॉ. ए वी माधुरी, वरिष्ठ कार्यपालक (तकनीकी) तथा राधाकृष्ण, परामर्शदाता (हिंदी), कपिल पराते, कार्यपालक (वित्त एवं प्रशासन) तथा पी नेहरू, कार्यपालक निदेशक (तकनीकी) आदि उपस्थित थे।

दमरे को मिली रेल मंत्री राजभाषा शील्ड

हैदराबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। दक्षिण मध्य रेलवे के लिए यह अत्यंत गौरव का विषय है कि राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में उत्तम कार्यनिष्पादन के लिए इस रेलवे के प्रधान कार्यालय को रेल मंत्री राजभाषा शील्ड का प्रथम पुरस्कार, विजयवाडा मंडल को आदर्श मंडल के रूप में आचार्य रघुवीर चल वैजयंती, माल डिब्बा कारखाना, गुंटुपल्ली को आदर्श कारखाना के रूप में रेल मंत्री राजभाषा शील्ड प्राप्त हुआ. इस रेलवे के मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक राजेश पी.खाडे को रेल मंत्री राजभाषा रजत पदक प्राप्त हुआ।रेलवे बोर्ड में आज अर्थात् दि.20.03.2025 को आयोजित एक समारोह में अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी / रेलवे बोर्ड, श्री सतीश कुमार के करकमलों से ये शील्ड प्रदान किए गए. इस समारोह में कार्यपालक निदेशक एवं रेलवे बोर्ड के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित थे। इस रेलवे के प्रधान कार्यालय को प्राप्त रेल मंत्री राजभाषा शील्ड को दक्षिण मध्य रेलवे के मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री राजेश पी.खाडे, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) डॉ.श्याम सुंदर साहु, राजभाषा अधिकारी/प्रधान कार्यालय श्री एम.के.नागराजु द्वारा ग्रहण किया गया।

विजयवाड़ा मंडल को प्राप्त आचार्य रघुवीर चल वैजयंती को विजयवाड़ा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री नरेंद्र ए. पाटील और राजभाषा अधिकारी एम.के.नागराजु द्वारा ग्रहण किया गया। माल डिब्बा कारखाना, गुंटुपल्ली को प्राप्त रेल मंत्री राजभाषा शील्ड को मुख्य कारखाना प्रबंधक, गुंटुपल्ली श्री एस.श्रीनिवास द्वारा ग्रहण किया गया।

श्री अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे ने अखिल भारतीय स्तर पर सम्मान प्राप्त करने पर राजभाषा टीम को बधाई दी. उन्होंने राजभाषा के कार्यान्वयन में मुख्यालय, मंडल और कारखाना के कार्यनिष्पादन की सराहना की. उन्होंने श्री राजेश पी. खाड़े, प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक को रेल मंत्री राजभाषा रजत पदक प्राप्त करने पर बधाई दी. उन्होंने टीम को और अधिक सम्मान प्राप्त करने के लिए प्रयास जारी रखने के लिए कहा।

रानी अवन्तिबाई का 167वां बलिदान दिवस मनाया गया

हैदराबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । रानी अवन्तिबाई चौक स्थित जुमेरात बाजार में गुरुवार दि. 20 मार्च को विरांगना रानी अवन्तिबाई का 167वां बलिदान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर गोशामहल के पार्षद लाल सिंह ने कहा कि रानी अवन्तिबाई 16 अगस्त 1831 से लेकर 1858 तक स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया और अंग्रेजों से लड़- लड़ते 20 मार्च 1858 को देश की स्वतंत्रता के लिए अपना बलिदान दिया। वर्तमान में देश की नारी शक्ति को अपने देश व अपने अधिकार के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा रानी अवन्तिबाई के जीवन काल से प्राप्त करना चाहिए। इस अवसर पर कई वक्ताओं ने रानी अवन्तिबाई के जीवन काल का उल्लेख किया है।सभा में लालसिंह पार्षद, गोलकोन्डा जिला अध्यक्ष टी. उमा महेन्दर, पूर्व अध्यक्ष रामराज सिंह, एन. रमेश सिंह, शंकर सिंह, उदय सिंह, बी. कमल सिंह, पी.रवीन्दर सिंह, नामधारी नटराज, जयपाल सिंह, सुधाकर गौड, अक्षय साहू, संदीप सिंह, उपेन्दर सिंह, प्रदीप सिंह, चेता सिंह आदी उपस्थित थे।

बिहार फाऊंडेशन चैप्टर द्वारा बिहार दिवस 23 को

हैदराबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। बिहार फाऊंडेशन चैप्टर हैदराबाद द्वारा दि. 23 मार्च 2025 रविवार को नेकलेस रोड स्थित पीपल्स प्लाजा ग्राउंड में बिहार दिवस मनाया जा रहा है।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार इस संदर्भ में बिहार भवन में कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें बिहार फाऊंडेशन चैप्टर हैदराबाद के अध्यक्ष मानवेंद्र मिश्रा ने बताया गया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप मेंसंदीप सुल्तानिया (आइ.ए.एस) एवं बिहार दिवस ऑर्गेनाइजिंग कमेटी के अध्यक्ष मुनींनद्रा, आई.एफ.एस (सेवानिवृत्ति) रहेगें। बिहार दिवस समारोह में बिहार का परिधान, बिहार का खान पान एवं लोक संगीत व सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत की जाएंगी। बैठक में बिहार एसोसिएशन के महासचिव प्रभास कुमार, उपाध्यक्ष, अशोक प्रसाद सिंह, वीरेंद्र प्रसाद सिंह, भारत सिंह, अखिलेश सिंह, मनोज यादव, दीपक यादव, इत्यादि ने अपने-अपने विचार रखें। बिहार एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार के द्वारा बताया गया कि कार्यक्रम आयोजकों के द्वारा चाय एवं भोजन का भी उत्तम प्रबंध किया गया है।

डॉ. अखिलेश निगम अखिल के नाम कविता की एक शाम कार्यक्रम आज

हैदराबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। गीत चाँदनी, हिंदी लेखक संघ और गोलकोण्डा दर्पण (मासिक) के संयुक्त तत्वावधान में कविता की एक शाम डॉ. अखिलेश निगम 'अखिल' के नाम कार्यक्रम शुक्रवार, 21 मार्च को सायं 6 बजे से मौज़मज़ाही मार्केट स्थित डॉ. मोहन गुप्ता के आरोग्य अस्पताल व कैलाश डायग्नोस्टिक सेंटर के सभागृह, आबिद, हैदराबाद में संपन्न होगा।

आज यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में उक्ताशय की जानकारी देते हुए गीत चाँदनी के कार्यदर्शी, गोलकोण्डा दर्पण के संपादक व कवि गोविंद अक्षय ने बताया कि सम्माननीय अतिथि कवि डॉ. अखिलेश निगम अखिल का जन्म 5 अगस्त, 1966 को लखनऊ (उत्तर प्रदेश) में हुआ। आप मुख्यत: गीत, छंद, ग़जल, दोहा, नयी कविता, हास्य-व्यंग्य , कहानी, लेख, लघुकथा, समीक्षा एवं संस्मरण आदि विधाओं में अपनी रचनाएँ निरंतर लिखते रहते हैं। आपकी 20 से अधिक कृतियाँ अलग-अलग विधाओं की प्रकाशित हो चुकी हैं। आपको देशभर की साहित्यिक एवं सामाजिक संस्थाओं द्वारा 50 से अधिक विशिष्ट सम्मान और मानद उपाधियाँ प्राप्त हुई हैं। आपने समाज में हो रही नशाखोरी के विरुद्ध व्यापक जनजागरण का अभियान चलाया है। संप्रति आप लखनऊ (उत्तर प्रदेश) के डीआईजी सीबीसीआईडी हैं। सुप्रसिद्ध समाज सेवी श्री अमृत कुमार जैन मुख्य अतिथि होंगे। डॉ. मोहन गुप्ता, राजू अग्रवाल, ठाकुर अमरदीप सिंह बतौर विशेष अतिथि मंच पर उपस्थित रहेंगे। गीत चाँदनी के अध्यक्ष व गीतकार श्री चंपालाल बैद कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। कवि संतोष कुमार मिश्र 'माधुर्य' (उपाध्यक्ष), कवयित्री रत्नकला मिश्र (कोषाध्यक्षा), डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव (संयोजिका) आदि कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करेंगे। सभी कवियों और श्रोत-ाओं से कार्यक्रम में समय पर उपस्थित रहकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने का आग्रह किया गया है।

पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 142 वां नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर 23 को

हैदराबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा श्री बालाजी मंदिर ट्रस्ट राजस्थानी समाज शेर लिंगमपल्ली सहयोग से 142 वां निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर रविवार 23 मार्च को सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक शेर लिंगमपल्ली तारा नगर स्थित श्री बालाजी मंदिर में आयोजित किया जाएगा।अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मेगा मेडिकल कैंप में एलसीएस साधुराम नेत्र अस्पताल दोमलगुडा द्वारा निशुल्क नेत्रों की जांच की गई जाएगी एवं योग्य को चश्मों का वितरण एवं मोतियाबिंद के ऑपरेशन की व्यवस्था की जाएगी।

डॉ. अखिला क्लिनिक के जनरल फिजिशियन डॉ.अखिल सुगंधी एवं डॉ.मीनल खिरिया सुगंधी द्वारा सामान्य जांच करेंगे। अवसर पर किम्स सनशाइन अस्पताल द्वारा ईएनटी, आर्थोपेडिक, कार्डियोलॉजी, ईसीजी-2डी इको-बीएमडी, आरबीएस, रक्तचाप आदि की जांच की जाएगी। अवसर पर श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति हैदराबाद द्वारा कृत्रिम अंग वितरण का शिविर लगाया जाएगा और जरूरतमंदों को निशुल्क कृत्रिम अंग, कैलिपर्स आदि का वितरण किया जाएगा। साथ ही निशुल्क डायलिसिस की व्यवस्था की जाएगी। शिविर में ललिता डेंटल क्लीनिक के डॉ.संजय सूर्यवंशी द्वारा दांतों की जांच तथा फिजियोथैरेपी की व्यवस्था, बजाज फिजियोकेयर की डॉ.मीता बजाज द्वारा की जाएगी। स्त्री रोग की जांच एनईओ एशियन क्लीनिक्स की डॉ.सी.नाग जयंती द्वारा की जाएगी। शिविर 23 मार्च को सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक किया जाएगा जबकि रोगियों के नाम का पंजीकरण सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक रहेगा सभी निवासियों से शिविर का अधिक से अधिक लाभ लेने का आग्रह किया गया है। अधिक जानकारी के लिए शिविर संयोजक एवं अग्रवाल सेवा दल के प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, महेश शर्मा, अशोक पारीक, राजेन्द्र कुमार तिवारी, कमलकिशोर मूंदडा, मांगीलाल धानुका, बचना राम चौधरी से संपर्क किया जा सकता है।

वरिष्ठ अधिकारियों ने एसएलबीसी सुरंग राहत कार्यों की समीक्षा की

हैदराबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) सुरंग में राहत कार्यों में तेजी लाने के निरंतर प्रयास में, वरिष्ठ अधिकारियों ने गुरुवार को नागरकुरनूल जिले के आचम्पेट निर्वाचन क्षेत्र में डोमलपेंटा में एसएलबीसी इनलेट 1 कार्यालय में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की।एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि बैठक में सेना के जनरल कमांडिंग ऑफिसर मेजर अजय मिश्रा, आपदा एवं प्रबंधन विभाग के विशेष मुख्य सचिव अरविंद कुमार और नागरकुरनूल के जिला कलेक्टर बदावत संतोष, जिला एसपी वैभव गायकवाड़ रघुनाथ और सेना और राहत दल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

श्री आईजी गौशाला में शीतला सप्तमी पर आयोजित पुजा अर्चना में भाग लेती हुई गीता देवी, कावेरी देवी, अनीता, लीला देवी, इंदिरा देवी, पिंकी राठौड़, विद्या सैणचा, रेखा मुलेवा, प्रिया, रोशनी सानपुरा व अन्य।

राचकोंडा पुलिस ने अंतर्राज्यीय बाल तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ किया 10 शिशुओं को बचाया गया, 18 दत्तक माता-पिता गिरफ्तार

हैदराबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। राचकोंडा पुलिस ने अंतरराज्यीय बाल तस्करी रैकेट के सिलसिले में 10 शिशुओं को बचाया है और 27 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें मुख्य आरोपी अमूल्या, हैदराबाद के मालकपेट की एक आशा कार्यकर्ता भी शामिल है।

मलकाजगिरी की विशेष अभियान टीम ने चैतन्यपुरी पुलिस के साथ मिलकर फरवरी में हुई पिछली गिरफ्तारियों के बाद मामले की जांच की । जांच के दौरान अवैध रूप से खरीदे गए शिशुओं की पहचान हुई। अब तक इन प्रयासों के माध्यम से छह शिशुओं को बचाया जा चुका है, जबकि 11 अभी भी लापता हैं। उन्हें खोजने और बचाने के लिए विशेष टीमों को तैनात किया गया है।

राचकोंडा पुलिस आयुक्त जी. सुधीर बाबू ने बताया कि जांच में पता चला है कि कुल 25 शिशुओं को अवैध रूप से खरीदा गया और कई राज्यों में बेचा गया। मामले के सिलसिले में कुल 27 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

प्रमुख आरोपियों में हैदराबाद के मालकपेट की आशा कार्यकर्ता सोमू अमूल्या (29), महाराष्ट्र के नागपुर के ब्राम्हणी की मध्यस्थ वैशाली भीमराव वासनिक (40), गांधी अस्पताल में लैब टेक्नीशियन जनपल्ली कार्तिक (43), हैदराबाद के घांसी बाजार में मैरिज ब्यूरो के मालिक सज्जन अग्रवाल (41), अब्दुल्लापुरमेट के व्यवसायी बनाला मंगैया (42), आसिफाबाद के ईंट व्यवसायी बोडासु नागराजू (31), नेरेडमेट के विनायकनगर के मजदूर रामाराम अशोक (30), हैदराबाद में कार बिक्री और खरीद डीलर शेख इस्माइल (31) और हैदराबाद के निजामपेट के व्यवसायी माचरला वामशी कृष्णा (31) शामिल हैं। इसके अलावा, शिशुओं को अवैध रूप से खरीदने वाले 18 दत्तक माता-पिता को भी गिरफ्तार किया गया।

अधिकारी ने बताया, मुख्य आरोपी, हैदराबाद के मलकपेट की आशा कार्यकर्ता सोमू अमूल्या ने कोला कृष्णवेनी और दीप्ति नामक दो व्यक्तियों के साथ मिलकर शिशुओं की खरीद-फरोख्त की। अमूल्या ने शुरुआत में अस्पताल के पूर्व पर्यवेक्षक शेख इस्माइल के साथ काम किया, जिसने उसे नि:संतान दंपतियों को निशाना बनाकर इस धंधे से परिचित कराया। समय के साथ, उसने सोशल मीडिया के माध्यम से अपने नेटवर्क का विस्तार किया और विभिन्न राज्यों में तस्करों के साथ संपर्क स्थापित किया। शिशुओं को महाराष्ट्र के मुंबई, उत्तर प्रदेश के कानपुर, छत्तीसगढ़ के रायपुर, महाराष्ट्र के अमरावती और तेलंगाना के हैदराबाद से अवैध रूप से खरीदा गया था।

इसके बाद इन्हें पश्चिम बंगाल में कोलकाता, तमिलनाडु में चेन्नई, कर्नाटक में बैंगलोर, तेलंगाना में हैदराबाद और आंध्र प्रदेश में गुंटूर में बेचा गया।

अधिकारी ने बताया, आरोपी शिशुओं के लिंग के आधार पर अलग-अलग कीमत वसूलते थे। लड़कियों को लगभग 2-3 लाख रुपये में खरीदा जाता था और 3-4 लाख रुपये में बेचा जाता था, जबकि लड़कों को 4-5 लाख रुपये में खरीदा जाता था और 5-6 लाख रुपये में बेचा जाता था।

पुलिस पूछताछ के दौरान अमूल्या ने आठ शिशुओं, चार लड़कों और चार लड़कियों की तस्करी करना स्वीकार किया। इनमें से तीन लड़कियों और एक लड़के को बचा लिया गया। दीप्ति ने अमूल्या की सहायता से चार लड़कों और छह लड़कियों सहित 10 शिशुओं की तस्करी में शामिल होने की बात कबूल की। इनमें से चार लड़कियों और एक लड़के को बचा लिया गया। कोला कृष्णवेनी ने खुलासा किया कि वह तीन शिशुओं, दो लड़कों और एक लड़की की अवैध खरीद-फरोख्त में शामिल थी, जिसमें से एक लड़की को बचा लिया गया, आयुक्त ने निष्कर्ष निकाला।

हैदराबाद हवाई अड्डे के लिए कैब यात्रा कम किराए के कारण बाधित यूनियन ने उचित और समान किराया संरचना की मांग की

हैदराबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना गिग एंड प्लेटफॉर्म वर्कर्स यूनियन (टीजीपीडब्ल्यूयू) ने हैदराबाद में अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे तक कैब सेवाओं के बहिष्कार को तेज करने का फैसला किया है।यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब हैदराबाद के राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (आरजीआईए) ने यात्रियों को चेतावनी जारी कर कहा है कि बहिष्कार के कारण कैब की कमी हो सकती है। सलाह में कहा गया है, यात्री सलाह: कैब चालक यूनियनों के विरोध के कारण, कैब की कमी होने की उम्मीद है, जिससे प्रतीक्षा समय लंबा हो सकता है।

अन्य यात्रा विकल्प

परामर्श में यह भी रेखांकित किया गया कि यात्रा के अन्य विकल्प भी उपलब्ध हैं तथा यात्रियों से अन-ुरोध किया गया कि वे एरोप्लाजा के निकट कार पार्क क्षेत्र में स्थित अपने परिवहन सहायता डेस्क से संपर्क करें।टीजीपीडब्ल्यूयू के पदाधिकारी शेख सलाउद्दीन के अनुसार, सैकड़ों टैक्सी चालक इस बहिष्कार में शामिल हुए, क्योंकि उन्होंने कहा कि टैक्सी एप्स द्वारा कम किराया वसूला जा रहा है।

तेलंगाना सरकार, मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी, परिवहन विभाग, एग्रीगेटर कंपनियों और जीएमआर एयरपोर्ट अधिकारियों के समक्ष अपनी चिंताओं को बार-बार उठाने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। टीजीपीडब्ल्यूयू निष्पक्ष और समान किराया संरचना स्थापित करने के लिए तत्काल हस्तक्षेप की मांग कर रहा है जो गिग वर्कर्स के लिए उचित वेतन और आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करता है।यूनियन ने कहा कि उनके सदस्यों ने कथित अनुचित मूल्य निर्धारण मॉडल को बार-बार रेखांकित किया है। उन्होंने कहा कि इससे ड्राइवरों की कमाई कम होती है, लेकिन उनके समय और प्रयास की भी अनदेखी होती है। हम तेलंगाना सरकार, परिवहन अधिकारियों और जीएमआर एयरपोर्ट से आग्रह करते हैं कि वे उचित मूल्य निर्धारण नीति की दिशा में तत्काल कदम उठाएं, जिससे ड्राइवरों और यात्रियों दोनों को लाभ हो।श्री सलाउद्दीन ने कहा कि न तो यूनियन और न ही उसके ड्राइवर-सदस्य यात्रियों को असुविधा पहुँचाने का इरादा रखते हैं। हालाँकि, यह कदम बेहतर वेतन और काम करने की स्थिति पर बातचीत करने की दिशा में उनके प्रयासों का एक हिस्सा है।उन्होंने यह भी कहा कि सरकार और एग्रीगेटर्स को अवगत कराने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। टीजीपीडब्ल्यूयू निष्पक्ष और एकसमान किराया संरचना स्थापित करने के लिए तत्काल हस्तक्षेप की मांग कर रहा है।बेंगलुरु में भी इसी तरह के बहिष्कार के आह्वान देखे गए । कर्नाटक ऐप-आधारित वर्कर्स यूनियन ने भी इस बात पर अफसोस जताया कि राइड हेलिंग ऐप कम किराया वसूल रहे हैं, जिससे ड्राइवरों की आजीविका प्रभावित हो रही है। मीडिया को जारी एक बयान के अनुसार, यूनियन ने मांग की है कि सरकार उचित वेतन सुनिश्चित करने के लिए एक समान किराया संरचना लेकर आए।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME & DOB

I, Army No.6943160P Hav CLK (IM) Navsheel Prakash Mehra of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad that my father name and DOB is to be changed from RAM PRAKASH MEHRA, DOB:20-2-1959 to RAMPRAKASH MEHRA, DOB:20-12-1959.

CHANGE OF DOB

I, ARANGI RAJARAO Father of Service No. 2618634H Nk ARANGI RAMA PRASAD, R/o. 1-57, Main Street, Vill:Jogipantulapeta, Teh:Ambalavalasa, Dist: Srikakulam, Andhra Pradesh - 532405 have changed my Date of Birth from 05-09-1971 to 01-01-1964 vide affidavit dt:19-03-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME

I, CHAVAN RESHMA Spouse of Service No. 14440087Y Hav CHAVAN UMESH SURESH, R/o.F/203, Plot No.17, Sector 19, Narmada Co.Op Housing Society, Vill:Kamothe, PO:Kharghar, Dist:Raigarh, Maharashtra-410210 have changed my name from CHAVAN RESHMA to CHAVAN RESHMA UMESH vide affidavit dt:19-3-2025 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF DOB

I, ARANGI APPANNAMMA Mother of Service No.2618634H Nk ARANGI RAMA PRASAD, R/o.1-57, Main Street, Vill:Jogipantulapeta, Teh:Ambalavalasa, Dist: Srikakulam, Andhra Pradesh - 532405 have changed my Date of Birth from 29-08-1976 to 01-01-1976 vide affidavit dt:19-3-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME

I, RAJPUT ASHVINI KANTILAL is legally Wedded Wife of Service No.17008818H, Rank: NK, Name: RAJPUT NILESH INDALSING, Unit: 33 CORE ZONE WKSP C/O. 99 APO, residing at VILL: HATLE, PO: HATLE, TEH: CHALISGAON, DIST: JALGAON, State: MAHARASHTRA, PIN: 424101, I have Changed my name from RAJPUT ASHVINI KANTILAL to RAJPUT ASHVINI NILESH My date of birth 01/12/1996, Vide Affidavit date 20/03/2025

CHANGE OF NAME

I, O VASANTHA KUMARI is legally dependent Mother of Service No. 14667321X, Rank: HAV TECH (SA), Name: RAJEEV KUMAR S, Unit : 3 TRG BN, 1 EME CENTER, SECUNDERABAD, Residing at RAJESH BHAVAN, Vill: PATTAZHY, PO: PANTHAPLAVE, Dist: KOLLLAM, State: KERALA, Pin:691522, I have Changed my name from: O VASANTHA KUMARI to VASANTHAKUMARY and My Date of Birth is 28-08-1957, Vide Affidavit date 20/03/2025

बिहार में चुनाव पूर्व शुरू हो गया रोचक सियासी प्रहसन

लालू परिवार को पटखनी देने में लगा गांधी परिवार

पटना, 20 मार्च (एजेंसियां)। गांधी परिवार ने बिहार की राजनीति में लालू परिवार को लगातार दो बड़े झटके देकर घुटनों पर ला दिया है। राहुल गांधी ने पहले अपने चहेते कन्हैया कुमार को बिहार की राजनीति में सीधे प्रवेश करवाकर तेजस्वी यादव को सबसे बड़ा चुनौती दे दी है। कन्हैया कुमार को राहुल गांधी ने नीतीश कुमार या भाजपा के विरोध के लिए नहीं, बल्कि तेजस्वी यादव के खिलाफ बिहार के राजनीतिक मैदान में उतारा है।

सिर्फ इतना ही नहीं बल्कि लालू के करीबी बिहार प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह को हटाकर राजेश कुमार को नया अध्यक्ष नियुक्त कर दिया है। अखिलेश प्रसाद सिंह लालू यादव परिवार के बेहद करीबी माने जाते हैं। अखिलेश प्रसाद सिंह के प्रदेश अध्यक्ष रहते लालू यादव के राजनीतिक हितों पर कोई ख़ास फर्क नहीं पड़ता दिख रहा था। क्योंकि जातिगत तौर पर अखिलेश प्रसाद सिंह भूमिहार जाति से हैं, जिसका मत लालू यादव के पार्टी में नहीं के बराबर मिलता है। वहीं नवनियुक्त अध्यक्ष राजेश कुमार दलित समुदाय से आते हैं और इस जाति के मत के लिए लालू यादव की पार्टी लालायित है। राजेश कुमार को अध्यक्ष बनाकर गांधी परिवार ने लालू यादव के समक्ष बड़ी राजनीतिक चुनौती पैदा कर दी है।गांधी परिवार का यह कदम लालू यादव के परिवार से राजनीतिक बदले की तरह है। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पूर्व लालू यादव और उनके परिवार के अन्य सदस्यों ने इंडी गठबंधन के संयोजक का पद ममता बनर्जी को सौंपने की पेशकश की थी। यह गांधी परिवार को लालू यादव का सीधे चुनौती के तौर पर देखा गया था। साथ ही दिल्ली विधानसभा के चुनाव में लालू यादव वो उनकी पार्टी ने कांग्रेस को जीत दिलवाने के लिए कोई विशेष प्रयास करता नहीं दिखा। गांधी परिवार लालू यादव के इन राजनीतिक क्रियाकलापों पर तत्काल अवश्य चुप्पी साधे रहा, लेकिन अब वह चुप्पी चुनाव के वक्त असर दिखा रही है।

गांधी परिवार, लालू यादव को 2009 लोकसभा चुनाव और 2010 विधानसभा के चुनाव की याद दिलाने की कोशिश कर रहा है। 2009 के लोकसभा के चुनाव में रामविलास पासवान और लालू यादव ने बंद कमरे की बैठक में आपस में सीटों का बंटवारा कर लिया और कांग्रेस पार्टी को महज तीन लोकसभा की सीट छोड़ी। सोनिया गांधी ने भी इसका बदला लिया और बिहार की सभी 40 लोकसभा की सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े कर दिए। इसका असर ये हुआ कि लालू यादव पाटलिपुत्र लोकसभा सीट से अपना चुनाव हार गए। वहीं रामविलास पासवान अपनी परम्परागत मजबूत गढ़ हाजीपुर की लोकसभा सीट पर भी चुनाव हार गए। कांग्रेस पार्टी ने राजद और पासवान की लोजपा के बागियों को मुख्यतः उम्मीदवार बनाया, जिससे कि उनका वोट बंटे और इन दोनों दलों की हार हो।

सोनिया गांधी का लालू यादव और पासवान पर गुस्सा इतने भर से शांत नहीं हुआ और 2010 के बिहार विधानसभा चुनाव में भी सोनिया गांधी ने इसी राजनीतिक दांव का इस्तेमाल किया और राजद को महज 22 सीट और पासवान की पार्टी को तीन सीटों पर लेकर समेत दिया। राजद और पासवान के गठबंधन को 49 विधानसभा की सीटों पर कांग्रेस पार्टी की उम्मीदवारी के कारण चुनावी हार का सामना करना पड़ा। 2010 के बिहार विधानसभा चुनाव में तत्कालीन विपक्ष की नेता और राज्य की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी राघोपुर और सोनपुर दो विधानसभा की सीटों से चुनाव हार गई थी। मगर उसके बाद लालू यादव ने कभी भी कांग्रेस को नज़रअंदाज नहीं किया और 2014 के लोकसभा चुनाव में गठबंधन के तहत कांग्रेस पार्टी को 12 सीट दिया। 2015 के विधानसभा चुनाव में राजद और जेडीयू के गठबंधन के बाजवूद भी कांग्रेस पार्टी को 41 सीट देना पड़ा। यह सब कांग्रेस पार्टी के 2009 के लोकसभा और 2010 के विधानसभा के चुनाव में दिए सबक का परिणाम था।

हैदराबाद में उबर शटल सेवा शुरू होने पर परमिट संबंधी समस्या, 40 बस मालिकों पर जुर्माना, 11 बसें जब्त

हैदराबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद में अपने संचालन के शुरुआती दिनों में, 'उबर शटल' के बैनर तले चलने वाली 40 से अधिक बसों को बिना वैध दस्तावेजों और अनुमति के संचालन के लिए चालान जारी किए गए और उनमें से 11 को जब्त कर लिया गया। ये मामले मंगलवार (18 मार्च, 2025) को माधापुर यातायात पुलिस द्वारा चलाए गए एक विशेष अभियान के दौरान सामने आए, जिसमें कई तरह के उल्लंघनों को लक्षित किया गया।

इनमें से कुछ बसों के पास शादी-ब्याह या सैर-सपाटे के लिए परमिट था, लेकिन किसी के पास स्टेज कैरिज संचालन के लिए वैध अनुमति नहीं थी। जब्त की गई बसों के ड्राइवरों के पास पंजीकरण, बीमा और फिटनेस प्रमाणपत्र सहित अनिवार्य वाहन दस्तावेज भी नहीं थे, माधापुर डीसीपी (ट्रैफिक) टी. साई मनोहर ने बताया।

स्टेज कैरिज परमिट बसों को निर्धारित मार्गों पर यात्रियों को ले जाने और अलग-अलग किराए पर निर्दिष्ट स्टॉप पर यात्रियों को उतारने या चढ़ाने की अनुमति देता है। परमिट क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण द्वारा मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 72 के तहत जारी किया जाता है और उल्लंघन के परिणामस्वरूप एग्रीगेटर प्लेटफ़ॉर्म और वाहन मालिकों दोनों के लिए कानूनी कार्रवाई और दंड हो सकता है।अधिकारी के अनुसार, गचीबोवली में हर 4-5 बसों में से एक उबर शटल थी। उन्होंने कहा, एक घंटे के भीतर 40 से ज़्यादा बसें पकड़ी गईं, और विभिन्न उल्लंघनों के लिए 1,000 से 2,000 तक के चालान जारी किए गए। उन्होंने आगे कहा कि शहर भर में ऐसी लगभग 800 बसें चल रही हैं।उबर ने हैदराबाद में अपनी 'शटल' सेवा शुरू की है और तीन सप्ताह तक चलने वाले पायलट प्रोजेक्ट के तहत मुफ्त सवारी की पेशकश कर रहा है। यह कदम दिल्ली और कोलकाता में सेवा की सफलता के बाद उठाया गया है, जिसका उद्देश्य शहर में यातायात चुनौतियों का समाधान करने के लिए निजी वाहनों की गतिशीलता के लिए एक सुविधाजनक विकल्प प्रदान करना है। यह अलवाल, अमीनपुर, बचुपल्ली, नामपल्ली, उप्पल और वनस्थलीपुरम जैसे आवासीय क्षेत्रों को हाईटेक सिटी से जोड़ता है, जिससे आईटी कॉरिडोर में आने-जाने वाले युवा पेशेवरों की रुचि बढ़ रही है।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि कर्मचारियों के परिवहन के लिए राइड-हेलिंग प्लेटफ़ॉर्म या एग्रीगेटर्स के माध्यम से संचालित बसों को प्लेटफ़ॉर्म और ऑपरेटरों के बीच एक समझौते के आधार पर अनुबंध गाड़ियों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

आज तेलंगाना के कुछ हिस्सों में तूफान की चेतावनी

हैदराबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में बढ़ते तापमान के बीच, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने गुरुवार (20 मार्च, 2025) से अगले तीन दिनों में अधिकतम तापमान में मामूली गिरावट का अनुमान लगाया है। इसे देखते हुए, आईएमडी ने शुक्रवार (21 मार्च, 2025) को कई जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जिसमें आंधी, बिजली, तेज़ हवाएँ और ओलावृष्टि की चेतावनी दी गई है।

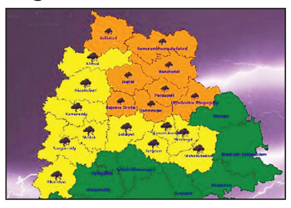

आईएमडी बुलेटिन के अनुसार, शुक्रवार को आदिलाबाद, कुमारम भीम आसिफाबाद, मंचेरियल, जगतियाल, राजन्ना सिरसिला, करीमनगर, पेद्दापल्ली और जयशंकर भूपालपल्ली सहित जिलों में बिजली, तेज हवाओं और अलग-अलग स्थानों पर ओलावृष्टि के साथ गरज के साथ बारिश होने की संभावना है।

बुलेटिन में कहा गया है कि उसी दिन निर्मल, निजामाबाद, महबूबाबाद, वारंगल, हनमकोंडा, जंगों, सिद्दीपेट, विकाराबाद, संगारेड्डी, मेडक और कामारेड्डी जिलों के लिए भी येलो अलर्ट जारी किया गया है, जहां बिजली गिरने और तेज हवाओं के साथ गरज के साथ बारिश होने की संभावना है।

हैदराबाद में, आईएमडी ने अगले 48 घंटों में आंशिक रूप से बादल छाए रहने और सुबह के समय धुंध छाए रहने की संभावना जताई है। शहर का अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 36 डिग्री सेल्सियस और 21 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है।

राजा सिंह ने बुलेटप्रूफ कार ठुकराई, बंदूक लाइसेंस की मंजूरी मांगी

हैदराबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद शहर की पुलिस ने तेलंगाना के भाजपा विधायक टी. राजा सिंह को एक नोटिस जारी किया है, जिसमें उन्हें सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए बुलेटप्रूफ वाहन और सुरक्षाकर्मियों का उपयोग करने का निर्देश दिया गया है। यह निर्देश उनकी सुरक्षा को लेकर चिंताओं के बीच आया है, क्योंकि सिंह को बिना सुरक्षा कवर के सार्वजनिक स्थानों पर घूमते हुए देखा गया है।

गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले सिंह ने दुपहिया वाहन पर यात्रा करने की अपनी प्राथमिकता दोहराई है, उनका तर्क है कि इससे उन्हें अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों तक आसानी से पहुंचने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि बुलेटप्रूफ कार में अपने निर्वाचन क्षेत्र की संकरी गलियों में घूमना असुविधाजनक होगा। मंगलहाट पुलिस स्टेशन द्वारा 19 मार्च को जारी किए गए नोटिस की पुष्टि गुरुवार को अधिकारियों ने की। अधिकारियों ने बताया कि सिंह को कई धमकी भरे कॉल आए हैं और वह बिना सुरक्षाकर्मियों के अपने घर और कार्यालय से निकल रहे हैं। नोटिस में उनके कार्यों को अपनी सुरक्षा के प्रति लापरवाही बताया गया है।

जवाब में, सिंह ने अपनी सुरक्षा के लिए पुलिस के दृष्टिकोण में कथित विरोधाभास की ओर इशारा किया। उन्होंने सख्त सुरक्षा उपायों पर जोर देते हुए बंदूक लाइसेंस के लिए उनके अनुरोध को अस्वीकार करने के लिए अधिकारियों की आलोचना की। सिंह ने टिप्पणी की, जब मैंने सुरक्षा खतरों का हवाला देते हुए बंदूक लाइसेंस के लिए आवेदन किया, तो लंबित मामलों के कारण मेरा अनुरोध अस्वीकार कर दिया गया। फिर भी, ऐसी ही कानूनी स्थितियों वाले कई अन्य लोगों को बिना किसी समस्या के लाइसेंस दिए गए हैं।सि

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह नोटिस एक मानक सुरक्षा उपाय है और कोई लक्षित कार्रवाई नहीं है। निर्देश के बावजूद, सिंह बुलेटप्रूफ वाहन के इस्तेमाल की बजाय जनता से सीधे संपर्क को प्राथमिकता देने पर अड़े हुए हैं।

तेलंगाना में तेजी से बढ़ रहे रोजगार, एक साल में 57,924 नौकरियां, राष्ट्र के लिए एक मॉडल : सीएम रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने नवनियुक्त सरकारी कर्मचारियों को हार्दिक बधाई देते हुए इसे ऐतिहासिक और अविस्मरणीय अवसर बताया । नियुक्तियों को संबोधित करते हुए उन्होंने तेलंगाना के पुनर्निर्माण में उनकी भूमिका पर जोर दिया और उनसे राज्य को उत्कृष्टता के मॉडल के रूप में आकार देने में योगदान देने का आग्रह किया।

प्रजा प्रभुत्वम - कोलुवुला पंडुगा (जनता की सरकार - नौकरी महोत्सव) पहल के हिस्से के रूप में , सीएम रेवंत रेड्डी ने पंचायती राज, ग्रामीण विकास और नगरपालिका प्रशासन विभागों में अनुकंपा नियुक्तियों और अन्य श्रेणियों के तहत भर्ती किए गए उम्मीदवारों को औपचारिक रूप से 922 नियुक्ति पत्र सौंपे ।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने 2015 से सरकारी रिक्तियों को भरने में विफल रहने के लिए पिछली सरकार की आलोचना की , जिससे कई योग्य उम्मीदवार अपनी सही नौकरियों से वंचित हो गए।

आप में से कई लोगों ने एक अवसर के लिए एक दशक से अधिक समय तक इंतजार किया। पिछली सरकार ने युवाओं की उपेक्षा की, लगभग एक दशक तक अनुकंपा नियुक्तियाँ करने में विफल रही। परिणामस्वरूप, आपके जीवन का एक महत्वपूर्ण चरण खो गया।

हालांकि, उन्होंने आश्वासन दिया कि वर्तमान सरकार विश्वास बहाल करने और युवाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है ।

अपने कार्यकाल के पहले वर्ष में हमने 57,924 सरकारी नौकरियाँ सफलतापूर्वक भरी हैं , जिससे तेलंगाना रोज़गार सृजन के मामले में एक आदर्श राज्य बन गया है। भारत में किसी भी अन्य राज्य ने शासन के एक वर्ष के भीतर इतनी अधिक सरकारी नौकरियाँ प्रदान नहीं की हैं।

सीएम रेवंत रेड्डी ने इस बात पर जोर दिया कि सरकारी नौकरी हासिल करना जीवन बदलने वाली उपलब्धि है , जो स्थिरता और सुरक्षा सुनिश्चित करती है । उन्होंने कहा कि तेलंगाना के रोजगार अभियान ने अन्य राज्यों के लिए एक उदाहरण स्थापित किया है , जो दर्शाता है कि कैसे सक्रिय शासन सीधे नागरिकों को लाभान्वित कर सकता है।

इस कार्यक्रम में मंत्री सीतक्का , सरकारी सलाहकार हरकारा वेणुगोपाल राव और एस. वेणुगोपाल चारी , जीएचएमसी मेयर गडवाल विजयलक्ष्मी , मुख्य सचिव शांति कुमारी और कई विधायक और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए ।

यह पहल शासन को मजबूत करने और हजारों तेलंगाना युवाओं के लिए रोजगार सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है ।

सीएम रेवंत रेड्डी ने पारदर्शी भवन अनुमोदन के लिए बिल्डनाउ पोर्टल लॉन्च किया

हैदराबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने इस बात पर जोर दिया है कि उनकी सरकार पिछले एक दशक के गैर-जिम्मेदार शासन के कारण पैदा हुई समस्याओं को व्यवस्थित तरीके से संबोधित कर रही है। उन्होंने फिर से पुष्टि की कि प्रशासन तेलंगाना मॉडल के तहत कल्याण, विकास और पारदर्शी शासन के लिए प्रतिबद्ध है।रवींद्र भारती में आयोजित एक कार्यक्रम में , सीएम रेवंत रेड्डी ने नगर प्रशासन विभाग के तहत बिल्डनाउ पोर्टल लॉन्च किया । इस पोर्टल का उद्देश्य भवन निर्माण और लेआउट अनुमतियों के लिए तेज़ और पारदर्शी ऑनलाइन अनुमोदन की सुविधा प्रदान करना है।शुभारंभ के एक भाग के रूप में, मुख्यमंत्री ने व्यक्तिगत रूप से तीन आवेदकों को भवन अनुमोदन दस्तावेज सौंपे, जिन्होंने अपने अनु-रोध ऑनलाइन प्रस्तुत किए थे, जिससे बिल्डनाउ सेवाओं की आधिकारिक शुरुआत हो गई।सभा को संबोधित करते हुए सीएम रेवंत रेड्डी ने कहा कि बिल्डनाउ पोर्टल को मंजूरी प्रक्रिया में भेदभाव, देरी और भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए डिज़ाइन किया गया है । उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि अतीत में, मैन्युअल अनुमोदन से कदाचार और पक्षपात होता था , जिससे अक्सर जनता को असुविधा होती थी।उन्होंने कहा, पहले मैन्युअल मंजूरी से भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के अवसर पैदा होते थे। हालांकि कुछ प्रभावशाली व्यक्तियों को ऑनलाइन प्रणाली चुनौतीपूर्ण लग सकती है, लेकिन हर सुधार के साथ कुछ कठिनाइयां भी आती हैं। हालांकि, यह प्रणाली सुनिश्चित करेगी कि बिना किसी पक्षपात या प्रभाव के मंजूरी दी जाए ।सीएम रेवंत रेड्डी ने इस बात पर जोर दिया कि अब सभी को, चाहे उनकी स्थिति कुछ भी हो, ऑनलाइन सिस्टम के माध्यम से आवेदन करना होगा । सभी आवेदनों को बिल्डनाउ पोर्टल पर अपलोड किया जाना चाहिए , ताकि अनुमोदन प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके।

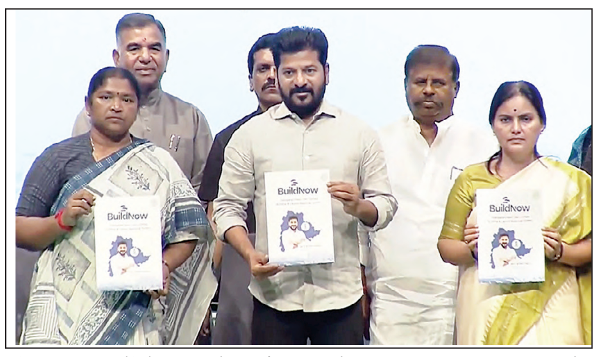

उन्होंने कहा, अब अमीर और गरीब के बीच कोई भेद नहीं है। हर आवेदक को एक ही पारदर्शी प्रक्रिया से गुजरना होगा इस पहल के साथ, तेलंगाना सरकार का लक्ष्य शहरी विकास को सुव्यवस्थित करना, नौकरशाही की देरी को खत्म करना और भवन निर्माण की अनुमति चाहने वाले नागरिकों को एक सहज अनुभव प्रदान करना है।

पुलिस ने अंतरराज्यीय गांजा तस्करी के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया

हैदराबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। गुरुवार को दो महिलाओं समेत तीन लोगों को विभिन्न राज्यों में गांजा ले जाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधिकारियों ने श्रीरामघर हनुमान मंदिर, गौलीगुड़ा में बस पार्किंग क्षेत्र के पास 2.45 लाख रुपये मूल्य का 7 किलोग्राम सूखा गांजा, तीन मोबाइल फोन और 7,150 रुपये नकद जब्त किए।

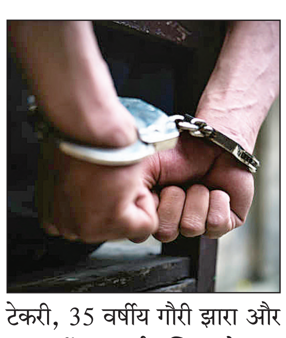

आरोपियों की पहचान ओडिशा के मलकानगिरी जिले के रहने वाले 36 वर्षीय बैजयथी टेकरी, 35 वर्षीय गौरी झारा और 22 वर्षीय धनार्जय खिला के रूप में हुई है।

रिपोर्ट के अनुसार, आरोपियों ने ओडिशा स्थित एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता संजय के निर्देश पर रायगडा के धनेश्वर और मलकानगिरी के राजू सहित दो आपूर्तिकर्ताओं से गांजा खरीदा था। वे मंगलहाट, धूलपेट के सतीश सिंह नामक व्यक्ति को खेप पहुंचाने के इरादे से एक निजी बस से हैदराबाद पहुंचे।

इससे पहले कि आरोपी गांजा पहुंचा पाते, पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया।

मुख्य आपूर्तिकर्ता संजय, उसके सहयोगी धनेश्वर और राजू तथा रिसीवर सतीश सिंह फिलहाल फरार हैं।

मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

शराब पीने से रोकने पर बेटे ने पिता की हत्या कर दी!

हैदराबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के नलगोंडा जिले में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां शराब के लिए पैसे न मिलने पर एक व्यक्ति ने अपने पिता की कथित तौर पर हत्या कर दी। यह दुखद घटना चेंचोलुरु गांव में हुई।रिपोर्ट के अनुसार, आरोपी की पहचान शिवा के रूप में हुई है, जो शराब का आदी था और अपनी शराब की आदत को बनाए रखने के लिए अक्सर अपने परिवार से पैसे मांगता था। दुर्भाग्यपूर्ण दिन, शिवा नशे में घर लौटा और अपने पिता चिन्नया से पैसे मांगे। हालाँकि, जब उसके पिता ने उसे डांटा और उसे कोई नकद देने से इनकार कर दिया, तो शिवा गुस्से में आ गया। गुस्से में आकर उसने चिन्नया पर लकड़ी के डंडे से हमला किया और बाद में गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। इस जघन्य अपराध को अंजाम देने के बाद शिवा मौके से फरार हो गया।स्थानीय पुलिस ने आरोपी को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। अधिकारियों ने मामला दर्ज कर लिया है और शिवा का पता लगाने के लिए सबूत जुटा रहे हैं।इस चौंकाने वाली घटना ने स्थानीय समुदाय को अचंभित कर दिया है, तथा परिवारों पर शराब की लत के विनाशकारी प्रभाव को उजागर किया है।

एसएससी पब्लिक परीक्षाएं आज से

5 लाख से अधिक छात्र होंगे शामिल

हैदराबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में एसएससी पब्लिक परीक्षाएं 21 मार्च से शुरू होने वाली हैं , जिसमें 5,09,403 छात्र परीक्षा में बैठने के लिए पंजीकृत हैं। इनमें 2,58,895 लड़के और 2,50,508 लड़कियां हैं । परीक्षाएं राज्य में 2,650 केंद्रों पर आयोजित की जाएंगी, जिसमें 28,100 निरीक्षक और 2,650 मुख्य अधीक्षक प्रक्रिया की देखरेख करेंगे।

-हॉल टिकट : स्कूलों को पहले ही भेजे जा चुके हैं; लीश.ïशश्ररपसरपर.सींं.ळप पर डाउनलोड के लिए भी उपलब्ध हैं। म रिपोर्टिंग समय : छात्रों को सुबह 8:30 बजे तक केंद्र पर पहुंचना होगा ।

-छूट अवधि : सुबह 9:35 बजे तक पाँच मिनट की अनुमति है ।

-अनुमत वस्तुएँ : हॉल टिकट, परीक्षा पैड, पेन, पेंसिल, स्केल, शार्पनर, इरेज़र और ज्यामितीय उपकरण

- निषिद्ध वस्तुएँ : मोबाइल फोन और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट

छात्रों की सहायता के लिए सरकारी परीक्षा निदेशालय में चौबीसों घंटे काम करने वाला नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है, जिस पर 040-23230942 पर संपर्क किया जा सकता है ।

अधिकारियों ने छात्रों से सुचारू परीक्षा प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए दिशा-निर्देशों का पालन करने का आग्रह किया है।

तेलंगाना हाईकोर्ट ने हरीश राव के खिलाफ फोन टैपिंग का मामला खारिज किया

हैदराबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेता और पूर्व मंत्री टी. हरीश राव को बड़ी राहत देते हुए तेलंगाना उच्च न्यायालय ने गुरुवार को उनके खिलाफ दर्ज फोन टैपिंग मामले को रद्द कर दिया।

न्यायमूर्ति के. लक्ष्मण ने पिछले साल दिसंबर में हैदराबाद के पुंजागुट्टा पुलिस स्टेशन में हरीश राव के खिलाफ दर्ज की गई प्राथमिकी (एफआईआर) को खारिज कर दिया। यह मामला रियल एस्टेट व्यवसायी और बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) के नेता जी. चक्रधर गौड़ की शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया था। एफआईआर में आपराधिक साजिश, जबरन वसूली, आपराधिक विश्वासघात, आपराधिक धमकी और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66 के तहत आरोप शामिल थे।शिकायतकर्ता गौड़, जिन्होंने 2023 में सिद्दीपेट विधानसभा क्षेत्र से हरीश राव के खिलाफ चुनाव लड़ा था, ने पूर्व मंत्री और उनके सहयोगियों पर उत्पीड़न, धमकी और उनके फोन की अवैध निगरानी का आरोप लगाया। गौड़ ने दावा किया कि हरीश राव ने आत्महत्या करने वाले किसानों के परिवारों को वित्तीय सहायता सहित उनके धर्मार्थ कार्यों के

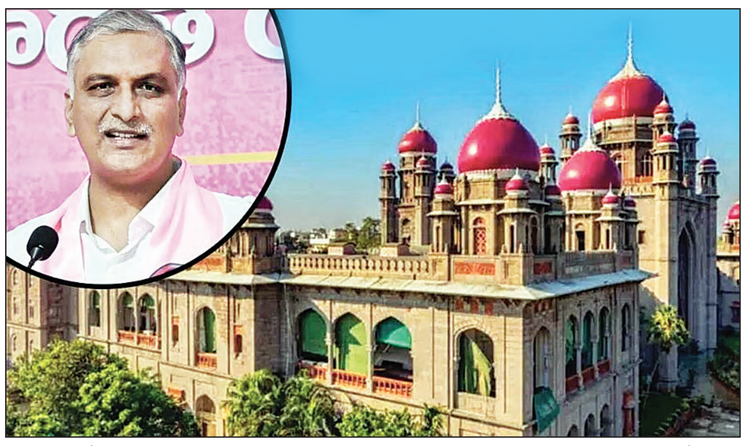

कारण उनके खिलाफ रंजिश विकसित की थी। गौड़ ने आगे आरोप लगाया कि हरीश राव के सहयोगियों द्वारा मनगढ़ंत मामले और अनधिकृत निगरानी की गई।

बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के भतीजे हरीश राव ने एफआईआर को रद्द करने के लिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी।

कोर्ट में सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने हरीश राव के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की और उन पर अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों की निगरानी और उन्हें डराने के लिए राज्य की खुफिया मशीनरी का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया।

राज्य सरकार का प्रतिनिधित्व करते हुए, सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ लूथरा ने तर्क दिया कि एक मंत्री को नागरिकों के रक्षक के रूप में कार्य करना चाहिए, लेकिन दावा किया कि हरीश राव ने इसके बजाय विरोधियों को निशाना बनाने के लिए कथित तौर पर फोन निगरानी का उपयोग करके एक शिकारी के रूप में काम किया है।

दूसरी ओर, हरीश राव के वकील शेषाद्री नायडू ने तर्क दिया कि एफआईआर में उल्लिखित कानून की धाराएँ, जिनमें आपराधिक विश्वासघात, आपराधिक साजिश और जबरन वसूली शामिल हैं, मामले पर लागू नहीं होती हैं। बचाव पक्ष ने यह भी बताया कि चक्रधर गौड़ के खिलाफ कई आपराधिक मामले लंबित हैं, जिससे आरोपों की विश्वसनीयता पर सवाल उठते हैं।

फ़ोन टैपिंग के आरोप पिछले साल मार्च में सामने आए थे, जब पुलिस उपाधीक्षक प्रणीत राव को उनके वरिष्ठ अधिकारी डी. रमेश, विशेष खुफिया शाखा (एसआईबी) के अतिरिक्त एसपी की शिकायत के बाद गिरफ़्तार किया गया था।

जांच से पता चला कि एसआईबी के तत्कालीन प्रमुख प्रभाकर राव ने कथित तौर पर प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक नेताओं, उनके परिवारों, सत्तारूढ़ पार्टी के भीतर असंतुष्टों, व्यापारियों, पत्रकारों और यहां तक कि न्यायाधीशों को निशाना बनाकर एक निगरानी टीम बनाई थी।

अब तक इस मामले में छह लोगों को नामजद किया गया है, जिनमें प्रणीत राव, अतिरिक्त एसपी थिरुपथन्ना और भुजंगा राव और पूर्व डीसीपी पी. राधा किशन राव शामिल हैं, जो सभी न्यायिक हिरासत में हैं। मुख्य आरोपी प्रभाकर राव और एक मीडिया आउटलेट के प्रबंध निदेशक श्रवण कुमार राव फिलहाल अमेरिका में हैं।

केटीआर ने कांग्रेस सरकार की आलोचना की, वारंगल बैठक में बीआरएस को एकजुट होने का आह्वान किया

हैदराबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव (केटीआर) ने तेलंगाना में जारी कृषि संकट के लिए कांग्रेस सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए उस पर निशाना साधा।

गुरुवार को सूर्यपेट में बीआरएस कार्यकर्ताओं की बैठक में बोलते हुए केटीआर ने दावा किया कि राज्य की फसलें सूखने का कारण प्राकृतिक सूखा नहीं बल्कि कांग्रेस द्वारा लाया गया सूखा है।सिंचाई मुद्दों से निपटने के लिए कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना करते हुए केटीआर ने निराशा व्यक्त की कि राज्य के जल मंत्री (उत्तम कुमार रेड्डी) की नलगोंडा में मौजूदगी के

बावजूद क्षेत्र में पानी की एक बूंद भी नहीं बह रही है।

उन्होंने आगे आरोप लगाया कि सरकार पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव (केसीआर) के प्रति अंधी नफरत के कारण मेडिगड्डा बैराज की मरम्मत किए बिना आंध्र प्रदेश को गोदावरी का पानी छोड़ रही है।बीआरएस समर्थकों को एकजुट होने के लिए प्रोत्साहित करते हुए केटीआर ने हर गांव से कार्यकर्ताओं और युवाओं से 27 अप्रैल को वारंगल में होने वाली बैठक में शामिल होने के लिए गर्व से गुलाबी रंग के बीआरएस झंडे लेकर आने का आह्वान किया।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह वर्ष बीआरएस संघर्ष का वर्ष है और जनता से प्रभावी शासन बहाल करने के लिए बीआरएस का समर्थन करने का आग्रह किया। केटीआर ने कहा कि कांग्रेस की अक्षमता को देखने के बाद अब जनता को केसीआर की महानता का एहसास हो गया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि लोग मौजूदा प्रशासन की विफलताओं से राहत पाने के लिए बीआरएस की सत्ता में वापसी चाहते हैं।

कामारेड्डी में दुर्घटना में कांस्टेबल की मौत

कामारेड्डी, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के कामारेड्डी जिले में गुरुवार 20 मार्च को एक सड़क दुर्घटना में ड्यूटी पर तैनात कांस्टेबल की मौत हो गई।कांस्टेबल की पहचान 38 वर्षीय रवि के रूप में हुई है जो गांधारी पुलिस स्टेशन में तैनात था। वह अपने साथी कांस्टेबल सुभाष के साथ सड़क किनारे खड़ा था, तभी तेज रफ्तार कार ने उसे टक्कर मार दी। यह दुर्घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। इसमें रवि को हवा में उछलते हुए दिखाया गया। सुभाष सुरक्षित बच निकला। रवि ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

तेलंगाना में सट्टेबाजी ऐप्स को बढ़ावा देने के लिए छह टॉलीवुड अभिनेताओं पर मामला दर्ज!

हैदराबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, साइबराबाद पुलिस ने छह टॉलीवुड अभिनेताओं के खिलाफ अवैध सट्टेबाजी ऐप को बढ़ावा देने के आरोप में मामला दर्ज किया है। आरोपियों में राणा दग्गुबाती , विजय देवरकोंडा, प्रकाश राज, मांचू लक्ष्मी, निधि अग्रवाल और अन्य शामिल हैं।

यह सेलिब्रिटीज और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स द्वारा सट्टेबाजी ऐप को बढ़ावा देने की चल रही जांच का हिस्सा है।मियापुर पुलिस स्टेशन में कई धाराओं के तहत प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज की गई है, जिसमें भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318 (4), 112 आर/डब्ल्यू 49, तेलंगाना गेमिंग अधिनियम की धारा 3, 3 (ए), और 4 और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2008 की धारा 66 डी शामिल हैं। पुलिस ने मियापुर निवासी फणींद्र शर्मा की शिकायत के बाद मामला दर्ज किया।शर्मा ने कहा कि उन्होंने पाया कि कई मशहूर हस्तियां और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर अवैध सट्टेबाजी ऐप और वेबसाइट को बढ़ावा दे रहे हैं, जिससे हानिकारक जुआ व्यवहार को बढ़ावा मिल रहा है। शिकायतकर्ता ने आगे बताया कि कैसे यह प्रचार लोगों को उनकी जोखिम भरी सट्टेबाजी गतिविधियों के कारण वित्तीय संकट में डाल रहा है।टॉलीवुड अभिनेताओं के साथ-साथ

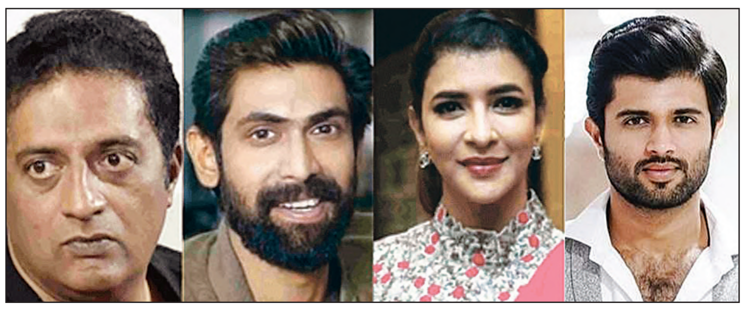

19 सोशल मीडिया प्रभावशाली लोगों का नाम भी एफआईआर में दर्ज किया गया है। कुछ प्रमुख प्रभावशाली लोगों में अनन्या नागेला, सिरी हनुमंथु, श्रीमुखी, वर्षिनी सुंदराजन और अन्य शामिल हैं। ये प्रभावशाली लोग कथित तौर पर अपने प्लेटफॉर्म पर सट्टेबाजी ऐप को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रहे हैं, जिससे वे व्यापक दर्शकों, खासकर युवाओं तक पहुँच रहे हैं।पुलिस ने मामले की गहन जांच शुरू कर दी है और आरोपियों को नोटिस जारी कर दिया है। नामजद कुछ लोग पहले ही पूछताछ के लिए पुलिस के सामने पेश हो चुके हैं। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर विष्णु प्रिया इस सप्ताह की शुरुआत में जांच अधिकारी के सामने पेश हुए थे।

पुलिस उपायुक्त (पश्चिम क्षेत्र) एसएम विजय कुमार ने ऑनलाइन सट्टेबाजी को लेकर बढ़ती चिंता पर जोर दिया, खासकर युवाओं के बीच। तेलंगाना में कई युवा व्यक्तियों को सट्टेबाजी की गतिविधियों के कारण काफी वित्तीय नुकसान उठाना पड़ा है, जिससे वे तनाव में आ गए हैं और कुछ दुखद मामलों में आत्महत्या भी कर ली है। पुलिस इस मुद्दे को सुलझाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है ताकि व्यक्तियों और समुदाय को और अधिक नुकसान न हो।टॉलीवुड अभिनेताओं के खिलाफ यह कार्रवाई हाल ही में जुए की गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए सोशल मीडिया प्रभावितों के खिलाफ दर्ज किए गए मामलों की श्रृंखला के बाद की गई है। 16 मार्च को, साइबराबाद पुलिस ने एक शिकायतकर्ता द्वारा जुए में 13 लाख रुपये से अधिक हारने की सूचना के बाद सट्टेबाजी ऐप को बढ़ावा देने के लिए यूट्यूबर हर्ष साई पर मामला दर्ज किया था। इससे पहले, विशाखापत्तनम के यूट्यूबर 'लोकल बॉय नानी' और हैदराबाद के बय्या सनी यादव पर भी सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म को बढ़ावा देने के लिए मामला दर्ज किया गया था।तेलंगाना पुलिस अवैध जुआ और सट्टेबाजी ऐप को बढ़ावा देने वाले व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है। जैसे-जैसे यह मुद्दा बढ़ता जा रहा है, अधिकारी युवाओं को ऑनलाइन सट्टेबाजी के हानिकारक प्रभावों से बचाने के लिए काम कर रहे हैं, जो वित्तीय नुकसान और कुछ व्यक्तियों के लिए दुखद परिणामों से जुड़ा हुआ है।

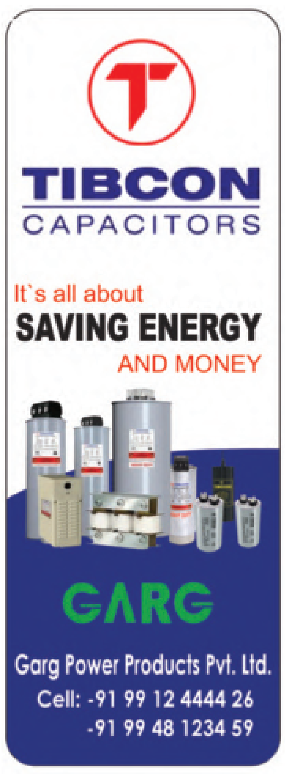

शेयर मार्केट

बीएसई : 76,348.06
+899.01 +1.19% ↑
एनएसई :23,190.65
283.05 (1.24%) ↑

कार्टून कॉर्नर

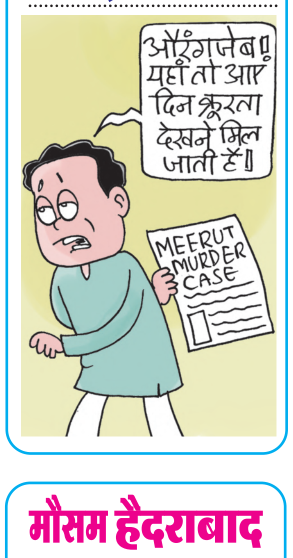

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरट गोल्ड)

सोना : 91,370/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 1,01,545/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 36^0
न्यूनतम : 23^0

बीजापुर और कांकेर में दो अलग-अलग मुठभेड़

30 नक्सली मारे गए एक जवान शहीद

भारी तादाद में ऑटोमेटिक हथियार और गोला-बारूद मिले

बीजापुर, 20 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर और कांकेर में पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में कम से कम 30 नक्सली मारे गए। बीजापुर जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) का एक जवान शहीद हो गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस मुठभेड़ की कामयाबी पर सुरक्षाबलों को बधी दी है और शहीद जवान के प्रति संवेदना और श्रद्धांजलि दी है। बीजापुर जिले के गंगालुर थाना क्षेत्र में गुरुवार तड़के पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में 26 नक्सली मारे गए हैं। दूसरी और कांकेर में हुई मुठभेड़ में चार नक्सली मारे गए। सभी 30 नक्सलियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद हुए हैं। बीजापुर और दंतेवाड़ा की सरहद के जंगली क्षेत्र गंगालुर थाना इलाके के तोड़का एंड्री के जंगल में सुरक्षाबलों की संयुक्त पार्टी के साथ नक्सलियों की मुठभेड़ हुई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, नक्सलमुक्त भारत अभियान की दिशा में आज हमारे जवानों ने एक और बड़ी सफलता हासिल की है। मोदी सरकार नक्सलियों के खिलाफ रुथलेस अप्रोच से आगे बढ़ रही है और समर्पण से लेकर समावेशन की तमाम सुविधाओं के बावजूद जो नक्सली आत्मसमर्पण नहीं कर रहे, उनके खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रही है। अगले साल 31 मार्च से पहले देश नक्सल मुक्त होने वाला है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.